



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]

No. 88]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 2, 2003/ज्येष्ठ 12, 1925
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 2, 2003/JYAISTHA 12, 1925

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मई, 2003

एं. एल-7/25(1)/2001-सी ई आर सी.—भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 की धारा 27ग के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयोग एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामशः

अध्याय-I-प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (i) इन विनियमों का नाम केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (ट्रांसमिशन लाइसेंस देने की पद्धति, निबंधन एवं शर्तें तथा अन्य संबंधित मामले) विनियम, 2003 होगा।
- (ii) ये विनियम, सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- (iii) बशर्ते कि यदि इन विनियमों के प्रवृत्त होने की तारीख को परियोजना पहले ही प्रगति पर हो तो पहले ही पूरे किए गए चरणों से छूट प्राप्त करने हेतु आयोग से संपर्क किया जाएगा।

2. परिभाषा एवं व्याख्या:

- (i) इन विनियमों में जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो:

'अधिनियम'

का अर्थ भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 से है।

'करार'

का अर्थ कार्यान्वयन करार या जैसा भी मामला हो, ट्रांसमिशन सेवा करार से है।

'बेंचमार्क मूल्य'

का अर्थ केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ निम्नतम मूल्य की बोली स्वीकार करने के प्रयोजनार्थ निर्धारित ट्रांसमिशन सेवाओं का मूल्य है, जो पावर ग्रिड द्वारा प्रदान की गई इसी प्रकार की सेवा का मूल्य होगा और जिसमें समय-समय पर आयोग द्वारा

		प्राधिकृत कोई भी अतिरिक्त प्रभार शामिल होगा।
"बोली"		का अर्थ प्रस्ताव हेतु अनुरोध के उत्तर में बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रस्ताव है और जिसमें तकनीकी बोली तथा मूल्य बोली शामिल होती है।
"केन्द्रीय यूटिलिटी"	ट्रांसमिशन	का अर्थ अधिनियम की धारा 27क की उप-धारा (1) के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी से है।
"आयोग"		का अर्थ विद्युत विनियामक आयोग अधिनियम, 1998 की धारा 3 के अधीन स्थापित केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग से है।
"सुनम्य बोली"		का अर्थ वह बोली है जो प्रस्ताव हेतु अनुरोध की अपेक्षाओं को बिना शर्त पूरा करे।
"विद्युत नियम"		का अर्थ "भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910", "विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948", "विद्युत विनियामक आयोग अधिनियम, 1998" और समय-समय पर यथा संशोधित "भारतीय विद्युत नियम, 1956 से है और इसमें इसका कोई सांविधिक पुनः अधिनियमन शामिल है।
"वित्तीय वर्ष"		का अर्थ वर्ष की 1 अप्रैल से परवर्ती वर्ष की 31 मार्च तक के बारह (12) महीनों की अवधि से है।
		बशर्ते कि जहां लाइसेंस 1 अप्रैल के बाद किसी तारीख को दिया गया है उस मामले में लाइसेंसधारी का प्रथम वित्तीय वर्ष लाइसेंस प्रदान किए जाने की तारीख से प्रारंभ होगा और इस तारीख की परवर्ती 31 मार्च को समाप्त होगा।
"भारतीय विद्युत ग्रिड कोड"		का अर्थ आयोग द्वारा अनुमोदित और समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय विद्युत ग्रिड कोड से है।
"कार्यान्वयन करार"		का अर्थ अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के निर्माण चरण से संबंधित प्रावधानों सहित संविदागत दस्तावेजों से है।
"लाइसेंस"		का अर्थ अधिनियम की धारा 27 ग के खंड (1) के अंतर्गत अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के निर्माण, रख-

रखाव एवं प्रचालन के लिए आयोग द्वारा दिए गए ट्रांसमिशन लाइसेंस से है।

"लाइसेंसधारी"

का अर्थ उस व्यक्ति से है जिसे आयोग द्वारा लाइसेंस प्रदान किया गया है।

"न्यूनतम कार्यकरण
विनिर्दिष्टियां"

का अर्थ परियोजना के लिए आउट-पुट विनिर्दिष्टियों से है।

"न्यूनतम प्रारंभ"

का अर्थ परियोजना निष्पादित करने के लिए अपेक्षित क्षमताओं के संदर्भ में तय किए गए वास्तविक कार्य निष्पादन से है जिसे आवेदक/बोलीदाता द्वारा पूरा किया जाना होगा अथवा उससे अधिक निष्पादन करना होगा।

"मूल्य बोली"

का अर्थ बोली का वह दस्तावेज है जिसमें विद्युत ट्रांसमिशन के मूल्य के बारे में सूचना दी गई है।

"परियोजना"

का अर्थ आयोग द्वारा प्रदान किए गए लाइसेंस के साथ संलग्न अनुसूची में विवरणित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों से है।

"परियोजना दस्तावेज"

का अर्थ अर्हता हेतु अनुरोध अथवा प्रस्ताव हेतु अनुरोध या दोनों सहित निविदा दस्तावेज है।

"पावर ग्रिड"

का अर्थ पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से है और इसमें उसके उत्तराधिकारी अस्तित्व से है।

"विनियम"

का अर्थ इन विनियमों से है।

"अर्हता हेतु अनुरोध"

का अर्थ निविदा प्रक्रिया की प्रथम अवस्था में जारी निविदा दस्तावेज है।

"प्रस्ताव हेतु अनुरोध"

का अर्थ निविदा प्रक्रिया की द्वितीय अवस्था में जारी निविदा दस्तावेज है।

"तकनीकी बोली"

का अर्थ बोली का वह दस्तावेज है जिसमें विद्युत ट्रांसमिशन की कीमत को छोड़कर सभी अन्य पहलुओं के बारे में सूचना मौजूद है और इसमें अन्य बातों के साथ-साथ प्रस्ताव हेतु अनुरोध के अनुसार तकनीकी डिजाइन, न्यूनतम कार्य विनिर्दिष्टियां, वित्त पोषण योजना, बोली के लिए शर्तें और अर्हता शामिल की जा सकती है।

"ट्रांसमिशन सेवा करार"

का अर्थ अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के

प्रचालन चरण से संबंधित प्रावधानों सहित संविदागत दस्तावेजों से है।

"ट्रांसमिशन सेवा प्रभार" का अर्थ विद्युत ट्रांसमिशन के लिए आयोग द्वारा अनुमोदित तथा लाइसेंसधारी को देय प्रभार से है।

- (ii) जब तक संदर्भ प्रतिकूल न हो, इसमें प्रयुक्त शब्दों एवं अभिव्यक्ति और जिन्हें इन विनियमों में परिभाषित न किया गया है किंतु विद्युत नियमों एवं भारतीय विद्युत ग्रिड कोड में परिभाषित किया गया है, का वही अर्थ है जो उन्हें विद्युत नियमों और भारतीय विद्युत ग्रिड कोड में दिया गया है।
- (iii) लाइसेंस में शर्तों, भागों एवं अनुसूचियों के प्रसंग का अर्थ, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो, लाइसेंस की शर्तों, भागों और अनुसूचियों के प्रसंग के अनुकूल ही होगा।
3. इन विनियमों की व्याख्या के लिए समय-समय पर यथा संशोधित साधारण खण्ड अधिनियम, 1897 के प्रावधान लागू होंगे।
4. इन विनियमों के अधीन सभी कार्यवाही केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (कारोबार प्रबंध) विनियम, 1999 द्वारा शासित होगी।

अध्याय-II- लाइसेंस देने की पद्धति

5. अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों का चयन:

केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी, पावरग्रिड से भिन्न एजेंसियों द्वारा चलाई जाने वाली अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों का निर्धारण केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा इस प्रयोजनार्थ तैयार की गई परियोजना के चयन की प्रक्रिया और मानदण्ड के अनुसार करेगी।

6. अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के कार्यान्वयन का तरीका:

- (i) पावरग्रिड से भिन्न एजेंसियों द्वारा अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों का कार्यान्वयन किए जाने के लिए प्रतिस्पर्धी तरीका या संयुक्त उपक्रम तरीका अंगीकार किया जा सकता है।
- (ii) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी उपयुक्त मामलों में संयुक्त उपक्रम (जे.वी.) तरीका अंगीकार करने में कोई अंतिम निर्णय ले सकती है। जहां खुली प्रतिस्पर्धा प्रत्याशित नहीं है या जहां परियोजना गंभीर प्रकृति की है वहां संयुक्त उपक्रम तरीका अंगीकार करने के लिए दिशा निर्देशक घटक एक शर्त होंगे।

बशर्ते कि संयुक्त उपक्रम की विधि के मामले में पावरग्रिड संयुक्त उपक्रम कंपनी का एक साझेदार होगा।

7. प्रतिस्पर्धी तरीका:

- (i) प्रतिस्पर्धी तरीके द्वारा अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के कार्यान्वयन के लिए किसी एजेंसी के चयन के लिए अर्हता हेतु अनुरोध और प्रस्ताव हेतु अनुरोध चरणों का अनुकरण किया जाएगा।
- (ii) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी प्रत्येक परियोजना के लिए अर्हता हेतु अनुरोध और प्रस्ताव हेतु अनुरोध के विस्तृत दस्तावेज तैयार करने के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त किए बिना अनुसूची-1 में यथा निर्दिष्ट दिशा-निर्देशक घटकों का अनुसरण करेगी।
- (iii) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी अतिरिक्त ब्यौरे शामिल करके इन विनियमों की अनुसूची-1 में विहित दिशा-निर्देशक घटकों के आधार पर अर्हता हेतु अनुरोध और प्रस्ताव हेतु अनुरोध के दस्तावेजों का प्रारूप तैयार करने हेतु स्वतंत्र होगी, बशर्ते कि शामिल ब्यौरे दिशा-निर्देशक घटकों के अनुरूप हों और इनसे दिशा-निर्देशक संशोधित, परिवर्तित न होते हों।
- (iv) इन विनियमों की अनुसूची-1 में निर्दिष्ट दिशा-निर्देशक घटकों के आधार पर मानकीकृत अर्हता के लिए अनुरोध और प्रस्ताव हेतु अनुरोध के दस्तावेजों का उपयोग बोली प्रक्रिया के लिए किया जाएगा।

बशर्ते कि जहां अनुसूची-1 में निर्दिष्ट दिशा-निर्देशक घटकों से इतर तरीका अपनाना आवश्यक समझा जाता हो, आयोग का पूर्व-अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

8. अर्हता हेतु अनुरोध का दस्तावेज

- (i) प्रतिस्पर्धी तरीके से क्रियान्वयन एजेंसी का चयन खुली निविदा आधार पर बोलियां आमंत्रित करके प्रतिस्पर्धी विधि से किया जाएगा। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी परियोजना के आकार और विगत के अनुभव को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी अथवा वैश्विक प्रतिभागिता के लिए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पत्रिकाओं में अर्हता हेतु अनुरोध के लिए सूचना प्रकाशित करेगी। यह आवेदन पर अर्हता हेतु अनुरोध भेजने की पेशकश करेगी तथा अर्हता हेतु अनुरोध प्राप्त करने के लिए अंतिम तारीख का उल्लेख करेगी।

(ii) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा तैयार किए जाने वाले मॉडल अर्हता हेतु अनुरोध दस्तावेजों में व्यापक परियोजना विवरण और दी जाने वाली सेवाओं के कार्य-क्षेत्र निहित होंगे तथा उनमें यह उल्लेख होगा कि

- (क) कार्यान्वयन एजेंसी अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के वित्त, निर्माण, प्रचालन तथा रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होगी,
- (ख) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को परियोजना की संपूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता उपलब्ध कराई जाएगी,
- (ग) करार की अवधि समाप्त होने पर कार्यान्वयनकर्ता एजेंसी, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को ट्रांसमिशन प्रणाली, कार्यान्वयनकर्ता एजेंसी द्वारा केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के साथ किए गए करार की शर्तों के अनुसार अंतरित करेगी।

(iii) अर्हता हेतु अनुरोध दस्तावेज मूल्य वाले दस्तावेज होंगे।

(iv) अर्हता के लिए बोली जमा कराने के लिए बोलीदाता को कम से कम दो महीने के समय की अनुमति दी जाएगी।

9. अर्हता हेतु अनुरोध चरण पर अर्हक पक्षों का चयन:

1. आवेदक की अर्हता को विस्तृत अर्हता संबंधी अपेक्षाओं में उल्लिखित न्यूनतम प्रारम्भिक स्तर के प्रति आंका जाएगा।
2. अर्हता हेतु अनुरोध की अवस्था में अर्हक पक्षों का चयन करने के प्रयोजनार्थ केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा यथा अपेक्षित किसी अन्य मानदण्ड के अलावा निम्नलिखित आकलन मानदण्ड अपनाया जाएगा:-

- (क) ट्रांसमिशन प्रणाली (लाइन और उप-स्टेशन) के विकास, निर्माण, प्रचालन और रखरखाव में तथा आवेदकों/बोलीदाताओं द्वारा अनुबंध के माध्यम से दीर्घकालिक वित्त सहित आवश्यक संसाधन जुटाने में विगत अनुभव;
- (ख) निवल कीमत, बिक्री और अथवा किसी अन्य उपयुक्त मापक द्वारा आकलित वर्तमान वित्तीय और विधिक स्थिति तथा इसमें प्रतिष्ठित बैंकों से एक पत्र/प्रमाण-पत्र यह सत्यापित करते हुए शामिल होगा कि आवेदक/बोलीदाता और/अथवा संघ के सदस्यों का उनके पास खाता है तथा उनकी वित्तीय स्थिति ठोस है; और

(ग) पूर्व का बी.ओ.ओ.टी./बी.ओ.टी. अनुभव तथा वित्तीय समापन की योग्यता पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तावित परियोजना जितने आकार की परियोजना के लिए वित्त की व्यवस्था करने की योग्यता।

3. मूल्यांकन मानदण्ड निष्पक्ष होंगे। अर्हता हेतु अनुरोध के आकलन में शर्त और विवेक न्यूनतम होगा।
4. आवेदक स्वतः ही अर्हता हेतु अनुरोध की अवस्था में अर्हक हो सकता है।
5. यदि कम से कम तीन पक्षों ने अर्हता हासिल की हो तभी केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी प्रस्ताव हेतु अनुरोध की अवस्था के लिए बोली की प्रक्रिया शुरू करेगी।

बशर्ते कि केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा इस उप-खण्ड में निर्दिष्ट शर्त में ढील देने के लिए आवेदन करने पर आयोग अपने विवेक से इसमें ढील दे सकता है और उसके बाद केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी बोली की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी।

10. प्रस्ताव हेतु अनुरोध दस्तावेज

1. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी अर्हक आवेदकों को प्रस्ताव हेतु अनुरोध का दस्तावेज भेजेगी। प्रस्ताव हेतु अनुरोध दो भागों में प्रस्तुत किया जाएगा - तकनीकी बोली और मूल्य बोली।
2. प्रस्ताव हेतु अनुरोध के दस्तावेज में प्रत्याशित बोलीदाता की जरूरत की सभी सूचना होगी ताकि बोली निश्चित की जा सके। यह प्रत्याशित बोलीदाता को उसकी बोली के समर्थन में अपेक्षित सभी सूचना के बारे में भी बताएगा। यह सूचना उतने तक ही कड़ाई से सीमित रखी जाएगी जितना उल्लिखित मूल्यांकन मानदण्ड के प्रति बोलियों का उचित मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक है।
3. मॉडल प्रस्ताव हेतु अनुरोध दस्तावेजों में, दी जाने वाली सेवाओं के कार्य-क्षेत्र, बोलीदाता के दायित्व और बोलीदाता तथा केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के मध्य जोखिमों एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण करना होगा और इसमें

(क) छूट दर, विदेशी मुद्रा विनिमय दर तथा विदेशी मुद्रा विनिमय अंतर दर सहित मूल्यांकन करने के मानदंडों के विस्तृत विवरण के साथ बोली की शेष प्रक्रिया और समय सारणी से संबंधित सूचना होगी।

(ख) डी.पी.आर. पर आधारित परियोजना की न्यूनतम कार्य विनिर्दिष्टियां और तकनीकी विनिर्दिष्टियां, इंटरफेस मामले, बोली के उचित मूल्यांकन के लिए अपेक्षित सूचना देते हुए बोली के फार्म, प्रतिभूति निष्पादन के फार्म, मसौदा कार्यान्वयन करार एवं ट्रांसमिशन सेवा

करार, लाइसेंस के सामान्य निबंधन एवं शर्तें, आयोग द्वारा यथा-अधिसूचित लाइसेंस देने के आवेदन-प्रपत्र शामिल होंगी।

- (ग) चयन होने पर सफल बोलीदाता द्वारा तत्काल जमा कराए जाने वाली "परियोजना कार्यान्वयन गारंटी जमा राशि" के संबंध में देय राशि का उल्लेख होगा, यदि सफल बोलीदाता वित्तीय संवृति पर पहुंचने या निर्धारित समय में परियोजना पूरी करने में असफल रहता है तो यह राशि जब्त कर ली जाएगी,
 - (घ) उस विधि का उल्लेख होगा जिसके द्वारा लाभार्थियों से ट्रांसमिशन सेवा प्रभार लिया जाएगा,
 - (ङ.) परियोजना चरणों में निष्पादित किए जाने पर विभिन्न चरणों के लिए ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों के अभिकलन की विधि निर्धारित होगी।
 - (च) ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों का विदेशी मुद्रा सूचकांक घटक और स्वदेशी मुद्रास्फीति सूचकांक घटक के लिए सीमाएं निर्दिष्ट होंगी। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को उसके द्वारा प्रस्तावित सीमाओं को न्यायोचित ठहराना होगा। विशेष रूप से टैरिफ में विदेशी मुद्रा शामिल किया जाना न्यूनतम रखा जाएगा, ऐसा विदेशी मुद्रा घटक को सीमित करके और सामान्यतः उपलब्ध ऋण शर्तों के अनुरूप ट्रांसमिशन सेवा करार की कालावधि में विदेशी मुद्रा के उपयोग को सतत रूप से कम करके किया जाएगा।
 - (छ) ट्रांसमिशन लाइसेंस समाप्त होने पर जिस कीमत पर ट्रांसमिशन प्रणाली को केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को अंतरित किया जाएगा उस शेष कीमत की गणना करने की विधि स्पष्ट रूप से दें और इसे निष्पक्षता से निर्धारित किया जाएगा तथा बोली में घटक के रूप में शामिल किया जा सकेगा।
4. बोलीदाताओं को विस्तृत प्रस्ताव जमा कराने के लिए कम से कम तीन (3) महीनों का समय दिया जाएगा।
 5. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी प्रस्ताव हेतु अनुरोध का वितरण करने के बाद दो से चार सप्ताह के बीच में बोली पूर्व कम से कम एक सम्मेलन करेगी। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी बोली पूर्व के सम्मेलन के लिए कार्यसूची जारी करेगी और उसके बाद सम्मेलन के कार्यवृत्त प्रकाशित करेगी।
 6. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी परियोजना दस्तावेजों में संशोधन को न्यूनतम रखते हुए सुनम्य बोलियों की संख्या को अधिकतम करने की दृष्टि से

परियोजना दस्तावेजों को संशोधित करने संबंधी अर्हक आवेदकों की टिप्पणियों पर विधिवत ध्यान देगी।

7. यदि ऐसे संशोधनों के परिणामस्वरूप परियोजना दस्तावेजों में इन विनियमों अथवा अनुसूची-1 में विहित दिशा-निर्देशक घटकों से अंतर उत्पन्न होता है तो ऐसे अंतर के लिए आयोग का पूर्वानुमोदन प्राप्त करना होगा।
8. परियोजना के संशोधित दस्तावेज को बोली प्रस्तुत करने की अपेक्षित तारीख से कम से कम आठ सप्ताह पूर्व अर्हक आवेदकों को वितरित किया जाएगा।
9. यदि किसी बोलीदाता के मांगने पर कोई स्पष्टीकरण जारी किया गया है तो यह बताए बिना कि किसके मांगने पर स्पष्टीकरण जारी किया गया है, इस स्पष्टीकरण को सभी बोलीदाताओं को भेजा जाएगा।

11. ट्रांसमिशन सेवा प्रभार:

बोलीदाता, प्रस्ताव हेतु अनुरोध दस्तावेज में उल्लिखित कार्य-निष्पादन के एक नियामक स्तर पर देय वार्षिक सेवा-प्रभारों का उल्लेख करेगा। ट्रांसमिशन सेवा प्रभार निम्नलिखित सिद्धांतों को पूरा करेंगे:-

- (क) ये परियोजना को प्रोत्साहन-युक्त बनाएंगे ताकि ट्रांसमिशन प्रणाली अधिकतम उपलब्ध हो,
- (ख) जो घटक परियोजना के नियंत्रण से बाहर हैं वे ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों में प्रदान किए जाएंगे - ये विदेशी मुद्रा विनिमय के उतार-चढ़ाव और मुद्रास्फीति से संबंधित हैं। वार्षिक ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों में तीन घटक होंगे अर्थात्, रूपए का निर्धारित हिस्सा, विदेशी मुद्रा का हिस्सा और भारतीय मुद्रास्फीति से प्रभावित हिस्सा। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी यह निर्दिष्ट नहीं करेगी कि कौन सा लागत शीर्ष उपर्युक्त तीन घटकों में प्रत्येक के अधीन कवर किया जा सकेगा क्योंकि यह शर्त प्रतिबंधित है और टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोलियों के सिद्धांत के विरुद्ध है।

12. बोली का मूल्यांकन

1. बोली पैकेज जनता के सामने खोला जाएगा। बोली पैकेज की निविदा शर्तों का समग्र अनुपालन करने के लिए जांच की जाएगी उदाहरणार्थ, कार्य निष्पादन अनुबंध, प्रस्तुत करने की अपेक्षाएं आदि। सभी बोलीदाताओं को बोली खुलने के समय उपस्थित रहने का अधिकार होगा।
2. इसके बाद सुनम्य बोली पैकेज की तकनीकी बोली का आकलन किया जाएगा। जब तक तकनीकी बोलियों का आकलन चलेगा तब तक सुनम्य

बोली पैकेज की मूल्य बोली नहीं खोली जाएगी और सुरक्षित सुपुर्दगी में रहेगी। सुनम्य बोली पैकेजों, जो तकनीकी मानदण्ड पूरा करते हों, की मूल्य बोलियां इसके बाद खोली जाएगी और इनका मूल्यांकन किया जाएगा।

3. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी, यदि कम से कम तीन वैध बोलियां प्राप्त होती हैं तो प्रस्तावों का मूल्यांकन तथा उनकी तुलना करेगी।

बशर्ते कि यदि कम से कम तीन बोलियां उपलब्ध नहीं होती हैं तो कार्यान्वयकर्ता एजेंसी का अंतिम चयन, केवल आयोग की अनुमति लेने के बाद ही किया जाए।

4. निविदा शर्तों के साथ बोलियों का मूल्यांकन करते समय केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी निम्नलिखित सुनिश्चित करेगी:-

(क) **पूर्णता:** मांगी गई सभी संगत सूचना और बोली की प्रतिभूति प्रदान कर दी गई है;

(ख) **शर्त विहिनता:** बोली में कोई शर्त नहीं लगाई गई है और किसी प्रकार का संशोधन अथवा उच्छेद अथवा चिह्नन नहीं है।

5. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी सुनम्य पाई गई तकनीकी बोलियों का निम्नलिखित न्यूनतम तकनीकी मानदण्डों का अनुसरण करके आकलन करेगी:

(क) **तकनीकी विश्वसनीयता:** परियोजना का मूल इंजीनियरिंग डिजाइन केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा निर्धारित और बोली दस्तावेज में यथा-निर्दिष्ट न्यूनतम कार्य विनिर्दिष्टियां प्रदान करने में सक्षम होगा।

(ख) **प्रचालनात्मक व्यवहार्यता:** पूर्ण की गई सुविधा का प्रचालन और रखरखाव करने के लिए प्रस्तावित संगठन, विधियां और प्रक्रियाएं सुपरिभाषित होंगी, विहित कार्य निष्पादन मानकों के अनुरूप होंगी और कार्यशील स्थिति में होंगी।

(ग) **पर्यावरण मानक:** उपयोग की जाने वाली परियोजना का प्रस्तावित डिजाइन और प्रौद्योगिकी प्रचलित पर्यावरण मानकों के अनुसार होगी। पर्यावरण पर पड़ने वाले किसी प्रतिकूल प्रभाव का उचित रूप से उल्लेख किया जाएगा और इसमें अपनाए जाने वाले तदनुरूपी सुधारात्मक/कम करने के उपाय शामिल किए जाएंगे।

(घ) **परियोजना का वित्त पोषण:** प्रस्तावित वित्त पोषण योजना में यह दर्शाया जाएगा कि यह विश्वसनीय और प्राप्यनीय है।

6. इन विनियमों की अनुसूची-1 में निर्दिष्ट दिशा-निर्देशक घटकों में दिए गए बोली आकलन मानदण्ड का हर प्रकार से अनुसरण किया जाएगा। परिवर्तन, यदि कोई हो, को आयोग से अनुमोदित करवाया जाएगा।
7. आयोग सफल बोलीदाता के चयन में किसी बोलीदाता से दुराशय की शिकायत प्राप्त होने पर आकलन रिपोर्टें मांग सकता है ताकि वह केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा की गई आकलन प्रक्रिया के उचित होने के बारे में संतुष्ट हो सके।
8. बोलीदाता को वित्त प्रदाताओं तथा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं की पहचान कर लेनी होगी और "रूचि की अभिव्यक्ति" हासिल करनी होगी।

13. कार्यान्वयन एजेंसी का चयन

1. जिन बोलीदाताओं की बोली तकनीकी मानदण्ड पूरा करती है, उनमें से कार्यान्वयनकर्ता एजेंसी का अंतिम चयन, बोलीदाताओं द्वारा उल्लिखित वार्षिक ट्रांसमिशन सेवा-प्रभारों के निवल वर्तमान मूल्य के मूल्यांकन तथा तुलना करने के बाद ही किया जाएगा। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा अनुमानित बेंचमार्क मूल्य मूल्यांकन के दौरान बोलियों के औचित्य की जांच करने के लिए आधार होंगे।
2. यदि न्यूनतम मूल्य की बोली बेंचमार्क मूल्य जमा 10 प्रतिशत के गोपनीय अंतराल से अधिक होती है तो केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी न्यूनतम बोलीदाता से इस मूल्य को बेंच मार्क मूल्य जमा 10 प्रतिशत के समान करने के लिए कहेगी। यदि बोलीदाता इस मूल्य को समान करने के लिए सहमत होता है तो इसका चयन क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में किया जाना चाहिए। यदि बोलीदाता इस मूल्य को समान करने में विफल रहता है तो केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी इस बात पर विचार करेगी कि क्या न्यूनतम मूल्य बोली को स्वीकार किया जाए और न्यूनतम मूल्य की बोली के बोलीदाता का चयन कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में किया जाए। यदि केन्द्रीय ट्रांसमिशन एजेंसी बेंचमार्क मूल्य जमा 10 प्रतिशत से ऊपर के न्यूनतम मूल्य बोलीदाता के पक्ष में निर्णय लेती है तो इसे उचित औचित्य देकर आयोग का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

14. बोली प्रक्रिया के दौरान आचार संहिता

1. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी तब तक निविदा दस्तावेजों की कोई व्याख्या प्रदान नहीं करेगी जब तक कि इसमें सुस्पष्ट त्रुटि न हो अथवा जब तक कि

अन्य बातों के साथ-साथ टैरिफ सहित गणना किए गए उदाहरणों का उल्लेख न करना हो।

2. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी आवेदकों/बोलीदाताओं से प्राप्त हुए लिखित पत्राचार और लिखित स्वीकृति पर ही निर्भर करेगी। इसके अलावा केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी अपना सभी पत्राचार सभी बोलीदाताओं के साथ करेगी।
3. यदि बोली प्रक्रिया अथवा बोली दस्तावेज में कोई परिवर्तन किया जाता है तो केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी बोलीदाताओं को पर्याप्त समय की अनुमति देगी।

15. संयुक्त उपक्रम का तरीका

संयुक्त उपक्रम के तरीके के लिए वार्षिक ट्रांसमिशन सेवा-प्रभार, आयोग द्वारा समय-समय पर जारी टैरिफ अधिसूचना के अनुसार लागत जमा आधार पर होंगे।

16. केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा अनुमोदन:

केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी, लाइसेंस देने के लिए अपना अनुमोदन प्रदान करने से पहले शर्त पूरी करेगा कि:-

- (i) भारतीय विद्युत ग्रिड कोड के अंतर्गत निर्धारित योजनागत नीति का अनुपालन किया गया है।
- (ii) सफल बोलीदाता द्वारा निष्पादन के लिए प्रस्तावित घटक पावरग्रिड से भिन्न अन्य एजेंसियों द्वारा निष्पादन के लिए निर्धारित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के भाग हैं।
- (iii) पावरग्रिड से भिन्न अन्य एजेंसियों द्वारा प्रारंभ किए जाने वाले अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटकों के चयन के लिए केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा प्रकाशित पद्धति का अनुकरण किया गया है।
- (iv) सफल बोलीदाता द्वारा निष्पादित किए जाने के लिए प्रस्तावित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए भिन्न परियोजना के रूप में उपयुक्त आकार (लागत-वार) के हैं।
- (v) सैद्धांतिक रूप में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से अनुमति, जहां आवश्यक है, ले ली गई है।
- (vi) परियोजना के घटकों के लाभभोगियों से उपयुक्त मंच पर परामर्श कर लिया गया है।

17. आयोग द्वारा ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करना:

- (i) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा, इन विनियमों में निर्धारित रूप में और अनुसूची-2 में संलग्न प्रपत्र में विधिवत अनुमोदित लाइसेंस देने का आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (ii) ऐसे प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ, सहायक सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट/पे ऑर्डर द्वारा देय 100,000/- रुपये (केवल एक लाख रुपये) का शुल्क संलग्न किया जाएगा।
- (iii) आयोग, इस तथ्य से संतुष्ट होने पर कि इन विनियमों के अंतर्गत निर्धारित पद्धति का अनुपालन किया गया है, लाइसेंस देने के लिए आवेदक को आशय-पत्र जारी कर सकता है।

बशर्ते कि आशय-पत्र जारी करने से पहले आयोग आवेदक से या केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी से ऐसी सूचना मांग सकता है, जो वह आवश्यक समझे।

- (iv) आयोग, जहां तक संभव हो, विनियम 22 के खंड (1) के उपखंड(i) के अंतर्गत निर्धारित प्रारंभिक लाइसेंस शुल्क प्राप्त होने के 15 दिनों के अंदर अनुसूची-3 में संलग्न प्रपत्र में लाइसेंस प्रदान करेगा।

18. आयोग को रिपोर्ट देना:

केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी, परियोजना के निर्माण एवं प्रचालन के दौरान लाइसेंसधारी के कार्य निष्पादन के संबंध में ऐसे कार्यों की रिपोर्ट देगा, जिन्हें सूचित करना वह उपयुक्त समझती है।

बशर्ते कि आयोग, लाइसेंसधारी के निष्पादन के संबंध में किसी भी समय वह सूचना मांग सकता है, जो वह आवश्यक समझे।

अध्याय-III- लाइसेंस के निबंधन एवं शर्तें

19. लाइसेंसधारी के दायित्व:

लाइसेंसधारी निम्नलिखित दायित्वों की शर्तों के अधीन होगा-

- (क) लाइसेंसधारी, करार(करारों) के अनुसार परियोजना को निर्दिष्ट समय में कुशल तरीके से प्रारंभ करेगा।
- (ख) लाइसेंसधारी, लागू सभी नियमों, विशेष रूप से विद्युत नियमों, भारतीय विद्युत ग्रिड आयोग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और निदेशों का सख्ती से पालन करेगा और वह परियोजना के निर्माण एवं प्रचालन और रख-रखाव के दौरान करारों के अनुसार कार्य करेगा।

- (ग) लाइसेंस के उद्देश्य को पूरा करने के लिए लाइसेंसधारी द्वारा विधिपूर्वक प्राधिकृत कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 12 से 19 तक का उसी तरह अनुपालन करेगा, जैसे कि यदि वह अधिनियम के अंतर्गत स्वयं लाइसेंसधारी है।
- (घ) लाइसेंसधारी, आयोग, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी और विद्युत निरीक्षक द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति, की परियोजना से संबंधित उसके कार्यों को करने के लिए सभी सहायता देगा।
- (ङ.) सम्पूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को उपलब्ध करवाई जाएगी।

20. वर्जित कार्य:

लाइसेंसधारी, लाइसेंस की अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्य नहीं करेगा:-

- (क) लाइसेंसधारी, किसी भी समय आयोग, का लिखित में पूर्व अनुमोदन लिए बिना, जहां तक ऊर्जा के उत्पादन, पारेषण, वितरण या प्रदाय के व्यवसाय का संबंध है, क्रय द्वारा या अन्यथा कोई लाइसेंस या किसी उपक्रम में कोई लाभदायक हित प्राप्त नहीं करेगा अथवा विद्युत का उत्पादन, संचरण, वितरण, प्रदाय करने वाले किसी अन्य लाइसेंसधारी या किसी अन्य व्यक्ति अथवा विद्युत के उत्पादन, पारेषण, वितरण या प्रदाय के लिए अभीष्ट किसी व्यक्ति को स्वयं से नहीं जोड़ेगा।

- (ख) लाइसेंसधारी, विद्युत के पारेषण(ट्रांसमिशन) से भिन्न किसी अन्य उद्देश्य के लिए परियोजना की परिसम्पत्ति का उपयोग नहीं करेगा।

बशर्ते कि जहां परियोजना की परिसम्पत्ति का उपयोग, आयोग का अनुमोदन प्राप्त करने के बाद विद्युत के पारेषण से भिन्न किसी अन्य उद्देश्य के लिए किया जाता है तो ऐसे उपयोग से लाइसेंसधारी को होने वाला अतिरिक्त लाभ, लाभभोगियों और लाइसेंसधारी द्वारा उस तरीके से आपस में बांटा जाएगा जिसका आयोग द्वारा निदेश दिया जाए।

- (ग) लाइसेंसधारी, आयोग की पूर्व अनुमति के बिना, हस्तांतरण के लिए विद्युत परियोजना के माध्यम से क्रय/विक्रय के लिए किसी तीसरे पक्ष से कोई समझौता नहीं करेगा।
- (घ) उपर्युक्त खंड(क), (ख) या (ग) में उल्लिखित प्रकृति के लेन-देन से संबंधित कोई भी करार, जबकि वह आयोग की पूर्व अनुमति के बिना किया गया हो, अमान्य होगा तथा लाइसेंस के निबंधन तथा शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

(ड.) लाइसेंसधारी, कभी भी किसी व्यक्ति को विक्रय, बंधक, पट्टे, विनिमय द्वारा या अन्यथा अपना लाइसेंस सुपुर्द नहीं करेगा या अपना उपक्रम अथवा उसका कोई अंश हस्तांतरित नहीं करेगा।

बशर्ते कि लाइसेंसधारी द्वारा ऋण के पुनर्भुगतान में चूक होने के मामले में आयोग, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के परामर्श से ऋणदाता के नामांकित व्यक्ति को लाइसेंस सुपुर्द कर सकता है।

(च) लाइसेंसधारी निम्नलिखित तथ्यों को छोड़ कर परियोजना के किसी भाग में कोई संवर्धन/संशोधन नहीं करेगा -

(i) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के साथ हुए करार के अनुसार और आयोग की पूर्ण अनुमति से,

(ii) आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार।

(छ) लाइसेंसधारी, आयोग की पूर्ण अनुमति के बिना, परियोजना के प्रचालन नियंत्रण को समाप्त नहीं करेगा या उसका त्याग नहीं करेगा।

21. लाइसेंस की अवधि:

(i) लाइसेंस, इसे जारी किए जाने की तारीख से प्रारंभ होगा और यदि यह पहले रद्द नहीं किया गया तो, अनुसूचित तारीख अथवा वाणिज्यिक प्रचालन की वास्तविक तारीख, जो भी पहले हो, से 30(तीस) वर्षों की अवधि तक चालू रहेगा।

(ii) लाइसेंस की अवधि समाप्त होने पर, परिसम्पत्तियां केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को हस्तांतरित कर दी जाएंगी, जिसका हस्तांतरण मूल्य, ट्रांसमिशन सेवा करार में दिए गए तरीके से निर्धारित किया जाएगा।

22. लाइसेंस शुल्क का भुगतान:

1. लाइसेंसधारी, नीचे निर्दिष्ट राशि के लाइसेंस शुल्क का भुगतान सहायक सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के पक्ष में देय बैंक ड्राफ्ट के रूप में आयोग को करेगा।

(i) 100,000(केवल एक लाख रूपए) का प्रारंभिक लाइसेंस शुल्क आशय-पत्र प्राप्त होने के तीस दिनों के अंदर।

(ii) परिसम्पत्ति के, व्यावसायिक प्रचालन के अंतर्गत घोषित किए जाने के बाद, लाइसेंसधारी को, आयोग द्वारा अनुमोदित वार्षिक ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों के 0.05%(एक प्रतिशत का बीसवां भाग) के समकक्ष राशि, जो

न्यूनतम 50,000/- रुपये (केवल पचास हजार रूपए) और अधिकतम 2,00,000/- रुपये (केवल दो लाख रूपए) होगी का, वित्तीय वर्ष प्रारंभ होने के 30(तीस) दिनों के अंदर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के वार्षिक लाइसेंस शुल्क के रूप में भुगतान करना होगा।

(iii) व्यावसायिक प्रचालन की तारीख एवं वित्तीय वर्ष के अंत के बीच की अवधि के लिए, उपर्युक्त खण्ड(ii) में यथा उल्लिखित वार्षिक लाइसेंस शुल्क के निर्धारित अनुपात का, व्यावसायिक प्रचालन के प्रारंभ होने के 30(तीस) दिनों के अंदर भुगतान किया जाएगा।

(iv) वित्तीय वर्ष प्रारंभ होने और लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बीच की अवधि के लिए उपर्युक्त खण्ड(ii) में यथा उल्लिखित वार्षिक लाइसेंस शुल्क के निर्धारित अनुपात का, वित्तीय वर्ष प्रारंभ होने के 30(तीस) दिनों के अंदर भुगतान किया जाएगा।

2. यदि लाइसेंसधारी, आयोग को लाइसेंस शुल्क या उसके किसी भाग का भुगतान करने में असफल रहता है तो जितनी अवधि तक लाइसेंस शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है उस अवधि के लिए लाइसेंसधारी को बकाया राशि पर 2% प्रति माह या उसके किसी भाग के साधारण ब्याज की दर पर दण्डात्मक ब्याज का भुगतान करना होगा।

3. उक्त खंड(2) के प्रावधानों के बावजूद, लाइसेंस शुल्क के भुगतान में विलंब को या इसका भुगतान न किए जाने को, लाइसेंस के निबंधन एवं शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

23. लाइसेंसधारी के खाते:

1. लाइसेंसधारी -

(क) परियोजना के तथा आयोग द्वारा अनुमत परियोजना की परिसम्पत्ति के उपयोग किए जा रहे अन्य किसी व्यवसाय के खातों की अलग सूचना और विवरण रखेगा। खातों के विवरण, उस रूप में रखे जाएंगे और उनमें वे ब्यौरे होंगे जो आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएं।

(ख) परियोजना के खाते, लाइसेंसधारी, ऐसी किसी समान ट्रांसमिशन, परियोजनाओं, यदि कोई हो, के कार्यों सहित उसके द्वारा चलाए जा रहे किसी अन्य व्यवसाय से अलग रखे जाएंगे।

(ग) प्रत्येक वित्त वर्ष के ऐसे रिकार्ड, लेखा-विवरण संगत आधार पर तैयार करेगा, जिसमें लाभ एवं हानि ब्यौरे, तुलन-पत्र और स्रोत एवं निधि के प्रयोज्य के विवरण तथा उस पर टिप्पणी शामिल होगी और उसमें किसी राजस्व, लागत,

परिसम्पत्ति, देयता, आरक्षी या निम्नलिखित में से किसी के लिए किए गए प्रावधान को पृथक् रूप में दर्शाएगा:

- (i) परियोजना से जुड़े किसी व्यवसाय कार्य से भिन्न किसी व्यवसाय कार्य से लिया गया उसे दिया प्रभार और उस प्रभार के आधार का विवरण देगा, या
- (ii) विभिन्न व्यवसाय कार्यों के बीच निर्धारित विभाजन या आबंटन और विभाजन या आबंटन के आधार का विवरण भी दिया जाए।
- (घ) उक्त खंडों के अनुसार तैयार किए गए लेखा-विवरण के संबंध में, लेखा परीक्षकों द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में तैयार की गई रिपोर्ट देगा, जिसमें यह उल्लेख होगा कि क्या उनकी राय में विवरण उपयुक्त रूप में तैयार किया गया है और जिस परियोजना से वह विवरण संबंधित है उस परियोजना पर संगत रूप में लगाए गए राजस्व, लागत, परिसम्पत्ति, देयता आरक्षी राशि को सटीक एवं उपयुक्त रूप से दर्शाया जाएगा, और
- (ङ.) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को, संबंधित वित्तीय वर्ष के समाप्त होने के अधिकतम छह महीनों के अंदर लेखा-विवरण और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

2. आयोग या केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा प्राधिकृत कोई भी व्यक्ति, लाइसेंस की वैधता अवधि के दौरान किसी भी समय लाइसेंसधारी के खातों का निरीक्षण एवं सत्यापन करने का हकदार होगा और लाइसेंसधारी, ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

24. सूचना प्रस्तुत करना:

1. लाइसेंसधारी वह सूचना देगा, जो आयोग द्वारा समय-समय पर मांगी जाए।
2. लाइसेंसधारी, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा निर्धारित तरीके एवं रूप में वह सूचना देगा, जो लाइसेंसधारी के कार्य-निष्पादन, लाइसेंस के निबंधनों तथा शर्तों तथा किसी अन्य वैधानिक या विनियामक अपेक्षा के अनुपालन की निगरानी के लिए केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा समय-समय पर आवश्यक हो।

25. विवेकी रिपोर्ट देना:

लाइसेंसधारी, ज्यों ही व्यवहार्य हो, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को निम्नलिखित की रिपोर्ट देगा -

- (क) उसकी परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन जो विद्युत नियमों, आयोग द्वारा जारी निदेशों/आदेशों, भारतीय विद्युत ग्रिड कोड, करार या लाइसेंस के

अंतर्गत उसकी बाध्यताओं को पूरा करने में लाइसेंसधारी की क्षमता को प्रभावित करें।

(ख) विद्युत नियमों, आयोग द्वारा जारी निदेशों/दिशानिर्देशों, भारतीय विद्युत ग्रिड कोड, करार या लाइसेंस के प्रावधानों का कोई महत्वपूर्ण उल्लंघन।

(ग) लाइसेंसधारी के बड़े शेयर धारण, स्वामित्व या प्रबंध में कोई परिवर्तन।

26. प्रचालन एवं अनुपालन लेखा-परीक्षा:

लाइसेंसधारी, निम्नलिखित के संबंध में स्वतंत्र वार्षिक प्रचालन एवं अनुपालन लेखा-परीक्षा के संबंध में केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को आवश्यक दस्तावेज/सूचना प्रस्तुत करेगा:-

(क) ट्रांसमिशन प्रणाली की उपलब्धता के संबंध में पूरे किए गए कार्य-निष्पादन के स्तर, ट्रांसमिशन हानि, ओ. प्रचालन एवं रखरखाव प्रक्रिया, प्रोत्साहन/हतोत्साहन, जुर्मानों एवं दण्ड - यदि कोई हो, जो विद्युत विधियों के अंतर्गत लगाए गए हों; और

(ख) लाइसेंसधारी द्वारा, लाइसेंस, भारतीय विद्युत ग्रिड कोड, करार के अंतर्गत बाध्यताओं सहित अनुपालन; और

(ग) लाइसेंसधारी द्वारा, लागू विद्युत नियमों और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों/आदेशों आदि की इनके प्रावधानों सहित अनुपालना, और

(घ) लाइसेंस के अंतर्गत अपने प्रचालन को जारी रखने के लिए लाइसेंसधारी की वित्तीय तकनीकी एवं अन्य क्षमता।

27. रद्द करने की शर्तें

1. आयोग लाइसेंस को किसी भी समय रद्द कर सकता है, यदि -

(क) लाइसेंसधारी आयोग को लिखित में अनुरोध करे कि लाइसेंस रद्द कर दिया जाए; या

(ख) विनियम 18 के अंतर्गत देय कोई राशि, देय होने के बाद 90(नब्बे) दिनों की अवधि तक जिसका भुगतान न किया गया हो; या

(ग) लाइसेंसधारी ने, आयोग की राय में लाइसेंस के किसी निबंधन या शर्त का पूर्ण उल्लंघन किया है और ऐसे उल्लंघन को दूर करने के लिए वह, आयोग द्वारा जारी आदेश या निदेश का अनुपालन करने में असफल रहा है; या

(घ) लाइसेंसधारी, आयोग की राय में, लाइसेंस के अंतर्गत उसे सौंपे गए कार्यों एवं दायित्वों को पूरी तरह एवं कुशलतापूर्वक करने की स्थिति में नहीं है; या

(ङ.) आयोग की राय में, लाइसेंसधारी ने, विद्युत नियमों या भारतीय विद्युत ग्रिड कोड या उनके अंतर्गत उससे अपेक्षित कुछ भी करने में जानबूझकर या कोई अनुचित चूक की है।

बशर्ते कि लाइसेंस, लाइसेंसधारी को, लाइसेंसधारी द्वारा बताए गए कारणों पर विचार करने के बाद और जिन कारणों से लाइसेंस रद्द किए जाने का प्रस्ताव है, का लिखित में कम से कम 90 (नब्बे) दिनों का नोटिस दिए बिना रद्द नहीं किया जाएगा।

बशर्ते यह भी कि लाइसेंसधारी द्वारा दर्शाए गए कारण पर विचार करने के बाद आयोग, लाइसेंस को रद्द करने की बजाए उन और शर्तों एवं निबंधनों पर जारी रखने के लिए अनुमति दे सकता है जो वह लागू करना चाहता है और आयोग द्वारा लगाई गई ऐसी और शर्त तथा निबंधन का लाइसेंसधारी द्वारा अनुपालन किया जाएगा ये उसी तरह लागू तथा प्रभावी रहेंगे जैसे ये लाइसेंस में निहित हैं।

2. लाइसेंसधारक और केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के बीच करार जब आयोग के अनुमोदन से अथवा लाइसेंसधारी द्वारा अपना लाइसेंस रद्द करने के लिए आयोग को लिखित में अनुरोध करने से समाप्त होने पर यदि आयोग द्वारा लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है तो लाइसेंसधारी को नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा।
3. करार समाप्त होने के कारण लाइसेंस का रद्दकरण करार-समापन की तारीख से प्रभावी होगा। अन्य सभी मामलों में लाइसेंस, उस तारीख को रद्द होगा; जिस तारीख से आयोग निदेश दे।
4. लाइसेंस रद्द होने या लाइसेंसधारी द्वारा परियोजना का परित्याग करने के बाद परियोजना ट्रांसमिशन सेवा करार के प्रावधानों के अनुसार केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा तत्काल कब्जे में ले ली जाएगी या ऐसे व्यक्ति को सौंप दी जाएगी जिसका, आयोग द्वारा निदेश दिया जाए।

भाग IV - विविध

28. विवाद समाधान:

टैरिफ सहित ऊर्जा के अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन से उभरे अथवा उससे संबंधित और लाइसेंस अथवा शर्तों और निबंधनों की व्याख्या से उत्पन्न होने वाले या उससे जुड़े सभी विवादों या मतभेदों का समाधान, जहां तक संभव हो, आपसी विचार-विमर्श/सुलह-समझौते, से किया जाएगा। पक्षों द्वारा विवादों या मतभेदों का उक्त तरीकों से समाधान किए जाने में असफल रहने के मामले में ये विवाद या मतभेद माध्यस्थता या न्यायनिर्णय के लिए, विद्युत विनियामक आयोग अधिनियम, 1998 की धारा 13 के खंड (ज) के अनुसार आयोग को भेजे जाएंगे।

29. पत्राचार:

1. लाइसेंस । संबंधित सभी पत्र व्यवहार लिखित रूप में होंगे और या तो व्यक्तिगत रूप से सौंपे जाएंगे अथवा पंजीकृत/स्पीड पोस्ट द्वारा भेजे जाएंगे।

2. सभी पत्र प्रेषक द्वारा दिए हुए माने जाएंगे और प्रेषिती को प्राप्त हुए माने जाएंगे -

(क) जब प्रेषिती को व्यक्तिगत रूप से अथवा उसके अधिकृत एजेंट को सुपुर्द किया गया हो;

(ख) प्रेषिती के पते पर पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा भेजने की तारीख से 15 दिन समाप्त होने पर।

30. शिथिल करने की शक्ति:

आयोग, यदि ऐसा आवश्यक या समीचीन समझे तो लिखित में, रिकॉर्ड किए जाने वाले कारणों से, जनता की सुनवाई से या उसके बिना उक्त विनियमों के किसी भी प्रावधान में, जो वह उपयुक्त समझे, संशोधन, परिवर्तन कर सकता है, छूट दे सकता है या समाप्त कर सकता है।

31. निरसन और निवारण

1. जब तक अन्यथा इन नियमों में प्रावधान न हो, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (ट्रांसमिशन लाइसेंस देने की पद्धति, निबंधन एवं शर्तें तथा अन्य संबंधित मामले) विनियम, 2001 का एतद्वारा निरसन किया जाता है।
2. ऐसे निरसन के बावजूद निरसन किए गए विनियमों के अधीन किया गया अथवा किए जाने के लिए उद्दिष्ट कोई कार्य या की गई कार्रवाई अथवा किए जाने के लिए उद्दिष्ट कार्रवाई इन विनियमों के अधीन किया गया या किए जाने के लिए उद्दिष्ट कार्य अथवा की गई या की जाने के लिए उद्दिष्ट कार्रवाई मानी जाएगी।

अनुसूची-1

अर्हता हेतु अनुरोध और प्रस्ताव हेतु अनुरोध के दस्तावेजों
को तैयार करने के लिए दिशा-निर्देशक घटक

अर्हता हेतु अनुरोध

खण्ड-1

अर्हता के लिए आमंत्रण

1. प्रस्तावना

- 1.1 इस उप-खण्ड में संक्षेप में अर्हता हेतु अनुरोध, कार्य क्षेत्र, परियोजना के चालू होने

की अनंतिम अनुसूची, बनाओ और चलाओ तथा अंतरित करो आधार पर आई.पी.टी.सी. के चयन के लिए मानदण्ड, कमीशन की लाइसेंस देने की प्रक्रिया/शर्तें और बोली प्रक्रिया में केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी की भूमिका का उल्लेख है।

2. कार्य-क्षेत्र

- 2.1 इस उप-खण्ड में कार्य-क्षेत्र का वर्णन किया गया है। आई.पी.टी.सी. द्वारा क्रियान्वयन हेतु प्रस्तावित ट्रांसमिशन लाइन वोल्टेज स्तर के मामले में, लाइन की लम्बाई, सर्किट की संख्या और उप स्टेशनों के मामले में, ट्रांसफार्मरों की संख्या, वोल्टेज स्तर, बे की संख्या, रिएक्टरों और कैपेसिटरों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाएगा। जिस क्षेत्र में लाइन जाने का प्रस्ताव है उसका उल्लेख भी किया जाना चाहिए। प्रतिस्पर्धी तरीके से शुरू किए जाने वाले घटकों के सामान्य तकनीकी पैरामीटरों को भी व्यापक रूप से परिभाषित किया जाएगा। इस उप-खण्ड में उन विशिष्ट मानकों (आई.एस.आई., आई.ई.सी. अथवा कोई अन्य अंतर्राष्ट्रीय मानक) का भी उल्लेख किया जाएगा जिनके अनुरूप स्थापना की जानी चाहिए।

खण्ड- II

आवेदक के लिए सूचना

इस खण्ड में निम्नलिखित कवर किया जाएगा:-

1. परिभाषा

- 1.1 इस उप-खण्ड में अर्हता हेतु अनुरोध में उपयोग की गई शब्दावली की परिभाषाओं को कवर किया जाएगा। इस दस्तावेज में प्रयोग की गई आई.ई.जी.सी. और संगत विद्युत अधिनियमों/नियमों में परिभाषित शब्दावली को पुनः प्रस्तुत किया जाएगा ताकि दस्तावेज की व्यापकता सुनिश्चित की जा सके।

2. परियोजना का विवरण

- 2.1 इस खंड में परियोजना का प्रकार अर्थात् कि क्या यह विशिष्ट उत्पादन स्टेशन से विद्युत लेने अथवा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए है, रास्ते के विशेष गुण दर्शाते हुए लाइन के प्रस्तावित पथ का मेल, नदी पार करना, कोई रिजर्व अथवा सघन वन पार करना आदि, वे राज्य जिनसे प्रस्तावित लाइन गुजरेगी अथवा क्रियान्वयन के लिए प्रस्तावित उप-स्टेशन का स्थान दर्शाया जाएगा। प्राप्त किए गए अथवा किए जाने वाले विभिन्न सांविधिक क्लियरेंस, विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 की धारा 18क के अधीन केन्द्र सरकार से लिए जाने वाले क्लियरेंस सहित, लेकिन इसी तक सीमित न रहकर, अनुमोदनकर्ता प्राधिकारी द्वारा लगाई गई शर्त, यदि कोई हो, दर्शाते हुए प्राप्त किए गए अथवा किए जाने वाले विभिन्न सांविधिक क्लियरेंस, सी.ई.ए. का टी.ई.सी, वन प्राधिकारियों से क्लियरेंस भी स्पष्ट रूप से दर्शाए जाने चाहिए। लाइन का रास्ता दर्शाते हुए वन का नक्शा और ट्रांसमिशन ग्रिड का विद्युत नक्शा अर्हता हेतु अनुरोध के दस्तावेज के साथ संलग्न करना होगा ताकि सभी संबंधित व्यक्ति कार्य क्षेत्र को उचित रूप से समझ सकें।

3. परियोजना निष्पादन अनुसूची

- 3.1 इस उप-खण्ड में परियोजना के विकास और निर्माण के बारे में निम्न सारणी के अनुसार महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए समय अनुसूची शामिल की जाएगी:-

क्र.सं.	महत्वपूर्ण चरण	परिकल्पित पूर्णता अनुसूची
1.	परियोजना का आबंटन	
2.	परियोजना संविदा को अंतिम रूप देना और हस्ताक्षर करना	
3.	वित्तीय समापन	
4.	परियोजना का परीक्षण और चालू होना (यदि परियोजना के प्रत्येक घटक के चालू होने की अलग-अलग तारीख की परिकल्पना की गई है तो इसका उल्लेख किया जाए)	

4. चयन प्रक्रिया का विवरण

- 4.1 इस उप-खण्ड में परियोजना के क्रियान्वयन के लिए बोलीदाताओं के चयन के लिए अपनाई जाने वाली अवस्थाओं को कवर किया जाएगा। दूसरी अवस्था (प्रस्ताव हेतु अनुरोध) का संक्षिप्त विवरण अर्हता के लिए अनुरोध के दस्तावेज में दिया जाएगा

ताकि प्रत्याशित बोलीदाता विस्तृत चयन प्रक्रिया को शासित करने वाले दृष्टिकोण को समझ सके। अर्हता के लिए अनुरोध की अवस्था में अर्हक होने वाले आवेदकों को प्रस्ताव हेतु अनुरोध का दस्तावेज जारी किया जाएगा।

5. विस्तृत अर्हकारी अपेक्षाएं

5.1 इस उप-खण्ड में आवेदकों के लिए विस्तृत अर्हकारी अपेक्षाएं निर्दिष्ट की जाएंगी और इनमें निम्न शामिल होगा:-

क. विकास, डिजाइन, वित्त (इक्विटी पूंजी और ऋण की व्यवस्था करना), परियोजना के संघटक अर्थात्, क्या इसमें एक लाइन है अथवा उप-स्टेशन है या दोनों हैं, पर निर्भर करते हुए यथा लागूकिलोवाट(अथवा अधिक) परसी.के.टी. किलोमीटर की ट्रांसमिशन लाइन और/अथवा.....के.वी. पर उप स्टेशनों की संख्या.....के साथ ट्रांसमिशन प्रणाली के निर्माण और रखरखाव में अनुभव। 220 के.वी. स्तर अथवा उससे अधिक पर ट्रांसमिशन प्रणाली के निर्माण और रखरखाव के लिए विकास, डिजाइन, वित्त में अनुभव रखने वाले पक्ष 400 के.वी. स्तर के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की बोली की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अर्हक होंगे। उच्चतर वोल्टेज जैसे कि 767 के.वी. ए.सी. और एच.वी.डी.सी. प्रणाली की ट्रांसमिशन प्रणाली के संदर्भ में इस बात को तरजीह दी जाएगी कि आवेदकों के पास उसी वोल्टेज स्तर की प्रणाली का अपेक्षित अनुभव हो।

(i)के.वी. और अधिक वोल्टेज पर ट्रांसमिशन लाइनें;

(ii)एम.वी.ए. अथवा ऊपर उप-स्टेशन;

(iii)के.वी. और अधिक वोल्टेज पर ट्रांसमिशन लाइनें तथा.....एम.वी.ए. या अधिक उप-स्टेशन

ख. आवेदक का नेट वर्थ/कारोबार द्वारा यथा प्रदर्शित वित्तीय क्षमता प्रस्तावित परियोजना के लिए आवश्यक मात्रा के अनुपातिक है।

टिप्पणी 1

संघ के मामले में, यदि एक सम्बद्ध अनुभव का मानदण्ड पूरा कर पाता है और वही सम्बद्ध अथवा कोई अन्य सम्बद्ध वित्तीय क्षमता का मानदण्ड पूरा कर पाता है तो यह समझा जाएगा कि आवेदक ने न्यूनतम अर्हकारी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

टिप्पणी 2

आवेदक को अर्हकारी अपेक्षाएं पूरी करने के अपने दावे के समर्थन में आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को विस्तृत

अर्हकारी अपेक्षाओं के संबंध में आवेदकों से सूचना प्राप्त करने के लिए उचित प्रपत्र तैयार करना चाहिए।

6. जिम्मेदारियों का आबंटन

6.1 इस उप-खण्ड में केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी और किसी कानून और शर्तों और निबंधनों के अधीन यथा निर्दिष्ट कंपनी (कंपनी का अर्थ भारतीय विद्युत ग्रिड निगम को छोड़कर कोई कंपनी, यूटिलिटी अथवा संगठन है जो अन्तर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली बनाना, चलाना और रखरखाव करना चाहता है, जिसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं) की जिम्मेदारियों को कवर किया जाएगा। इनमें निम्न शामिल होगा:-

6.1.1 केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी

- (क) बोली - अर्हता हेतु अनुरोध और प्रस्ताव हेतु अनुरोध आमंत्रित करने और उनका मूल्यांकन हेतु।
- (ख) आयोग द्वारा अधिसूचित तरीके से लाइसेंस मंजूर करने के लिए अनुमोदन प्रदान करने हेतु।
- (ग) आरंभिक परियोजना अनुमोदन जैसाकि सी.ई.ए. से टी.ई.सी. प्राप्त करने हेतु।

6.1.2 कंपनी

- (क) आयोग से ट्रांसमिशन लाइसेंस प्राप्त करने हेतु,
- (ख) परियोजना अनुमोदन और परमिट जैसेकि, लेकिन इन तक ही सीमित नहीं है, वन क्लियरेंस, विद्युत दूर संचार समन्वय समिति का अनुमोदन, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण का अनुमोदन, रास्ते का अधिकार अथवा नदी, सड़क, रेलवे, नहर पार करने के लिए अनुमोदन आदि प्राप्त करने हेतु, और
- (ग) लाइसेंस की वैधता के दौरान परियोजना के वित्त पोषण, निर्माण, रखरखाव और प्रचालन हेतु।

7. बोली की प्रक्रिया में समय अनुसूची

7.1 इस खण्ड में अर्हता हेतु अनुरोध दस्तावेज प्रस्तुत करने, अर्हता हेतु अनुरोध के प्रस्तावों को खोलने और अर्हकारी आवेदकों की सूची बनाने, प्रस्ताव हेतु अनुरोध दस्तावेज जारी करने, बोली पूर्व सम्मेलन, तकनीकी/वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत करने, सफल आवेदक (कों) का चयन करने आदि के लिए समय अनुसूची दर्शायी जाएगी। अर्हता हेतु अनुरोध के मामले में कम से कम दो महीने और प्रस्ताव हेतु अनुरोध के मामले में कम से कम 3 महीने का समय बोलीदाताओं को अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए दिया जाना चाहिए। इस उप-खण्ड में अर्हता के लिए अनुरोध/प्रस्ताव हेतु

अनुरोध के प्राप्त और प्रस्तुत करने के पते तथा अर्हता के लिए अनुरोध/प्रस्ताव के लिए अनुरोध के दस्तावेजों की लागत का भी उल्लेख किया जाएगा।

खण्ड-III

आवेदक के लिए अनुदेश

इस खण्ड में आवेदक द्वारा अर्हता के लिए अनुरोध के प्रस्ताव तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न अपेक्षाएं तथा केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा बोली आकलन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को कवर किया जाएगा।

1. सामान्य नियम

1.1 इस उप-खण्ड में आवेदक द्वारा अपनाए जाने वाले सामान्य नियम, जैसे कि निम्नलिखित, परन्तु इन्हीं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, का वर्णन किया जाएगा:

- (क) किसी प्रकार से अपूर्ण प्रस्ताव अस्वीकार कर दिए जाएंगे।
- (ख) जहां कहीं विहित है वहां कड़ाई से प्रपत्रों का उपयोग अपेक्षित होगा।
- (ग) सभी अपेक्षित पत्राचार और सूचना अंग्रेजी भाषा में, लिखित में होगी। यदि अर्हता विवरण के साथ अंग्रेजी भाषा से इतर भाषा में कोई दस्तावेज संलग्न होगा तो इसका अंग्रेजी अनुवाद संलग्न किया जाए।
- (घ) दी गई सूचना पठनीय होगी।
- (ङ.) केवल अर्हता हेतु अनुरोध प्रस्तुत करना यह नहीं माना जाएगा कि बोलीदाता पात्रता अपेक्षाएं पूरी करता है।
- (च) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के पास अर्हता के लिए कोई अथवा सभी आवेदनों के लिखित में कारण रिकार्ड करके अस्वीकार करने का अधिकार है।
- (छ) आवेदन और उससे संबंधित मामलों को प्रस्तुत करने में जुड़ी सभी लागत आवेदक वहन करेगा।
- (ज) यदि बाद की किसी तारीख को आवेदक द्वारा दी गई सूचना अथवा भेजा गया दस्तावेज गलत पाया जाता है अथवा जानबूझकर तथ्यों को छिपाया जाता है या गलत रूप में प्रस्तुत किया जाता है तो वह आवेदक अनर्हक होगा और उसका चयन रद्द कर दिया जाएगा।

2. अर्हता विवरण प्रस्तुत करने का प्रपत्र

2.1 इस उप-खण्ड में आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न प्रपत्रों का वर्णन किया जाएगा, जैसे कि

2.1.1 आवेदक का वर्णन

इसमें विहित प्रपत्र में कम से कम निम्नलिखित सूचना शामिल होगी:

- (क) आवेदक का संगठनात्मक ढांचा, पृष्ठभूमि का वर्णन, आवेदक की संरचना और क्षमता, आवेदक के पिछले अनुभव का वर्णन, मुख्य व्यक्ति का नाम, पद स्थिति और पता आदि।
- (ख) यदि आवेदक संघ है तो संघ के साथ सम्बद्ध प्रत्येक व्यक्ति के लिए परिकल्पित भूमिका और जिम्मेदारियां भी प्रस्तुत करनी होंगी। सम्बद्धों के बीच हुए समझौते ज्ञापन की एक प्रति भी संलग्न की जाए।

2.1.2 अनुभव

इसमें कम से कम निम्नलिखित सूचना शामिल होगी:-

- (क) आवेदन द्वारा निष्पादित/संवर्धित/निष्पादनाधीन ट्रांसमिशन प्रणाली का नाम, स्थान, रूट की लंबाई, वोल्टेज स्तर और प्रकार तथा परियोजना का प्रकार,
- (ख) स्वामी अथवा ग्राहक द्वारा जारी अंतिम स्वीकार्यता और अच्छे प्रचालन निष्पादन का प्रमाण-पत्र,
- (ग) उपर्युक्त परियोजना का निम्नलिखित कवर करते हुए वर्णनात्मक विवरण:-
 - (i) परियोजना माडल अर्थात् बनाओ चलाओ और अंतरित करो (बी.ओ.ओ.टी.) आदि,
 - (ii) स्थापना का आकार और प्रकार,
 - (iii) ऋण वित्त पोषण और आवेदक द्वारा सृजित और प्रदान की गई इक्विटी, ऋण दाता और अन्य निवेशकों के नाम,
 - (iv) ई.पी.सी. ठेकेदार का नाम,
 - (v) परियोजना में आवेदक की भूमिका,
 - (vi) परियोजना के पूर्ण होने के समय की तुलना में निर्माण अनुसूची, और
 - (vii) परियोजना के वाणिज्यिक प्रचालनों की तारीख

2.1.3 वित्तीय क्षमता

इसमें प्रपत्र में, यदि विहित हो, कम से कम निम्नलिखित सूचना शामिल होगी:

(क) लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण अर्थात् चार्टरित लेखाकार द्वारा विधिवत प्रमाणित पिछले 3 वर्षों के लिए तुलन पत्र, लाभ और हानि का लेखा।

(ख) आवेदक के पिछले रिकार्ड और क्षमता के संबंध में कोई अन्य संगत सूचना।

3. प्रस्तुत करने की तारीख और समय

3.1 इस उप-खण्ड में अर्हता के लिए आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तारीख और समय का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा।

4. प्रस्तावों की वैधता

प्रत्येक प्रस्ताव आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि से महीने/वर्ष की अवधि के लिए वैध और खोला जाएगा।

5. बोली प्रतिभूति

आवेदन प्रस्तुत करते समय 5 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी होगी। सफल आवेदक की बैंक गारंटी उसके प्रस्ताव हेतु अनुरोध को प्रस्तुत करने के 15 दिन के अंदर वापस कर दी जाएगी और असफल आवेदक की बैंक गारंटी उसका आवेदन अस्वीकार होने के 15 दिन के अंदर वापस कर दी जाएगी।

खण्ड-IV**मूल्यांकन प्रक्रिया****1. मूल्यांकन प्रक्रिया**

- 1.1 इस उप-खण्ड में अर्हता हेतु अनुरोध की अवस्था पर आवेदकों का चयन करने के लिए मूल्यांकन के लिए मानदण्ड और प्रक्रिया निर्दिष्ट होगी।
- 1.2 जो आवेदक खण्ड-II के विस्तृत दिशा-निर्देशक घटकों के अनुसार अनुभव और वित्त पोषण क्षमता की अर्हकारी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं और आवेदक द्वारा दी गई समर्थन सूचना से सत्यापित होते हैं, उन्हें अर्हता हेतु अनुरोध की अवस्था पर अर्हक समझा जाएगा और प्रस्ताव हेतु अनुरोध दस्तावेज जारी करने के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। अर्हता हेतु अनुरोध की अवस्था पर चयन का मूल्यांकन निम्नलिखित प्रपत्र में प्रत्येक आवेदक के संबंध में दी गई सूचना की सारणी बनाकर किया जाएगा:

अपेक्षा	क्या बोलीदाता न्यूनतम अपेक्षा पूरी करता है।	क्या समर्थन सूचना प्रस्तुत की गई है
क. अनुभव		
विकास	हां/नहीं	हां/नहीं
डिजाइन	हां/नहीं	हां/नहीं
वित्त	हां/नहीं	हां/नहीं
निर्माण	हां/नहीं	हां/नहीं
रखरखाव	हां/नहीं	हां/नहीं
ख. वित्तीय क्षमता		
नेट वर्थ	हां/नहीं	हां/नहीं
कारोबार	हां/नहीं	हां/नहीं

- 1.3 यदि सारणी में सभी प्रश्नों का उत्तर "हां" हो तभी बोलीदाता प्रस्ताव हेतु अनुरोध की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अर्हक होगा। यदि अर्हता के लिए अनुरोध अवस्था में आवेदकों की संख्या अथवा अर्हक आवेदकों की संख्या 3 से कम है तो आयोग का पूर्वानुमोदन प्राप्त करने के बाद ही प्रस्ताव हेतु अनुरोध की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रस्ताव हेतु अनुरोध

खण्ड-I

बोलीदाताओं के लिए सूचना

1. परिभाषा

- 1.1 इस उप-खण्ड में प्रस्ताव हेतु अनुरोध दस्तावेज में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की परिभाषा होगी। यदि इनमें से कोई शब्द पहले ही आई.ई.जी.सी. अथवा विद्युत नियमों में परिभाषित किया जा चुका है तो उसे दस्तावेज की व्यापकता के लिए पुनः प्रस्तुत किया जाएगा।
- 1.2 अन्तर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के संदर्भ में सामान्य शब्दावली को परिभाषित करने के लिए विशेष सावधानी बरती जाएगी (क्योंकि कुछ शब्दावली अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली में मामले लागू हो सकती है उदाहरणार्थ "ग्रिड कोड" की बजाए "आई.ई.जी.सी." को परिभाषित किया जाना चाहिए)।

2. प्रस्तावना

- 2.1 इस उप-खण्ड में परियोजना का स्थान और प्रयोजन दर्शाया जाना होगा। इसमें विभिन्न सांविधिक क्लियरेंस की स्थिति भी दी जानी होगी जिसमें विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 की धारा 18ए के अधीन केन्द्र सरकार से क्लियरेंस, सी.ई.ए. का टी.ई.सी और वन क्लियरेंस भी शामिल करना होगा लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं रहना होगा।
- 2.2 लाइसेंस देने की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण शामिल किया जाएगा।
- 2.3 प्रक्रिया में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका स्पष्ट रूप से परिभाषित की जाएगी।

3. परियोजना का विवरण

- 3.1 इस उप-खण्ड में निम्न शामिल होगा:-
 - (क) कार्य निष्पादन विनिर्दिष्टियों सहित परियोजना का पूर्ण विवरण। इसमें निम्न शामिल होगा:
 - (i) परियोजना का प्रकार, क्या यह विशिष्ट विद्युत् उत्पादन स्टेशन से विद्युत लेने के लिए है अथवा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए है,
 - (ii) वे राज्य जिनमें से प्रस्तावित लाइन गुजरनी है,
 - (iii) मृदा, भूमि, नदी/सड़क/विद्युत लाइन पार करना,

(iv) वन का नक्शा और जिस ट्रांसमिशन ग्रिड से परियोजना को जोड़ने का प्रस्ताव है, उसका विद्युत नक्शा।

- (ख) वित्तीय और कानूनी अपेक्षाओं का विवरण।
- (ग) विभिन्न गतिविधियों को पूरा करने की समय अनुसूची।
- (घ) लाइनों का रूट नक्शा और उप स्टेशनों का स्थान।

खण्ड-II

1. बोलीदाताओं के लिए अनुदेश

1.1 इस खण्ड में बोलीदाता द्वारा अनुसरण किए जाने वाले सामान्य नियमों का वर्णन किया जाएगा जैसे कि निम्नलिखित नियम लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं रहना होगा:

- (क) बोली, किसी भी संबंध में अपूर्ण अस्वीकार कर दी जाएगी।
- (ख) प्रपत्रों का कड़ाई से पालन, जहां कहीं विहित हैं, अपेक्षित होगा।
- (ग) सभी अपेक्षित पत्राचार और सूचना लिखित में और अंग्रेजी भाषा में दी जाएगी। यदि प्रस्ताव के विवरण के साथ कोई संलग्नक अंग्रेजी से इतर भाषा में है तो उसके साथ उसका सही अंग्रेजी अनुवाद भेजा जाए।
- (घ) भेजी गई सूचना पठनीय होगी।
- (ङ.) बोली प्रस्तुत करने के बाद कोई सूचना जोड़ी अथवा प्रतिस्थापन नहीं की जाएगी।
- (च) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी लिखित में रिकार्ड किए जाने वाले कारणों के लिए कोई भी एक अथवा सभी बोलियां अस्वीकार कर सकता है।
- (छ) बोली तैयार करने और इससे संगत गतिविधियों से जुड़ी समस्त लागत बोलीदाता वहन करेगा।
- (ज) यदि बाद में किसी तारीख को बोलीदाता द्वारा भेजी गई सूचना अथवा दिए गए दस्तावेज गलत पाए जाते हैं अथवा तथ्यों को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत रूप में पेश किया गया है तो ऐसे बोलीदाता को अनर्हक कर दिया जाएगा और उसका चयन रद्द कर दिया जाएगा।
- (झ) चयन प्रक्रिया (मूल्यांकन विधि सहित), स्थल दौरे की प्रक्रिया, प्रस्ताव हेतु अनुरोध के लिए संशोधन और स्पष्टीकरण जारी करने के लिए प्रक्रिया और बोली-पूर्व सम्मेलन के बारे में सूचना का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

- (ज) प्रत्येक बोलीदाता बैंक गारंटी के रूप में बोली प्रतिभूति (अनुमानित पूंजी लागत का 0.25%) देगा। असफल बोलीदाताओं को उनके प्रस्ताव की अवधि समाप्त होने की तारीख के बाद 15 दिन के अंदर वापस की जाएगी। सफल बोलीदाता की बोली प्रतिभूति बोलीदाता के परियोजना क्रियान्वयन गारंटी के जमा करने के बाद वापस की जाएगी।
- (ट) हिस्सों में परियोजना चालू करने और परियोजना को विभाजित करके दो अथवा अधिक बोलीदाताओं को परियोजना देने के मामले में ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों का भुगतान करने के लिए बोलीदाताओं को प्रत्येक घटक के लिए अलग-अलग दर कोट करने के लिए कहा जाएगा।
- (ठ) बोलीदाताओं से प्रस्ताव हेतु अनुरोध के दस्तावेज में निर्धारित अपेक्षा के अनुसार सही दर कोट करने के लिए कहा जाएगा। वैकल्पिक रूप से अपेक्षाओं में अंतर की अनुमति केन्द्रीय ट्रांसमिशन ब्यूरो द्वारा निर्दिष्ट किए जाने वाले क्षेत्रों में दी जाए। कार्य निष्पादन विनिर्दिष्टियों सहित कड़ी अपेक्षाओं की सूची अलग से बनाई जाए और यदि बोलीदाता इन अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहता है तो प्रस्ताव को अनुत्तरित समझा जाए।
- (ड) बोलीदाता से प्रत्येक घटक के लिए अलग-अलग दर कोट करने के लिए कहा जाएगा ताकि 30 वर्ष की प्रत्याशित अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए निम्नलिखित घटकों के लिए ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों का भुगतान किया जा सके:
- (i) गैर-सूचकांकित रूपया घटक
 - (ii) घरेलू मुद्रास्फीति के साथ सूचकांकित रूपया घटक (सूचकांक से जोड़ने के लिए फार्मूला केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा)
 - (iii) विदेशी मुद्रा घटक (सूचकांकन अनुमत नहीं, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी इस घटक के लिए ऊपरी सीमा निर्दिष्ट कर सकती है)
- (ढ) 30 वर्ष के लिए कोट किए गए ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों में अंतर सुचारु और सतत् होगा।
- (ण) उपर्युक्त अवधि के लिए बोलीदाता द्वारा कोट किए गए ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों के आधार पर कोट किए गए ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों के एन.पी.वी. की गणना की जाएगी और निम्नतम एन.पी.वी. वाले बोलीदाता को परियोजना निष्पादन के लिए चुना जाएगा। बोली के मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ छूट दर,

विदेशी मुद्रा विनिमय आधार दर और विदेशी मुद्रा विनिमय अंतर दर का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा।

- (त) यदि वैध बोलियों की संख्या तीन से कम है तो आयोग का पूर्वानुमोदन प्राप्त करने के बाद ही मूल्यांकन किया जाएगा।
- (थ) गोपनीयता खण्ड में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए कि आयोग किसी भी बोलीदाता से सफल बोलीदाता के चयन में कपटता के आरोप की शिकायत प्राप्त होने पर मूल्यांकन रिपोर्टें मांग सकता है ताकि स्वयं को केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा की गई मूल्यांकन प्रक्रिया के उचित होने के बारे में संतुष्ट कर सके। यह भी विहित किया जाए कि बोलीदाता से आयोग द्वारा मांगी गई कोई अतिरिक्त सूचना, यदि अपेक्षित हो, आयोग को प्रस्तुत की जाएगी।
- (द) व्यवहार्यता अध्ययन के दौरान एकत्र की गई सूचना बोलीदाता के सूचनार्थ संलग्न की जाएगी।
- (ध) प्रस्ताव तैयार और प्रस्तुत करने के बारे में विस्तृत अनुदेश शामिल किए जाएंगे।
- (न) सफल आवेदक को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कम से कम 3 माह का समय दिया जाएगा।

खण्ड-III

निष्पादन विनिर्दिष्टियां

1. निष्पादन विनिर्दिष्टियां

- 1.1 न्यूनतम निष्पादन विनिर्दिष्टियों में परियोजना के कार्य निष्पादन के उन सभी पहलुओं का उल्लेख होगा जो अनिवार्य हैं। न्यूनतम निष्पादन विनिर्दिष्टियां केवल इनपुट, आउटपुट और चाहरदिवारी की स्थिति से संबंधित होगी तथा किसी भी प्रकार ट्रांसमिशन लाइनों और उप स्टेशनों का डिजाइन निर्दिष्ट करने के लिए नहीं कहा जाएगा।
- 1.2.1 निर्दिष्ट न्यूनतम निष्पादन विनिर्दिष्टियां सुनिश्चित करेंगी कि परियोजना:
 - क) में उस प्रणाली के साथ तकनीकी संगतता है जिसमें विद्युत अंतरित की जानी है; और
 - ख) प्रचलित सुरक्षा मानकों और लागू नियमों की अपेक्षा का अनुपालन करे।
- 1.3 बोलीदाता को डिजाइन को इष्टतम करने का लचीलापन दिया जाना चाहिए ताकि निष्पादन विनिर्दिष्टियों को पूरा किया जा सके।

खण्ड-IV

क्रियान्वयन करार

1. प्रस्तावना

1.1 प्रस्तावना में यह शामिल होगा कि

- क) करार केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा किया गया है।
- ख) यदि करार के प्रावधानों और आयोग द्वारा जारी लाइसेंस की शर्तों और निबंधनों के बीच विसंगति हो तो आयोग की शर्तें और निबंधन लागू रहेंगे। इसी प्रकार आई.ई.जी.सी. सहित विद्युत नियमों के प्रावधान समझौते में निहित प्रावधानों पर विसंगति की सीमा तक अभिभूत होंगे।

2. परिभाषाएं

2.1 इस उप-खण्ड में करार क्रियान्वयन में आने वाली शब्दावली की परिभाषाएं विहित होंगी। यदि आई.ई.जी.सी. सहित विद्युत नियमों में इस शब्दावली में से कुछ को पहले ही परिभाषित किया जा चुका है तो दस्तावेज की व्यापकता के लिए इन्हें पुनः प्रस्तुत किया जाएगा।

3. प्रभावकारिता, कालावधि और वित्तीय समापन

- (क) करार उस समय प्रभावी होगा जब यह निष्पादित किया जाएगा और पक्षों द्वारा पूरा किया जाएगा तथा यह वाणिज्यिक प्रचालन की तारीख अथवा आपस में तय की गई तारीख को समाप्त होगा जब तक कि करार के प्रावधानों के अनुसार इसे पहले समाप्त न कर दिया जाए।
- (ख) वित्तीय समापन में विलंब के लिए निर्धारित क्षति केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा तय की जाने वाली अनुमानित परियोजना लागत के किसी प्रतिशत पर निर्धारित की जाएगी। यह निर्धारित प्रतिशत वित्तीय समापन में विलम्ब होने के कारण होने वाली वित्तीय हानियों के अनुरूप होगा।
- (ग) यदि निर्धारित दिनों से अधिक विलंब होता है (परियोजना के चालू होने पर आधारित) तो लाइसेंसधारक के कारण विलम्ब होने के मामले में परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा जब्त कर ली जाएगी। यदि केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी अथवा नियंत्रण से बाहर के कारणों की वजह से विलम्ब होता है तो परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जब्त नहीं की जाएगी।
- (घ) प्राप्त हुई निर्धारित क्षति अथवा जब्त की गई परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा का प्रथम उपयोग परियोजना के दायित्वों, यदि कोई हो, का निपटान करने के लिए किया जाएगा। शेष राशि, यदि कोई हो, का समायोजन

परियोजना की लागत के प्रति किया जाएगा और इसका उपयोग लागत कम करने के लिए किया जाएगा।

- (ड) चूंकि करार समाप्त करने का वही प्रभाव है जो लाइसेंस समाप्त करने का है इसलिए आयोग का पूर्वानुमोदन लेकर ही करार समाप्त किया जाएगा। यदि लाइसेंसधारक परियोजना का परित्याग करता है तो परियोजना को केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा तत्काल अपने कब्जे में ले लिया जाएगा।

4. पूर्ववर्ती शर्तें

इस उप-खण्ड में करार के पक्षों की पूर्ववर्ती शर्तें निर्दिष्ट की जाएंगी।

4.1 कंपनी की पूर्ववर्ती शर्तें

इस करार के अधीन केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के दायित्व, जब तक केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा लिखित में निरस्त न कर दिए जाएं, कंपनी द्वारा कम से कम निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने की शर्त के अधीन होते हैं:

- (क) आयोग द्वारा कंपनी को लाइसेंस अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली का अंग बनने वाली परियोजना के घटकों का निर्माण, रखरखाव और प्रचालन करने के लिए मंजूर किया गया है।
- (ख) बोलीदाताओं को प्रत्येक घटक के लिए अलग-अलग दर कोट करने के लिए कहा जाएगा ताकि कंपनी को देय ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों का भुगतान किया जा सके।
- (ग) कंपनी ने वित्तीय समापन हासिल कर लिया है।
- (घ) कंपनी ने केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा के खाते पर बैंक गारंटी दे दी है।
- (ड) यदि कंपनी ने निर्माण ठेकेदार नियुक्त करने का प्रस्ताव किया है तो उसके ठेकेदार का नाम और अन्य संगत ब्यौरे केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को सूचित कर दिए हैं।
- (च) कंपनी ने सभी सहमतियां, अनुमोदन और परमिट या तो बिना शर्त प्राप्त किए हैं अथवा ऐसी शर्तों पर प्राप्त किए हैं जो इस करार के अधीन इसके अधिकारों अथवा इसके दायित्वों के निष्पादन पर वास्तविक रूप से पूर्वाग्रह नहीं बनते हैं।
- (छ) कंपनी ने पर्यावरण और वन क्लीयरेंस प्राप्त कर लिया है।

4.2 केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी की पूर्ववर्ती शर्तें

इस करार के अधीन केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के दायित्व, जब तक केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा लिखित में निरस्त न कर दिए जाएं, कंपनी द्वारा कम से कम निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने की शर्त के अध्वधीन होते हैं :

- (क) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी ने विद्युत(प्रदाय) अधिनियम, 1948 के अधीन सी.ई.ए. का तकनीकी-आर्थिक क्लीयरेंस, जहां लागू हो, प्राप्त कर लिया है।
- (ख) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी, लाभभोगियों और मददगार अथवा कारोबारी(यदि लागू हो) ने बल्क विद्युत ट्रांसमिशन करार पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।
- (ग) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी परियोजना के प्रयोजनार्थ आवश्यक भूमि का अधिग्रहण करेगी।

4.3 केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी और कंपनी की पूर्ववर्ती शर्तें

इस करार के अधीन किसी भी पक्ष का दायित्व, जब तक संबंधित पक्ष द्वारा लिखित में निरस्त न कर दिया गया हो, अन्य पक्ष द्वारा कम से कम निम्नलिखित शर्तों की संतुष्टि की शर्त के अध्वधीन है:

- (क) दोनों पक्षों को इस करार को करने के लिए दूसरे पक्ष के प्राधिकार के संबंध में सहमत प्रपत्र में, भारत में विधिक प्रैक्टिसकर्ता की राय ले लेनी होगी।
- (ख) दोनों पक्ष स्वतंत्र इंजीनियर की नियुक्ति करने के लिए सहमत हो गए हों (आई.ए. में स्वतंत्र इंजीनियर की परिभाषा, इसकी नियुक्ति की प्रक्रिया और इसकी जिम्मेदारियों के लिए उपयुक्त प्रावधान होंगे), और
- (ग) प्रत्येक पक्ष को दूसरे पक्ष के संबंध में निदेशक मंडल का इस करार को कंपनी/पावर ग्रिड (जैसा भी मामला हो) के कार्यकरण, निर्वाह और कार्य निष्पादन को प्राधिकृत करने वाला दस्तावेज और परियोजना का प्रत्येक दस्तावेज प्राप्त हो गया हो।

4.4 पूर्ववर्ती शर्तों का अधित्याग/संतुष्ट करने का दायित्व

प्रत्येक पक्ष इस करार के 6 माह के अंदर अपनी लागत और खर्च पर उन पूर्ववर्ती शर्तों को पूरा करने के सभी उचित प्रयास करेगा जिन्हें पूरा करने के लिए वह जिम्मेदार है। प्रत्येक पक्ष लिखित में अन्य पक्ष को अधिसूचित करके उस सीमा तक किसी पूर्ववर्ती शर्त का अधित्याग कर सकता है जिसे उसके लाभ और संरक्षण के लिए शामिल किया गया है।

5. समाप्ति का अधिकारी

- 5.1 यदि करार की तारीख से 8 माह के अंदर पूर्ववर्ती शर्तें विधिवत पूरी नहीं की गई हैं अथवा उनका अधित्याग नहीं किया गया है तो कोई भी पक्ष लिखित में सूचना देकर करार समाप्त कर सकता है। यदि पूर्ववर्ती शर्तें पूरी नहीं की जाती हैं तो सूचना की अवधि सहित करार की तारीख से 9 माह की अवधि के बाद करार समाप्त किया जा सकेगा।

6. परियोजना क्रियान्वयन और गारंटी जमा

- 6.1 केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा की मांगी जाने वाली बैंक गारंटी की राशि निर्दिष्ट करेगी। परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा की राशि की बैंक गारंटी कंपनी प्रदान करेगी। वित्तीय समापन में विलम्ब होने अथवा परियोजना पूरी करने में विलम्ब होने या कार्य विनिर्दिष्टियों के अनुसार परियोजना विकसित करने में विफल रहने के मामले में यदि विलम्ब अथवा विफलता के लिए कंपनी जिम्मेदार है तो यह राशि जब्त कर ली जाएगी। अन्य मामलों में परियोजना के वाणिज्यिक प्रचालन की तारीख से एक वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद एक माह के अंदर कंपनी को केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा ऐसी जमा राशि बिना ब्याज के जारी कर दी जाएगी।

7. परियोजना का विकास

- (क) इस खण्ड में परियोजना के विकास और क्रियान्वयन में प्रत्येक पक्ष के विस्तृत दायित्वों का वर्णन किया जाएगा।
- (ख) वाणिज्यिक प्रचालनों में विलम्ब के लिए निर्धारित क्षति परियोजना की अनुमानित लागत के प्रतिशत के रूप में तय की जाएगी जिसे केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा तय किया जाएगा। यह निर्धारित प्रतिशत वाणिज्यिक प्रचालनों में विलम्ब होने के कारण होने वाली संभावित वित्तीय हानि के अनुरूप होगा।
- (ग) यदि निर्दिष्ट दिनों (परियोजना के चालू होने पर आधारित) से अधिक विलम्ब होता है तो विकास प्रतिभूति (जिसे आयोग की अधिसूचना में "परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा" कहा गया है) जब्त कर ली जाएगी।
- (घ) प्राप्त हुई निर्धारित क्षति और जब्त की गई परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा को परियोजना के प्रत्येक घटक में आनुपातिक रूप से बांट दिया जाएगा ताकि प्रत्येक घटक को वाणिज्यिक प्रचालन में हुए विलम्ब की क्षतिपूर्ति की जा सके। इस आनुपातिक विभाजन को करार में शामिल किया जाएगा।

- (ड.) प्राप्त हुई निर्धारित क्षति और जब्त की गई परियोजना क्रियान्वयन गारंटी जमा का प्रथम उपयोग परियोजना की देयता, यदि कोई हो, का निपटान करने के लिए किया जाएगा। शेष राशि, यदि कोई हो, परियोजना की लागत के प्रति समायोजित की जाएगी और इसकी लागत कम करने के लिए उपयोग की जाएगी।
- (घ) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी की चूक के कारण वाणिज्यिक प्रचालनों में विलम्ब होने के लिए केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा कंपनी को देय निर्धारित क्षति भी सकल देयता की सीमा की शर्त के अध्यधीन परियोजना की अनुमानित लागत के प्रतिशत के रूप में निर्दिष्ट की जाएगी।

8. परियोजना का निर्माण

- (क) परियोजना का निर्माण करने के संबंध में कंपनी की जिम्मेदारियों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।
- (ख) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी निर्माण ठेकेदार के लिए अर्हकारी अपेक्षाएं निर्दिष्ट कर सकती है लेकिन अर्हकारी अपेक्षाएं पूरी होने के मामले में किसी ठेकेदार की नियुक्ति करने के लिए इसकी सहमति आवश्यक नहीं होगी।
- (ग) परियोजना का निर्माण नई सामग्री का उपयोग करके तकनीकी विनिर्दिष्टियों के अनुसार किया जाएगा।
- (घ) प्रत्येक पक्ष को यह अधिकार होगा कि वह अन्य पक्ष को लिखित में सूचना देकर समय-समय पर अपने 5 कर्मचारी नामित कर सके जो परियोजना से संबंधित सभी निर्माण गतिविधियों का समन्वय करने के लिए जिम्मेदार होंगे तथा जो चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए दूसरे पक्ष की जिम्मेदारी के क्षेत्र में हर उचित समय जा सकेंगे, यह उचित सूचना अवधि की शर्त और उनके द्वारा सभी उचित सुरक्षा पद्धतियों का अनुपालन करने की शर्त के अध्यधीन है।
- (ड.) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा विहित आवधिकता और ब्यौरे के अनुसार कंपनी प्रगति रिपोर्ट केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को प्रदान करेगी।

9. परियोजना का प्रारंभ और कनैक्शन

- (क) परियोजना को चालू करने के लिए सूचना अवधि तथा इंटर-कनैक्शन के साथ परियोजना को जोड़ने के लिए अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाएगा।

(ख) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी यह सुनिश्चित करने के लिए परियोजना का निरीक्षण करने का पात्र होगी कि इन्टर-कनेक्शन सुविधा के साथ परियोजना को जोड़ने की अपेक्षाएं पूरी कर ली गई हैं। यदि केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी निरीक्षण करने में विफल रहती है अथवा निरीक्षण करती है और तय करती है कि इन्टर-कनेक्शन सुविधा के साथ जोड़ने की अपेक्षाएं पूरी नहीं की गई हैं तो कंपनी तभी परियोजना को जोड़ने के लिए पात्र होगी, यदि स्वतंत्र अभियंता:

(i) लिखित में प्रणामित करता है कि उसके विचार में परियोजना को इन्टर-कनेक्शन सुविधा के साथ जोड़ा जा सकता है, और

(ii) लिखित में इस बात के कारण दे कि उसके विचार से केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा उठाई गई कोई आपत्ति तथ्यपरक नहीं है।

(ग) आर.एल.डी.सी. के पूर्वानुमोदन से इन्टर-कनेक्शन सुविधा के साथ कनेक्शन जोड़ा जाएगा।

(घ) जिस दिन परियोजना के चालू होने का परीक्षण किया जाएगा उस दिन से इसके चालू होने की घोषणा की जाएगी, बशर्ते कि स्वतंत्र अभियंता द्वारा इस प्रभाव का प्रमाण-पत्र जारी किया जाए कि इसके चालू होने का परीक्षण इस समझौते के अनुसार किया गया है और यह परियोजना चालू होने के मानदण्ड को पूरा करती है।

10. सुरक्षा नियम और पद्धतियां

10.1 कंपनी प्रयोज्य नियमों और विवेकी यूटिलिटी पद्धति के अनुसार सुरक्षा नियमों और पद्धतियों का अनुपालन करेगी।

11. बीमा

11.1 परियोजना के वित्तीय समापन की तारीख से 3 माह के अन्दर कंपनी क्रियान्वयन करार और ट्रांसमिशन सेवा करार की वैधता के दौरान विभिन्न जोखिमों के प्रति बीमा करायेगी और इसे बनाए रखेगी और यह बीमा ऐसा होना चाहिए:

(क) किसी भी वित्तीय करार

(ख) भारतीय कानून

(ग) विवेकी यूटिलिटी पद्धतियों के अनुसार

12. नियम में परिवर्तन

इस खण्ड में निम्नलिखित विस्तार से कवर किए जाएंगे:

- (क) नियम में परिवर्तन की परिभाषा,
- (ख) वे परिस्थितियां जिनके अधीन नियम प्रावधानों में परिवर्तन लागू होगा,
- (ग) नियम में परिवर्तन अधिसूचित करने के बारे में प्रावधान, और
- (घ) नियम में परिवर्तन होने के अनुसरण में करार में संशोधन करने के बारे में प्रावधान।

13. निरूपण और वारंटियां

13.1 कंपनी को केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी निरूपण और वारंट करेगा कि केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में उसके पास इस करार के अधीन अपने दायित्वों का कार्यकरण, निर्वाह और निष्पादन करने के लिए पूर्ण शक्ति तथा प्राधिकार है।

14. चूक होने पर समापन

- (क) करार समाप्त होने पर कंपनी और केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के चूक के मामले, समापन पद्धति और परिसम्पत्तियों के अंतरण का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।
- (ख) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में पावर ग्रिड का स्तर समाप्त होना केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी की चूक नहीं माना जाएगा। ऐसे मामले में केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में पावर ग्रिड की सभी जिम्मेदारियां/दायित्व केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में उत्तरवर्ती पावर ग्रिड को अंतरित हो जाएंगी।
- (ग) आयोग के पूर्वानुमोदन के बिना ऐसा करार समाप्त नहीं होगा (यह आवश्यक है क्योंकि करार समाप्त होने के परिणामस्वरूप परियोजना केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को अंतरित हो जाएगी, जिसका तात्पर्य आयोग द्वारा जारी लाइसेंस समाप्त होना है)।

15. विवाद निराकरण

15.1 इस उप-खण्ड में विवाद तय करने से संबंधित सभी पहलू कवर किए जाएंगे और इसमें यह भी प्रावधान होगा कि टैरिफ सहित ऊर्जा के अंतर-राज्य ट्रांसमिशन से उत्पन्न होने वाले अथवा इससे संबंधित और लाइसेंस अथवा इसकी शर्तों और निबंधनों की व्याख्या से उत्पन्न होने वाले अथवा इससे संबंधित सभी विवाद या विषमताएं जहां तक संभव होगा आपसी परामर्श/सुलह-समझौते द्वारा हल किए जाएंगे। यदि उपर्युक्त तरीके से इन विवादों अथवा विषमताओं को हल करने में पक्ष विफल रहते हैं तो इन्हें विद्युत विनियामक आयोग अधिनियम, 1998 की धारा 13 के खण्ड(ज) के अनुसरण में माध्यस्थ अथवा न्यायनिर्णय हेतु आयोग को भेजा जाएगा।

16. गोपनीयता

16.1 कानून अथवा विनियामक प्राधिकारी या संभावित ऋण दाता अथवा कंपनी के निवेशकों या पक्षों के संबंधित व्यावसायिक सलाहकारों अथवा ऐसे ऋणदाताओं या निवेशकों द्वारा अपेक्षित को छोड़कर दोनों पक्ष:

- (क) इस करार के अधीन अथवा अनुसरण में हासिल किए गए कोई आंकड़े अथवा सूचना के बारे में सभी सूचनाओं को गोपनीय रखने का उचित प्रयास करेंगे;
- (ख) इस करार के कारण उनके द्वारा अन्य उपक्रम के संबंध में आपस में प्राप्त किए गए दस्तावेज अथवा अन्य सूचना (तकनीकी अथवा वाणिज्यिक) का उपयोग पक्ष के दायित्वों के कार्य निष्पादन और इस करार के अधीन अधिकारों के प्रयोग से इतर किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेंगे।

बशर्ते कि ये प्रावधान उस सूचना के लिए लागू नहीं होंगे जो सूचना सार्वजनिक करने के समय जनता को उपलब्ध थी लेकिन इसमें वह सूचना शामिल नहीं है जो गोपनीयता के पूर्व के दायित्वों के अतिक्रमण में सार्वजनिक कर दी गई थी।

16.2 ये प्रावधान करार समाप्त होने पर लागू रहेंगे लेकिन करार समाप्त होने की तारीख के पांचवें वर्ष की उसी तारीख से निष्प्रभावी हो जाएंगे।

अनुसूची

1. परियोजना का कार्यक्षेत्र

- क) प्रत्येक लाइन के अंतिम सिरे (टर्मिनल इण्ड), वोल्टेज स्तर और लम्बाई (व्यवहार्यता अध्ययन के अनुसार) का स्पष्ट उल्लेख किया जाए। यदि कार्य में उप स्टेशन भी शामिल हैं तो ट्रांसफार्मरों की एम.वी.ए. क्षमता और वोल्टेज स्तर सहित उनकी संख्या, सम्बद्ध उपकरण सहित बे की संख्या, रेटिंग और वोल्टेज स्तर सहित रिएक्टरों की संख्या आदि का भी उल्लेख करना होगा।
- ख) परियोजना के निष्पादन में शामिल व्यक्तिगत गतिविधियों की सूची भी बनाई जाए। तथापि, यह स्पष्ट कर दिया जाए कि समग्र रूप से कंपनी परियोजना के वित्त, निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगी।

2. कार्य निष्पादन विनिर्दिष्टियां

2.1 प्रस्ताव हेतु अनुरोध का दस्तावेज तैयार करने के लिए दिशा-निर्देशक घटकों में यथा निर्दिष्ट।

खण्ड- V**ट्रांसमिशन सेवा करार****1. प्रस्तावना**

1.1 प्रस्तावना में यह शामिल होगा कि

- (क) यह करार केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा किया जाएगा।
- (ख) करार के प्रावधानों और आयोग द्वारा जारी लाइसेंस की शर्तों और निबंधनों में असंगतता होने के मामले में आयोग की शर्तों और निबंधन लागू रहेंगे। इसी प्रकार आई.ई.जी.सी. सहित विद्युत नियमों के प्रावधान असंगतता की सीमा तक अभिभूत होंगे।

2. परिभाषाएं

2.1 इस उप-खण्ड में ट्रांसमिशन सेवा करार में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली की परिभाषाएं होंगी। यदि इनमें से कुछ शब्दावली पहले ही आई.ई.जी.सी. सहित विद्युत नियमों में परिभाषित की जा चुकी है तो भी यह दस्तावेज की व्यापकता के लिए पुनः प्रस्तुत की जाएगी।

3. प्रभावकारिता और कालावधि

3.1 करार की अवधि ऐसी होगी कि यदि इसे इस करार के लिए लागू प्रावधानों के अनुसार पहले समाप्त नहीं किया जाता तो यह लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के साथ समाप्त होगी।

4. पूर्ववर्ती शर्तें

4.1 इस उप-खण्ड में इस करार के पक्षों की पूर्ववर्ती शर्तें निर्दिष्ट की जाएंगी।

(क) कंपनी की पूर्ववर्ती शर्तें

इस करार के अधीन केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के दायित्व, जब तक केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा लिखित में निरस्त न कर दिए जाएं, कंपनी द्वारा कम से कम निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने की शर्त के अधीन होते हैं:

- (i) वाणिज्यिक प्रचालन की तारीख दी गई है;
- (ii) कंपनी ने केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को प्रस्तावित प्रचालन और रखरखाव की पद्धति प्रदान कर दी है; और

- (iii) यदि कंपनी का प्रचालन और रखरखाव ठेकेदार नियुक्त करने का प्रस्ताव है तो इसने केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को प्रचालन और रखरखाव ठेकेदार का नाम और अन्य ब्यौरा सूचित कर दिया है।

(ख) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी और कंपनी की पूर्ववर्ती शर्तें

इस करार के अधीन किसी भी पक्ष का दायित्व, जब तक संबंधित पक्ष द्वारा लिखित में निरस्त न कर दिया गया हो, अन्य पक्ष द्वारा कम से कम निम्नलिखित शर्तों की संतुष्टि की शर्त के अधीन है:

- (i) दोनों पक्षों ने इस करार को करने के लिए दूसरे पक्ष के प्राधिकार के संबंध में सहमत प्रपत्र में, भारत में विधिक वकील की राय ले लेनी होगी।
- (ii) दोनों पक्षों को स्थल दायित्व अनुसूची पर हस्ताक्षर करने चाहिए जिसमें कंपनी और केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के बीच सुरक्षा, प्रचालन और रखरखाव के दायित्वों का स्पष्ट उल्लेख हो। इसे ट्रांसमिशन सेवा करार की अनुसूची में संलग्न किया जाएगा।

(ग) पूर्ववर्ती शर्तों का अधित्याग/संतुष्ट करने का दायित्व

प्रत्येक पक्ष इस करार के 6 माह के अंदर अपनी लागत और खर्च पर उन पूर्ववर्ती शर्तों को पूरा करने के सभी उचित प्रयास करेगा जिन्हें पूरा करने के लिए वह जिम्मेदार है। प्रत्येक पक्ष लिखित में अन्य पक्ष को अधिसूचित करके उस सीमा तक किसी पूर्ववर्ती शर्त (केवल एक वाणिज्यिक प्रचालन की तारीख से संबंधित शर्त को छोड़कर) का अधित्याग कर सकता है जिसे उसके लाभ और संरक्षण के लिए शामिल किया गया है।

5. समाप्ति का अधिकारी

- 5.1 यदि वाणिज्यिक प्रचालन की तारीख से 8 माह के अंदर पूर्ववर्ती शर्तें विधिवत पूरी नहीं की गई हैं अथवा उनका अधित्याग नहीं किया गया है तो कोई भी पक्ष लिखित में सूचना देकर करार समाप्त कर सकता है।

6. परियोजना का प्रचालन और रखरखाव

- 6.1 इस उप-खण्ड में निम्नलिखित ब्यौरे समाहित किए जाएंगे

- (क) कंपनी प्रयोज्य कानून, निर्माता की संस्तुति और विवेकी यूटिलिटी पद्धति के अनुसार अपनी लागत और खर्च पर परियोजना का रखरखाव करेगी।
- (ख) परियोजना का प्रचालन और रखरखाव केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के पर्यवेक्षण और नियंत्रणाधीन किया जाएगा।

- (ग) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी अपने किसी कर्मचारी को प्रचालन और रखरखाव पद्धतियों के अनुपालन का सत्यापन करने के प्रयोजनार्थ लिखित में सूचना देकर परियोजना का निरीक्षण करने के लिए नामित करने की पात्र होगी।
- (घ) कंपनी का जिन प्रचालन और रखरखाव पद्धतियों को अपनाने का प्रस्ताव है वह उन्हें तैयार करेगी तथा वाणिज्यिक प्रचालन की अनुसूचित तारीख से 180 दिन पूर्व अनुमोदनार्थ केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को प्रस्तुत करेगी। इस प्रस्ताव के प्राप्त होने के बाद 60 दिन के अंदर केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी लिखित में कंपनी को प्रस्तावित प्रचालन और रखरखाव पद्धति के संबंध में अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, अधिसूचित कर सकती है और संशोधन का सुझाव दे सकती है। दोनों पक्षों को इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए और एक समझौते पर पहुंचना चाहिए और यदि इस मुद्दे पर समझौता नहीं हो पाता हो तो यह मामला स्वतंत्र अभियंता को भेजा जाएगा।
- (ङ) प्रत्येक पक्ष को इस करार के उचित प्रशासन के प्रयोजनार्थ उनमें से प्रत्येक के लिए अपेक्षित पूर्ण और सही रिकार्ड तथा सभी आंकड़े रखने होंगे। दोनों पक्षों को इस अपेक्षा और जब तक ये रिकार्ड नष्ट न करने हों, उस समयान्तर्ध्व को अंतिम रूप देने के लिए विचार-विमर्श करना चाहिए। कोई भी पक्ष उचित पूर्व सूचना देकर अन्य पक्ष के पास रखे रिकार्ड का निरीक्षण कर सकता है।
- (च) कंपनी ट्रांसमिशन से इतर प्रयोजनार्थ ट्रांसमिशन परिसम्पत्तियों का इस शर्त के अध्यधीन उपयोग कर सकती है अथवा उपयोग करने की अनुमति दे सकती है कि ऐसा उपयोग ट्रांसमिशन क्षमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं करेगा और कि ऐसे उपयोग से होने वाले लाभों का बंटवारा आयोग के निर्णयानुसार ट्रांसमिशन परिसम्पत्तियों के लाभार्थियों में किया जाएगा।
- (छ) आर.ई.बी. द्वारा आउटेज अनुसूची को अंतिम रूप दिया जाएगा (केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को कंपनी से परामर्श करना चाहिए और मामला आर.ई.बी. मंच पर ले जाना चाहिए)। जहां कहीं संभव हो, इमेरजेंसी आउटेज पर केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के साथ चर्चा करनी चाहिए। आउटेज प्राप्त करने और सभी प्रकार के आउटेज के बाद ऊर्जाकरण के लिए संबंधित आर.एल.डी.सी. द्वारा अनुमति जारी की जाएगी।
- (ज) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी प्रचालन और रखरखाव ठेकेदारों के लिए अर्हताएं तय करे और कंपनी केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को सूचित करते हुए इन

अर्हताओं को पूरा करने वाले किसी ठेकेदार को प्रचालन और रखरखाव ठेका दे सकती है।

- (झ) केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी ट्रांसमिशन परिसम्पत्तियां निर्दिष्ट कर सकती है, जिन्हें सामान्यतः रखरखाव हेतु साथ-साथ बाहर नहीं निकाला जा सकता। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऐसी कुछ समयावधि (महीने/मौसम) भी निर्दिष्ट कर सकती है जब किसी घटक के संबंध में सामान्यतः अनुसूचित रखरखाव की अनुमति नहीं दी जाएगी। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी कंपनी से अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के पर्यवेक्षण और नियंत्रण के केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में अपने दायित्वों का निर्वाह करने के लिए उचित रूप से अपेक्षित सूचना प्रदान करने के लिए कह सकती है।
- (ज) आकस्मिक अथवा असामान्य परिस्थितियों में, यदि कंपनी रखरखाव कार्य करने में विफल रहती है तो केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी रखरखाव करने के लिए पात्र होगी ताकि परिसम्पत्तियों का इष्टतम उपयोग किया जा सके। कंपनी द्वारा ऐसे रखरखाव के लिए केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को उचित लागत की प्रतिपूर्ति की जानी होगी।
- (ट) परियोजना के कार्यक्षेत्र में कोई भी परिवर्तन केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी की सहमति और आयोग के पूर्वानुमोदन के बाद किया जाएगा।

7. उपलब्धता की गणना

- 7.1 उपलब्धता की गणना याचिका संख्या 12/99, 13/99, 14/99 और 16/99 में दिनांक 26 सितम्बर, 2000 के आयोग के आदेश के अनुसार की जाएगी। पूर्ण निर्धारित प्रभारों की रिकवरी के लिए प्रासमिक उपलब्धता 98% अथवा समय-समय पर आयोग द्वारा तय की हुई होगी।

8. ट्रांसमिशन सेवा प्रभार की स्थापना

- 8.1 इस उप-खण्ड में ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों के बारे में निम्नलिखित प्रावधान होंगे:

- (क) बोलीदाताओं से प्रत्येक घटक के लिए अलग से दर कोट करने के लिए कहा जाएगा ताकि वार्षिक आधार पर ट्रांसमिशन सेवा प्रभारों का भुगतान किया जा सके और इसमें निम्नलिखित घटक होंगे:
 - (i) रुपये का सूचकांकन विहीन घटक,
 - (ii) रुपये का घरेलू मुद्रास्फीति के प्रति सूचकांकित घटक (सूचकांकन के लिए फार्मूला केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा), और

- (iii) विदेशी मुद्रा घटक (कोई सूचकांकन अनुमत नहीं। केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी इस घटक के लिए ऊपरी सीमा निर्दिष्ट करे)।
- (ख) बोलीदाताओं से प्रत्येक घटक के लिए अलग से दर कोट करने के लिए कहा जाएगा ताकि प्रत्येक घटक के लिए ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों का भुगतान किया जा सके। इन ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों का योग किया जाएगा ताकि परियोजना के लिए ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों का हिसाब लगाया जा सके।
- (ग) ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों की अदायगी भारतीय रूपयों में की जाएगी। विदेशी मुद्रा घटक की गणना भुगतान विनिमय दर के अनुसार की जाएगी। मुद्रास्फीति से सम्बद्ध रूपये घटक में वृद्धि की गणना आयोग के दिनांक 21.12.2000 के आदेश और बाद की दिनांक 26.3.2001 की अधिसूचना में निहित पावर ग्रिड प्रणाली के लिए वृद्धि फार्मूले के अनुसार की जाएगी।
- (घ) वार्षिक ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों के बाहरवें हिस्से का भुगतान प्रासमिक उपलब्धता हासिल करने की शर्त के अधधीन मासिक आधार पर किया जाएगा।
- (ङ.) उपलब्धता हासिल करने के लिए प्रोत्साहन सूचकांकन विहीन रूपये घटक के साथ सम्बद्ध होगा।
- (च) प्रासमिक उपलब्धता से कम उपलब्धता हासिल करने के लिए आनुपातिक आधार पर ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों में कमी के रूप में हतोत्साहन होगा।
- (छ) ऋण पत्र के माध्यम से भुगतान के मामले में 2.5% की छूट अनुमत होगी, अन्यथा बिलों को प्रस्तुत करने के एक माह के अंदर भुगतान करने के लिए एक प्रतिशत की छूट होगी। ट्रांसमिशन सेवा प्रभागों के भुगतान में विलंब होने पर 1.5 प्रतिशत का दंड लगेगा।

9. सुरक्षा नियम और पद्धतियां

- 9.1 कंपनी प्रयोज्य नियमों और विवेकी यूटिलिटी पद्धतियों के अनुसार सुरक्षा नियमों और पद्धतियों का अनुपालन करेगी।

10. बीमा

- 10.1 परियोजना अथवा परियोजना घटक, जैसा भी मामला हो, की अनुसूचित वाणिज्यिक प्रचालन तारीख से कम से कम तीन माह पूर्व कंपनी विभिन्न खतरों के प्रति प्रचालन अवधि के दौरान बीमा और ऐसा बीमा जो निम्नलिखित के लिए अपेक्षित/आवश्यक है, लागू रखेगी

- (क) कोई भी वित्तीय करार

(ख) भारत का नियम

(ग) विवेकी यूटिलिटी पद्धतियों के अनुसार

11. निरूपण और वारंटियां

11.1 केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी अन्य बातों के साथ-साथ कंपनी को निरूपण और वारंट देगा कि केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में उसके पास इस करार के अधीन अपने दायित्वों का कार्यकरण, निर्वाह और कार्य निष्पादन करने के लिए पूर्ण शक्ति और प्राधिकार हैं।

12. नियम में परिवर्तन

12.1 यह उप-खण्ड विस्तार से निम्नलिखित कवर करेगा

(क) नियम में परिवर्तन की परिभाषा,

(ख) वे परिस्थितियां जिनके अधीन नियम प्रावधानों में परिवर्तन लागू होगा,

(ग) नियम में परिवर्तन अधिसूचित करने के बारे में प्रावधान, और

(घ) नियम में परिवर्तन के अनुसरण में करार में संशोधन करने के बारे में प्रावधान।

13. चूक के मामले में करार समाप्ति

13.1 इस उप-खण्ड में निम्न सूची होगी:

(क) कंपनी और केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के चूक के मामले में समाप्ति पद्धति और करार समाप्त होने पर परिसम्पत्तियों के अंतरण का विस्तार से वर्णन किया जाएगा,

(ख) पावर ग्रिड का केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में स्तर समाप्त होना केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी की चूक नहीं होगा। ऐसे मामले में केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में पावर ग्रिड की सभी जिम्मेदारियां/दायित्व केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के रूप में पावर ग्रिड के उत्तराधिकारी को अंतरित की जाएंगी, और

(ग) आयोग के पूर्वानुमोदन के बिना ऐसा करार समाप्त नहीं होगा (यह आवश्यक है क्योंकि करार समाप्त होने के परिणामस्वरूप परियोजना केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी को अंतरित हो जाएगी, जिसका तात्पर्य आयोग द्वारा जारी लाइसेंस समाप्त होना है)।

14. विवाद निराकरण

- 14.1 इस उप-खण्ड में विवाद तय करने से संबंधित सभी पहलू नामतः परामर्श, न्यायनिर्णय और माध्यस्थता कवर किए जाएंगे। इस उप-खण्ड में यह भी प्रावधान होगा कि टैरिफ सहित ऊर्जा के अंतर-राज्य ट्रांसमिशन से उत्पन्न होने वाले अथवा इससे संबंधित और लाइसेंस अथवा इसकी शर्तों और निबंधनों की व्याख्या से उत्पन्न होने वाले अथवा इससे संबंधित सभी विवाद या विषमताएं जहां तक संभव होगा, आपसी परामर्श/सुलह समझौते द्वारा हल किए जाएंगे। यदि उपर्युक्त तरीके से इन विवादों अथवा विषमताओं को हल करने में पक्ष विफल रहते हैं तो इन्हें विद्युत विनियामक आयोग अधिनियम, 1998 की धारा 13 के खण्ड(ज) के अनुसरण में माध्यस्थता अथवा न्यायनिर्णय हेतु आयोग को भेजा जाएगा।

15. गोपनीयता

- 15.1 कानून अथवा विनियामक प्राधिकारी या संभावित ऋण दाता अथवा कंपनी के निवेशकों या पक्षों के संबंधित व्यावसायिक सलाहकारों अथवा ऐसे ऋणदाताओं या निवेशकों द्वारा अपेक्षित को छोड़कर दोनों पक्ष:

(क) इस करार के अधीन अथवा अनुसरण में हासिल किए गए कोई आंकड़े अथवा सूचना के बारे में सभी सूचनाओं को गोपनीय रखने का उचित प्रयास करेंगे; और

(ख) इस करार के कारण उनके द्वारा अन्य उपक्रम के संबंध में आपस में प्राप्त किए गए दस्तावेज अथवा अन्य सूचना (तकनीकी अथवा वाणिज्यिक) का उपयोग पक्ष के दायित्वों के कार्य निष्पादन और इस करार के अधीन अधिकारों के प्रयोग से इतर किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेंगे।

बशर्ते कि ये प्रावधान उस सूचना के लिए लागू नहीं होंगे जो सूचना सार्वजनिक करने के समय जनता को उपलब्ध थी लेकिन इसमें वह सूचना शामिल नहीं है जो गोपनीयता के पूर्व के दायित्वों के अतिक्रमण में सार्वजनिक कर दी गई थी।

- 15.2 ये प्रावधान करार समाप्त होने पर लागू रहेंगे लेकिन करार समाप्त होने की तारीख के पांचवें वर्ष की उसी तारीख से निष्प्रभावी हो जाएंगे।

अनुसूची-2

ट्रांसमिशन लाइसेंस देने के लिए आवेदन प्रपत्र

परियोजना का विवरण जिसके लिए ट्रांसमिशन लाइसेंस मांगा गया है:

(क) लाइन का नाम

वोल्टेज क्लास

कि.मी. में लम्बाई

सर्किट (एस/सी अथवा डी/सी)

(ख) उप स्टेशन का नाम:

वोल्टेज स्तर :

ट्रांसफार्मर (नम्बर और एम.वी.ए. क्षमता):

शंट रिएक्टर(नम्बर और एम.वी.ए.आर. क्षमता):

स्टैटिक वार कम्पनसेटर(संख्या और एम.वी.ए.आर. क्षमता)

बे की संख्या:

आवेदक का विवरण:

i) आवेदक का नाम

ii) पता

iii) नाम, पदनाम एवं पता

जिससे संपर्क किया जा सके

iv) संपर्क टेलीफोन नं०

v) फैक्स नं०

vi) ई मेल/पता :

vii) समावेशन/पंजीकरण का स्थान :

viii) समावेशन/पंजीकरण का वर्ष :

ix) निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करें-

(क) पंजीकरण का प्रमाण-पत्र :

(ख) आवेदक अथवा उसके

प्रमोटर की वचनबद्धता के
लिए हस्ताक्षरकर्ता की मूल
पावर ऑफ अटर्नी :

(ग) आयकर पंजीकरण का विवरण:

(घ) आयात लाइसेंस का

विवरण, यदि कोई हो, तो :

आवेदक का पिछला अनुभव:

[आवेदक अथवा जे.वी.सी./संघ (जैसा भी लागू हो) के मामले में
प्रत्येक भागीदार द्वारा अलग से भरा जाना है]

- (i) ट्रांसमिशन और/अथवा विकसित :
वितरण परियोजना(ओं) का नाम
एवं पता
- (ii) विकसित परियोजना(ओं) का :
संक्षिप्त विवरण
- (iii) विकसित परियोजना(ओं) के संबंध :
में संदर्भित व्यक्ति का नाम,
पदनाम एवं पता :
टेलीफोन नं० :
फैक्स नं० :
- (iv) ग्राहक कंपनी(यों) का नाम एवं :
पते जिसके लिए परियोजना(एं)
विकसित की गई :
(v) ग्राहक कंपनी(ओं) के संदर्भित :
व्यक्ति का नाम, पदनाम एवं पता :
टेलीफोन नं० :
फैक्स नं० :
- (vi) उपर्युक्त परियोजना(ओं) में :
आवेदक का विस्तृत कार्य-क्षेत्र :
- (vii) कंपनी का नाम एवं प्रकार, :
जिसके नाम में परियोजना(ओं)
को प्रमोट किया गया है :
- (viii) निर्माण-कार्य प्रारंभ करने की तिथि :

- (क) निर्धारित तिथि
 (ख) वास्तविक तिथि
 पूरा करने की तिथि
 (क) निर्धारित तिथि
 (ख) वास्तविक तिथि
- (ix) विकसित परियोजना की पूरी लागत (भारतीय रूप्यों के बराबर, विदेशी मुद्रा में इक्विटी सम्मेलन/ऋण लेने के समय मौजूदा विनिमय दर से परिवर्तन किया जाएगा।)

वित्त के साधन(संक्षिप्त विवरण)

ऋण(%)

इक्विटी (%)

- (x) मालिक/ग्राहक, जिसके लिए परियोजना(ओं) को प्रमोट किया गया है, से उपर्युक्त सभी विवरण के समर्थन में प्रमाण पत्र/दस्तावेज संलग्न किए जाने हैं।
- (xi) हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि हम पावर यूटिलिटी के स्वामी हैं और 220 के.वी. अथवा उच्च वोल्टेज स्तर की ट्रांसमिशन लाइनों का अनुरक्षण कर रहे हैं। हमारे द्वारा रखे गए एवं कायम की गई सभी ट्रांसमिशन लाइनों एवं 220 के.वी. अथवा उच्च वोल्टेज स्तर के उप-स्टेशनों का विवरण निम्नलिखित रूप में दिया जा रहा है(यथा लागू) :

क्र.सं.	लाइन का नाम	एस/सी डी/सी	अथवा वोल्टेज स्तर	लाइन की लम्बाई (कि.मी. में)	राज्य/देश का नाम जहां लाइन स्थित है।
1					
2					
3					
4					

क्र.सं.	उप स्टेशन का नाम	ट्रांसफार्मर्स, कक्षों, रिएक्टरों इत्यादि की संख्या	वोल्टेज स्तर	एन.वी.ए. अथवा एम.वी.ए.आर.	राज्य/देश का नाम जहां उप-स्टेशन स्थित है।
1					
2					
3					
4					

आवेदक के वित्तीय-आंकड़ों का विवरण

(आवेदक अथवा जे.वी.सी./संघ(जैसा भी लागू हो) के मामले में प्रत्येक भागीदार द्वारा अलग से भरा जाना है।)

- (i) पिछले 5(पांच) वित्तीय वर्षों के लिए निवल मूल्य (भारतीय रूपयों के बराबर-प्रत्येक वर्ष के अंत में मौजूदा विनिमय दर से परिवर्तन किया जाएगा)(यथा लागू वित्तीय वर्ष निर्दिष्ट करें)
(दिन/माह/वर्ष) से (दिन/माह/वर्ष)

	घरेलू मुद्रा में	प्रयोग की गई विनिमय दर	भारतीय/रूपयों के बराबर
(क) वर्ष 1() से ()	-----	-----	-----
(ख) वर्ष 2() से ()	-----	-----	-----
(ग) वर्ष 3() से ()	-----	-----	-----
(घ) वर्ष 4() से ()	-----	-----	-----
(ङ) वर्ष 5() से ()	-----	-----	-----

- (च) उपर्युक्त के समर्थन में वार्षिक रिपोर्ट अथवा प्रमाणित लेखा-परीक्षा परिणामों की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

- (ii) पिछले 5(पांच) वित्तीय वर्षों के लिए वार्षिक टर्न ओवर (भारतीय रूपयों के बराबर-प्रत्येक वर्ष के अंत में मौजूदा विनिमय दर से परिवर्तन किया जाएगा)(यथा लागू वित्तीय वर्ष निर्दिष्ट करें)
(दिन/माह/वर्ष) से (दिन/माह/वर्ष)

	घरेलू मुद्रा में	प्रयोग की गई विनिमय दर	भारतीय/रूपयों के बराबर
वर्ष 1() से ()	-----	-----	-----

(ख)	वर्ष 2() से ()	_____	_____	_____
(ग)	वर्ष 3() से ()	_____	_____	_____
(घ)	वर्ष 4() से ()	_____	_____	_____
(ङ)	वर्ष 5() से ()	_____	_____	_____

(च) उपर्युक्त के समर्थन में वार्षिक रिपोर्ट अथवा प्रमाणित लेखा-परीक्षा परिणामों की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

(iii) उपर्युक्त के समर्थन में दस्तावेजों की सूची
दस्तावेज का नाम

(क) _____

(ख) _____

(ग) _____

(घ) _____

(iv) (क) क्या आवेदक स्वयं पूरी तरह से अपने तुलन-पत्र पर उक्त प्रसारण लाइन का वित्त-दाता होगा।

हां/नहीं

(ख) यदि हां तो आवेदक/उसके प्रमोटर से प्रस्तावित इक्विटी:

(क) राशि (लगभग)

(ख) कुल इक्विटी की प्रतिशतता(लगभग)

-----%

(v) यदि आवेदक किसी अन्य एजेंसी से गठबंधन को प्रस्तावित करता है, तब उस वित्तीय एजेंसी का नाम एवं पता:

(क) अन्य एजेंसी के संदर्भित व्यक्ति का नाम, पदनाम एवं पता:

(ख) टेलीफोन नं०:

फैक्स नं०:

(ग) ई-मेल/पता:

(घ) अन्य एजेंसी से प्रस्तावित इक्विटी:

(क) राशि (लगभग):

(ख) कुल इक्विटी की प्रतिशतता(लगभग):

(ग) मुद्रा, जिसमें इक्विटी प्रस्तावित की गई है:

(ङ.) उपर्युक्त के लिए अन्य एजेंसी के आवेदक के साथ सम्बद्ध होने के सहमति पत्र को भी संलग्न किया जाए।

-----%

(vi) आवेदक और अन्य एजेंसी के मध्य प्रस्तावित गठबंधन की प्रकृति।

(vii) परियोजना के लिए प्रस्तावित ऋण का विवरण:

(क) ऋणदाता का विवरण:

(ख) ऋण-पैकेज का विवरण जिसमें ऋण की राशि, मुद्रा, ऋण, की अवधि, ब्याज की दर, अप-फ्रंट फीस, वचनबद्धता प्रभारों इत्यादि को दर्शाया गया हो।

(ग) क्या ऋण के लिए अन्य एजेंसी से कोई गारंटी मांगी गई है।
(वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के आवश्यक अनुमोदन को समुचित समय में प्राप्त करना होगा और सी.टी.यू./आयोग को भेजना होगा)

(viii) क्या आवेदक ई.पी.सी. संविदा से संबंधित कार्य क्षेत्र को स्वयं निष्पादित करेगा:

(ix) यदि आवेदक किसी ई.पी.सी. ठेकेदार

अथवा अन्य ठेकेदार(रों) को नियुक्त

करने का प्रस्ताव करता है तो ऐसे

ठेकेदार(रों) का नाम एवं पता:

(क) ठेकेदार(रों) के संदर्भित व्यक्ति का

नाम, पदनाम एवं पता:

(ख) टेलीफोन नं० :

(ग) ई-मेल/पता :

(घ) उपर्युक्त के लिए अन्य एजेंसी के आवेदक के साथ सम्बद्ध होने के सहमति पत्र को भी संलग्न किया जाए :

(xi) आवेदक की संगठनात्मक एवं प्रबंधकीय क्षमता:

(आवेदक को इस परियोजना के लिए प्रस्तावित विभिन्न कार्यपालक कार्मिकों की प्रस्तावित संगठनात्मक संरचना एवं पाठ्य-विवरण के रूप में अपनी संगठनात्मक एवं प्रबंधकीय क्षमता का साक्ष्य संलग्न करना होगा)

(x) दृष्टिकोण एवं कार्य-प्रणाली:

(आवेदक को उसके द्वारा प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली के स्थापन के लिए, दृष्टिकोण एवं कार्य-प्रणाली का विवरण देना अपेक्षित है)

(आवेदक के हस्ताक्षर)

दिनांक:----- स्थान

केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी द्वारा प्रमाण-पत्र

(1)	आवेदन-पत्र जमा करने की तिथि	
(2)	क्या भारतीय विद्युत ग्रिड कोड(आई.ई.जी.सी.) में निर्धारित योजना नीति को अपनाया गया है?	हां/नहीं
(3)	क्या आवेदक द्वारा निष्पादन के लिए प्रस्तावित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली के घटक पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि०(पावर ग्रिड) से भिन्न अन्य एजेंसियों द्वारा निष्पादन के लिए अ.रा.ट्रां.प्र. के पूर्व निर्धारित घटकों के अंग हैं?	हां/नहीं
(4)	क्या पावर ग्रिड से भिन्न अन्य एजेंसियों द्वारा प्रारंभ की जाने वाली परियोजनाओं के चयन के लिए पद्धति का अनुपालन किया गया है?	हां/नहीं
(5)	क्या आवेदक द्वारा निष्पादित की जाने वाली परियोजना एक विशिष्ट परियोजना के रूप में उपयुक्त आकार (लागत-वार) की है?	हां/नहीं
(6)	क्या सी.ई.ए. से ली गई सैद्धांतिक स्वीकृति लागू थी?	हां/नहीं
(7)	क्या प्रस्तावित परियोजना के लाभभोगियों से समुचित मंच पर परामर्श किया गया?	हां/नहीं
(8)	क्या आवेदक तकनीकी रूप से सक्षम है?	हां/नहीं
(9)	क्या आवेदक वित्तीय रूप से सक्षम है?	हां/नहीं
(10)	क्या लाइसेंस देने के लिए अनुमोदित है? (संक्षेप में कारण दें)	

(प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता)
केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी

दिनांक:-----

स्थान:-----

अनुसूची-3

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
नई दिल्ली
ट्रांसमिशन लाइसेंस

1. भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 (इसे इससे आगे "अधिनियम" कहा गया है) की धारा 27-ग के अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (इसे इसमें आगे "आयोग" कहा गया है, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करने की पद्धति, निबंधन एवं शर्तें तथा अन्य संबंधित मामले) विनियम 2001 के भाग-III के अंतर्गत निर्दिष्ट निबंधन तथा शर्तों जो इस लाइसेंस के अनिवार्य अंग के रूप में पढ़े जाएंगे के अधीन, केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के अधीन -----
----- (परियोजना का नाम) संलग्न अनुसूची में विशेष रूप से विवरणित, के निर्माण, रखरखाव एवं प्रचालन के लिए मैसर्स-----
को एतद्वारा लाइसेंस प्रदान करता है।
2. जब कभी भी इस लाइसेंस के निबंधन तथा शर्तों और लाइसेंसधारी एवं केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के बीच हस्ताक्षरित करार के बीच कोई परस्पर विरोध हो तो समय-समय पर यथा संशोधित इस लाइसेंस के प्रावधान लागू होंगे।
3. यह लाइसेंस अहस्तांतरणीय है।
4. लाइसेंसधारी को लाइसेंस प्रदान करना, अनुसूची में विवरणित परियोजना से भिन्न ट्रांसमिशन प्रणाली के लिए उसी क्षेत्र में किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस प्रदान करने के लिए आयोग के अधिकार में किसी भी रूप में बाधक नहीं होगा या उसके अधिकार को सीमित नहीं करेगा। लाइसेंसधारी किसी एकाधिकार का दावा नहीं करेगा।
5. लाइसेंस, इसके जारी होने की तारीख से प्रारंभ होगा और जब तक पहले रद्द नहीं किया जाता, अनुसूचित तारीख अथवा वाणिज्यिक प्रचालन की वास्तविक तारीख, जो पहले हो, से 30(तीस) वर्षों की अवधि के लिए जारी रहेगा।

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: -----

सचिव

अनुसूची

4.0 परियोजना से संबंधित विवरण:

परियोजना में अंतर-राज्य ट्रांसमिशन सिस्टम के निम्नलिखित घटक शामिल हैं।

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक:-----

सचिव

ए. के. सचान, सचिव

[विज्ञापन III/IV/150/2003/असा.]

**CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION
NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th May, 2003

No. L-7/25(1)/2001-CERC.—In exercise of powers conferred under Section 27C of the Indian Electricity Act, 1910 and all other powers enabling in this behalf, the Commission hereby makes the following regulations, namely :

CHAPTER- I -- PRELIMINARY

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT:-

- (i) These regulations shall be called the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms & Conditions for grant of Transmission License and other related matters) Regulations, 2003.
- (ii) These regulations shall come into force from the date of publication in the official gazette.
- (iii) Provided that in case of the projects already in progress on the date of coming into force of these regulations, the Commission shall be approached for exemption of the steps already completed.

2. DEFINITIONS AND INTERPRETATION

- (i) In these regulations unless the context otherwise requires:

“Act” means “The Indian Electricity Act, 1910”.

“Agreement” means the Implementation Agreement or, as the case may be, the Transmission Service Agreement.

“Benchmark Price” means the price of transmission services determined by the Central Transmission Utility for the purpose of, inter alia, acceptance of the lowest Price Bid, which shall be the price of similar service provided by POWERGRID and shall include any additional charges authorized by the Commission from time to time.

"Bid"	means a proposal submitted by a bidder in response to the Request for Proposal and comprises Technical Bid and Price Bid.
"Central Transmission Utility"	means the Central Transmission Utility notified by the Central Government under sub-section (1) of section 27A of the Act.
"Commission"	means the Central Electricity Regulatory Commission established under Section 3 of the Electricity Regulatory Commissions Act, 1998.
"Compliant Bid"	means a Bid that complies unconditionally with the Request for Proposal requirements;
"Electricity Laws"	means "The Indian Electricity Act, 1910", "The Electricity (Supply) Act, 1948", "The Electricity Regulatory Commissions Act, 1998", and "The Indian Electricity Rules, 1956" as amended from time to time and includes any statutory re-enactment thereof.
"Financial Year"	means a period of twelve (12) months from 1 st April of a year to 31 st March of the following year. Provided that where the license has been granted on a date after 1 st April, the first financial year of the licensee shall commence from the date of grant of license and terminate on 31 st March following such date.
"Indian Electricity Grid Code"	means the Indian Electricity Grid Code approved by the Commission and as amended from time to time.
"Implementation Agreement"	means a contractual document with provisions related to construction phase of the elements of the Inter-State Transmission System.
"License"	means a transmission license granted by the Commission to construct, maintain and operate the elements of the Inter-State Transmission System under clause (1) of Section 27C of the Act.
"Licensee"	means a person who has been granted a license by the Commission.

"Minimum Functional Specifications"	means the output specifications for the project
"Minimum threshold"	means an objective performance level set by reference to the capabilities required for executing the project that shall be met or exceeded by the applicant/bidder.
"Price Bid"	means the document in the bid containing information about the price of transmission of electricity.
"Project"	means the elements of the Inter-State Transmission System described in the Schedule attached to the license granted by the Commission.
"Project Documents"	means the tender documents including the Request for Qualification or the Request for Proposal or both;
"POWERGRID"	means Powergrid Corporation of India Ltd. and includes its successor entity
"Regulations"	means these regulations;
"Request for Qualification"	means the tender documents issued in the first stage of the tender process.
"Request for Proposal"	means the tender documents issued in the second stage of the tender process;
"Technical Bid"	means the document of the Bid containing information about all other aspects other than the price of transmission of electricity, and may, inter alia, include technical designs, minimum functional specifications, financing plan, conditions and qualifications to the bids, in accordance with the RfP;
"Transmission Service Agreement "	means a contractual document with provisions related to operation phase of the elements of the Inter-State Transmission System.

"Transmission Service Charges" means charges approved by the Commission and payable to the licensee for the transmission of electricity.

- (ii) Unless repugnant to the context, words and expressions used herein and not defined in these regulations, but defined in the Electricity Laws and the Indian Electricity Grid Code have the meaning assigned to them in the Electricity Laws and the Indian Electricity Grid Code.
 - (iii) References in the license to Conditions, Parts and Schedules shall, unless the context otherwise requires, be construed as references to Conditions, Parts, and Schedules of the license.
3. The provisions of the General Clauses Act, 1897 as amended from time to time shall apply to interpretation of these regulations.
 4. All proceedings under these regulations shall be governed by the Central Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 1999.

CHAPTER-II --- PROCEDURE FOR GRANT OF LICENSE

SELECTION OF ELEMENTS OF INTER-STATE TRANSMISSION SYSTEM

The elements of Inter-State Transmission System to be undertaken by the agencies other than POWERGRID shall be identified by the Central Transmission Utility in accordance with the procedure and criteria for selection of projects evolved for this purpose by the Central Transmission Utility.

ROUTES FOR IMPLEMENTATION OF ELEMENTS OF INTER-STATE TRANSMISSION SYSTEM

- (i) The Competitive route or the Joint Venture route may be adopted for implementation of the elements of Inter-State Transmission System by the agencies other than POWERGRID.

The Central Transmission Utility may take a final decision in adoption of Joint Venture route in appropriate cases. The guiding factor for adopting Joint Venture route shall be the conditions where open competition is not anticipated or where the project is of critical nature.

Provided that in case of Joint Venture route, the POWERGRID shall be one of the partners of the Joint Venture Company

7. COMPETITIVE ROUTE

- (i) For selection of an agency for implementation of the elements of Inter-State Transmission System through Competitive route, Request for Qualification (RfQ) and Request for Proposal (RfP) stages shall be followed.
- (ii) The Central Transmission Utility shall follow the guiding factors as contained in Schedule 1 to these regulations for drawing up detailed Request for Qualification and Request for Proposal documents for individual projects, without obtaining approval of the Commission.
- (iii) The Central Transmission Utility shall be at liberty to draft the Request for Qualification and the Request for Proposal documents based on the guiding factors contained in Schedule 1 to these regulations by adding additional details, provided that addition of details is in conformity with the guiding factors and does not have the effect of amending, modifying or altering the guiding factors.
- (iv) The Request for Qualification and Request for Proposal documents standardized based on the guiding factors contained in Schedule 1 of these regulations shall be used for the bidding process.

Provided that where any deviations from the guiding factors contained in Schedule 1 are considered necessary, prior approval of the Commission shall be obtained.

8. REQUEST FOR QUALIFICATION (RfQ) DOCUMENT

- (i) The selection of the implementing agency through the Competitive route shall be through a competitive process by inviting bids on open tender basis. The Central Transmission Utility shall publish a notice for the Request for Qualification in the national/international newspapers, and domestic/international trade journals for domestic or global participation on consideration of the size of the project, past experience, etc. It shall offer to send out the Request for Qualification on application, and state the deadline for receipt of the Request for Qualification.
- (ii) The Request for Qualification document to be prepared by the Central Transmission Utility shall contain the comprehensive project details and the scope of services to be rendered and shall state that

- (a) The implementing agency shall be responsible to finance, construct, own, operate and maintain the elements of Inter-State Transmission System,
 - (b) The entire transmission capacity shall be made available to the Central Transmission Utility,
 - (c) On expiry of the period of agreement, the implementing agency shall transfer the transmission system to the Central Transmission Utility in accordance with the terms of the agreement entered into by the implementing agency with the Central Transmission Utility.
- (iii) The Request for Qualification document shall be a priced document.
 - (iv) At least two months time shall be allowed for submission of the applications for qualification.

9. **SELECTION OF QUALIFIED PARTIES AT REQUEST FOR QUALIFICATION STAGE**

- 1. The qualification of the applicants shall be measured against the minimum threshold stated in the detailed qualifying requirements.
- 2. For the purpose of selection of qualified parties at the Request for Qualification stage, the following evaluation criteria in addition to any other criteria as may be required by the Central Transmission Utility shall be considered:
 - (a) The past experience in development, construction, operation and maintenance of transmission system (lines & sub-stations); and mobilisation of necessary resources, including long-term finances through tie-ups by the applicants/bidders;
 - (b) Current financial and legal status measured by net worth, sales and/or any other suitable financial measures and shall include a letter/testimonial from reputable banks attesting that the applicant/bidder and/or members of the consortium are banking with them, and that they are in good financial standing; and
 - (c) Prior BOOT/BOT experience and ability to arrange finance for similar size projects as the proposed project highlighting ability for financial closure;

3. The evaluation criteria shall be objective. Subjectivity and discretion in the Request for Qualification evaluation shall be minimized.
4. An applicant can be qualified at the Request for Qualification stage on its own.
5. The Central Transmission Utility shall proceed with the bidding process to the Request for Proposal stage only if a minimum of three parties have qualified.

Provided that the Commission may in its discretion relax the condition specified in this sub-clause on an application to that effect by the Central Transmission Utility and the Central Transmission Utility shall proceed with the bidding process thereafter.

10. REQUEST FOR PROPOSAL (RfP) DOCUMENT

1. The Central Transmission Utility shall send the Request for Proposal document to the qualified applicants. The Request for Proposal submission shall consist of two parts - Technical Bid and Price Bid.
2. The Request for Proposal document shall contain all the information needed by the prospective bidders in order to make firm bids. It shall also set out all the information required from the prospective bidders in support of their bid. The information shall be strictly limited to that which is essential for proper evaluation of bids against the stated evaluation criteria.
3. The Request for Proposal document shall define the scope of service to be rendered, the responsibilities of the bidder and allocation of risks and obligations between the bidder and the Central Transmission Utility and shall
 - (a) Contain information relating to the remaining bid process and timetable, together with a detailed description of the evaluation criteria, including the discount rate, foreign exchange rate and foreign exchange variation rate.
 - (b) Include the minimum functional specifications and the technical specifications of the project based on DPR, interface issues, bid forms reflecting the required information for proper evaluation of the bid, forms of performance securities, draft Implementation

Agreement & Transmission Service Agreement, general terms and conditions of the license, the application form for grant of the license as notified by the Commission,

- (c) Stipulate an amount payable towards Project Implementation Guarantee Deposit required to be deposited immediately by the successful bidder on selection, which amount shall be forfeited in case the selected bidder fails to reach financial closure or complete the project within stipulated time,
 - (d) Specify the manner in which the Transmission Service Charges shall be recovered from the beneficiaries; and
 - (e) Prescribe the manner for computation of the Transmission Service Charges for different phases, when the project is executed in phases.
 - (f) Specify the limits for the foreign currency indexed component and the domestic inflation indexed component of the Transmission Service Charges. The Central Transmission Utility shall justify the limits proposed by it. In particular, the foreign currency exposure in tariffs shall be minimised, both by limiting the level of foreign currency component and continuously reducing the foreign currency exposure over the life of the Transmission Service Agreement in line with commonly available debt terms,
 - (g) Indicate clearly the method of computation of residual value at which the transmission system shall be transferred to the Central Transmission Utility at the expiry of the transmission license, and which shall be objectively determined and capable of being factored into the bid.
- 4. The bidders shall be given at least three (3) months time to submit their detailed proposals.
 - 5. The Central Transmission Utility shall hold at least one pre-bid conference between two and four weeks after distributing the Request for Proposal. The Central Transmission Utility shall issue an agenda for the pre-bid conference and shall thereafter publish the minutes of the conference.
 - 6. The Central Transmission Utility shall give due consideration to the qualified applicants' comments to revise the project documents with a view to maximizing the number of Compliant Bids, while minimizing the revisions to the project documents.

7. If such revisions shall result in the project documents deviating from these regulations or the guiding factors contained in Schedule 1, prior approval of the Commission for the deviation shall be obtained.
8. The revised project documents shall be distributed to the qualified applicants at least eight weeks prior to the required bid submission date.
9. Clarifications, if any, issued at the instance of any bidder shall be conveyed to all the bidders without disclosing the identity of the bidder at whose instance the clarification has been furnished.

11. TRANSMISSION SERVICE CHARGES

The bidders shall quote the annual Transmission Service Charges payable at a normative level of performance indicated in the Request for Proposal document. The Transmission Service Charges shall satisfy the following principles:

- (a) It shall incentivise the project to maximize availability of transmission system,
- (b) The factors that are beyond the control of the project shall be provided for in the Transmission Service Charges – these relate to foreign exchange movements and inflation. The Annual Transmission Service Charges shall consist three components viz., a fixed rupee portion, a foreign currency denominated portion and an Indian inflation denominated portion. The Central Transmission Utility shall not specify what heads of costs could be covered under each of the above three components as this condition is restrictive and against the principle of tariff based competitive bidding.

12. BID EVALUATION

1. The bid packages shall be opened in public. The bid packages shall be checked for overall compliance with tender conditions, for example, performance bond, submission requirements, etc. All the bidders will have the right of access to the bid opening.
2. The technical bids of compliant bid packages shall then be evaluated. Until such time as the evaluation of technical bids is underway, the price bids of the compliant bid packages shall remain unopened and in safe custody. The price bids of the compliant bid

packages that meet the technical criteria shall then be opened and evaluated.

3. The Central Transmission Utility shall proceed with evaluation and comparison of proposals where a minimum of three compliant bids are available.

Provided that where the minimum number of three compliant bids are not available, the final selection of the implementing agency shall be made after obtaining prior approval of the Commission.

4. In assessing compliance of the bids with the tender conditions, the Central Transmission Utility shall ensure the following:

- (a) **Completeness:** All relevant information requested and bid security has been provided;

- (b) **Unconditionality:** The bid is not subject to any conditions and there are no amendments or deletion or mark-ups of any nature.

5. The Central Transmission Utility shall evaluate the technical bids that are found compliant in accordance with the following minimum technical criteria:

- (a) **Technical soundness:** The basic engineering design of the project shall be capable of delivering the minimum functional specification set by the Central Transmission Utility and as prescribed in the bid documents.

- (b) **Operational feasibility:** The proposed organisation, methods, and procedures for operating and maintaining the completed facility shall be well defined, shall conform to the prescribed performance standards, and shall be shown to be workable.

- (c) **Environmental Standards:** The proposed design and the technology of the project to be used shall be in accordance with the prevailing environmental standards. Any adverse effects on the environment shall be properly identified, including the corresponding corrective/mitigating measures to be adopted.

- (d) **Project Financing:** The proposed financing plan shall show that it is credible and achievable.

6. In all other respects, the bid evaluation criteria given in the guiding factors contained in Schedule 1 to these regulations shall be

followed. The deviations, if any, shall be got approved by the Commission.

7. The Commission may, on receipt of a complaint from any of the bidders alleging mala-fide in the selection of successful bidder call for evaluation reports in order to satisfy itself in regard to fairness of the evaluation process carried out by the Central Transmission Utility.
8. The bidder shall have identified and obtained 'expression of interest' from the financiers and equipment suppliers.

13. SELECTION OF IMPLEMENTING AGENCY

1. The final selection of the implementing agency from amongst the bidders whose bid meets the technical criteria shall be made on evaluation and comparison of Net Present Value of the annual Transmission Service Charges quoted by the bidders. The Benchmark price estimated by the Central Transmission Utility shall form the basis for checking reasonability of the bids during evaluation.
2. In case the lowest price bid is higher than the benchmark price plus a confidence interval of 10%, the Central Transmission Utility shall ask the lowest bidder to match the price equal to benchmark price plus 10%. If the bidder agrees to match this price, then it shall be selected as the implementing agency. If the bidder fails to match this price, the Central Transmission Utility shall consider whether to accept the lowest price bid and to select the bidder of the lowest price bid as the implementing agency. In case the Central Transmission Utility decides in favour of the lowest price bidder above the benchmark price plus 10%, it shall seek approval of the Commission after giving proper justification.

14. CODE OF CONDUCT DURING THE BID PROCESS

1. The Central Transmission Utility shall not provide any interpretation of the tender documents other than where there is a manifest error or where worked examples are required to illustrate, inter alia, the working of tariffs.
2. The Central Transmission Utility shall rely solely on written communications and written acceptances from the applicants/bidders. Further, the Central Transmission Utility shall communicate all its correspondence to all the bidders

3. The Central Transmission Utility shall allow sufficient time to the bidders in case of any changes made to the bid process or the bid documents.

15. JOINT VENTURE (JV) ROUTE:

The annual Transmission Service Charges for Joint Venture route shall be on cost plus basis in accordance with the tariff notification issued by the Commission from time to time.

16. APPROVAL BY THE CENTRAL TRANSMISSION UTILITY

The Central Transmission Utility before according its approval for grant of license shall satisfy that:

- (i) The planning policy laid down under the Indian Electricity Grid Code has been followed.
- (ii) The elements proposed for execution by the successful bidder forms part of the elements of Inter-State Transmission System identified for execution by agencies other than POWERGRID.
- (iii) The procedure published by the Central Transmission Utility for selection of elements of the Inter-State Transmission System to be taken up by the agencies other than POWERGRID has been followed.
- (iv) The elements of the Inter-State Transmission System proposed to be executed by the successful bidder are reasonably sized (cost-wise) as distinct project to ensure competition.
- (v) In-principle clearance from Central Electricity Authority, where necessary, has been obtained.
- (vi) The beneficiaries of the elements of the project have been consulted at the appropriate forum.

17. GRANT OF TRANSMISSION LICENSE BY THE COMMISSION

- (i) The application for grant of license duly approved by the Central Transmission Utility in the manner prescribed under these regulations and in the form attached at Schedule 2 shall be submitted to the Commission.
- (ii) Every such application shall be accompanied by a fee of Rs. 100,000/- (Rs one lakh only), payable through Bank draft/pay order drawn in favour of Assistant Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi.

- (iii) The Commission on being satisfied that the procedure prescribed under these regulations has been complied with, may issue Letter of Intent to the applicant for grant of license.

Provided that before issuing the Letter of Intent the Commission may call for such information from the applicant or the Central Transmission Utility as it deems necessary.

- (iv) The Commission shall as far as possible grant the license in the form attached at Schedule 3, within 15 days of receipt of the initial license fee prescribed under sub-clause (i) of Clause (1) of Regulation 22.

18. REPORTS TO THE COMMISSION

The Central Transmission Utility may report to the Commission, such of the developments, as it considers appropriate in regard to performance of the licensee during construction and operation of the project.

Provided that the Commission may at any time call for such information in regard to performance of the licensee, as it deems necessary.

PART -III ---- TERMS AND CONDITIONS OF LICENSE

19. OBLIGATIONS OF LICENSEE

The licensee shall be subject to the following obligations:

- (a) The licensee shall commission the project within the specified time in an efficient manner in accordance with the Agreement(s).
- (b) The licensee shall strictly comply with the requirements of all laws in force and, in particular, the Electricity Laws, Indian Electricity Grid Code, orders and directions issued by the Commission from time to time, and he shall act in accordance with the agreement(s) during construction as well as operation and maintenance of the Project.
- (c) Any person lawfully authorized by the licensee to carry out the purposes of the license, shall comply with Sections 12 to 19 of the Act as if he is a licensee under the Act.
- (d) The licensee shall render all assistance to any person authorised by Commission, the Central Transmission Utility and Electrical Inspector for carrying out his duties relating to the Project.
- (e) Entire transmission capacity shall be made available to the Central Transmission Utility.

20. PROHIBITED ACTIVITIES

The licensee shall not undertake the following activities during the period of the license:

- (a) The licensee shall not at any time, without the prior approval in writing of the Commission acquire by purchase or otherwise, or acquire any beneficial interest in, a license or an Undertaking belonging to, or associate himself so far as business of generating, transmitting, distributing or supply of energy is concerned, with another licensee or a person generating, transmitting, distributing, supplying or intending to generate, transmit, distribute or supply electricity.
- (b) The licensee shall not make use of the assets of the project for a purpose other than transmission of electricity.

Provided that where the assets of the project are used for a purpose other than transmission of electricity after obtaining the approval of the Commission, the additional benefits to the licensee accruing from such use, shall be shared by the beneficiaries and the licensee in such manner as may be directed by the Commission.

- (c) The licensee shall not enter into arrangement with a third party for purchase/sale of electricity for conveyance through the Project without prior permission of the Commission.
- (d) Any agreement relating to any transaction of the nature described in clauses(a), (b) or (c) hereinabove, unless made with the prior permission of the Commission, shall be void and shall constitute violation of terms and conditions of the license.
- (e) The licensee shall not, at any time, assign his license or transfer his Undertaking, or any part thereof, by sale, mortgage, lease, exchange or otherwise to any person.

Provided that in case of default by the licensee in debt repayment, the Commission may, in consultation with the Central Transmission Utility, assign the license to the nominee of the lenders.

- (f) The licensee shall not augment/modify any part of the Project except –
 - (i) pursuant to an agreement with the Central Transmission Utility and with the prior permission of the Commission ;
 - (ii) in accordance with the guidelines issued by the Commission.
- (g) The licensee shall not dispose of or relinquish operational control of the project without the prior approval of the Commission.

21. TERM OF LICENSE

1. The license shall commence on the date of its issue and unless revoked earlier, shall continue to be in force for a period of 30 (thirty) years from the scheduled date or actual date of commercial operation, whichever is earlier.
2. On expiry of the term of the license, the assets shall be transferred to the Central Transmission Utility, the transfer value of which shall be assessed in the manner provided in the Transmission Service Agreement.

22. PAYMENT OF LICENSE FEE

1. The licensee shall pay to the Commission the license fee of the amount specified hereunder payable by means of a Bank Draft drawn in favour of Assistant Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi
 - (i) Initial license fee of Rs.1,00,000 (Rupees one lakh) within thirty days of receipt of Letter of Intent
 - (ii) After the assets are declared under commercial operation the licensee shall be required to pay a sum equal to 0.05% (one twentieth of one percent) of Annual Transmission Service Charges approved by the Commission, subject to a minimum of Rs. 50,000/- (Rs. Fifty thousand only) and a maximum of Rs. 2,00,000/- (Rupees Two lakh only) as annual license fee for each financial year within thirty (30) days of the commencement of the financial year.
 - (iii) For the period between the date of commercial operation and end of the financial year, pro rata of yearly license fee as provided in clause (ii) above shall be paid within 30 (thirty) days of commencement of the commercial operation.
 - (iv) For the period between start of the financial year and end of the term of the license, pro rata of yearly license fee as provided in clause (ii) above shall be paid within 30 (thirty) days of commencement of financial year.
2. In case the licensee fails to pay to the Commission the license fee or a part thereof, the licensee shall be liable to pay penal interest on the outstanding amount at a simple interest at the rate of 2% per month or a part thereof, for the period the license fee remains unpaid.
3. Notwithstanding the provisions of clause (2) above, the delay in payment or non-payment of the license fee shall be construed as breach of the terms and conditions of the license.

23. ACCOUNTS OF THE LICENSEE

1. The licensee shall -
 - (a) Maintain separate information and statements of accounts for the project and any other business utilising the assets of the project allowed by the Commission. The statement of accounts shall be in such form and contain such particulars as may be laid down by the Commission ;
 - (b) Keep the accounts of the project separate from any other business operated by the licensee, including activities related to similar such transmission projects, if any ;
 - (c) Prepare on a consistent basis from such records accounting statements for each financial year comprising a profit and loss account, a balance sheet and a statement of source and application of funds together with notes thereto and showing separately the amounts of any revenue, cost, asset, liability, reserve, or provision which has been either:
 - i) Charged from or to any business activity other than the one associated with this project together with a description of the basis of that charge ; or
 - ii) Determined by apportionment or allocation between the various business activities together with a description on the basis of the apportionment or allocation,
 - (d) Provide in respect of the accounting statements prepared in accordance with foregoing clauses, a report by the Auditors in respect of each Financial Year, stating whether in their opinion the statements have been properly prepared and give a true and fair view of the revenues, costs, assets, liabilities, reserves reasonably attributable to the Project to which the statements relate, and
 - (e) Submit to the Central Transmission Utility copies of the accounting statements and Auditor's report not later than six months after the close of the financial year to which they relate.
2. Any person authorised by the Commission or the Central Transmission Utility shall be entitled to inspect and verify the accounts of the licensee at any point of time during the validity of the license and the licensee shall render all necessary assistance to the person so authorised.

24. SUBMISSION OF INFORMATION

1. The licensee shall supply such information, as may be called for by the Commission from time to time.

2. The licensee shall provide, in the manner and form determined by the Central Transmission Utility, such information as the Central Transmission Utility may require from time to time to monitor the licensee's performance and compliance of the terms and conditions of the license and any other legislative or regulatory requirement.

25. PRUDENTIAL REPORTING

The licensee, as soon as practicable, shall report to the Central Transmission Utility:

- (a) Any significant changes in its circumstances which may affect the licensee's ability to meet its obligations under the Electricity Laws, directions/orders issued by the Commission, Indian Electricity Grid Code, agreement or the license.
- (b) Any material breach of the provisions of Electricity Laws, directives/guidelines issued by the Commission, Indian Electricity Grid Code, agreement, or the license.
- (c) Any change in major shareholding, ownership or management of the licensee.

26. OPERATION AND COMPLIANCE AUDITS

The licensee shall submit the necessary documents/information to the Central Transmission Utility regarding independent annual operational and compliance audit in respect of :

- (a) the level of performance achieved with regard to availability of transmission system, transmission losses, O&M practices, quantum of incentive/disincentive, fines and penalties, if any, levied under Electricity Laws ;and
- (b) compliance by the licensee with obligations under the license, IEGC, agreement; and
- (c) compliance by the licensee with the provisions of the Electricity Laws in force and the directions/orders etc. issued by the Commission from time to time ; and
- (d) financial, technical and other capability of the licensee to continue its operation under the license.

27. TERMS OF REVOCATION

1. The Commission may at any time revoke the license, if
 - (a) The licensee requests in writing to the Commission that the license may be revoked; or
 - (b) Any amount payable under regulation 18 remains unpaid for a period of ninety (90) days after it has become due; or

- (c) The licensee, in the opinion of the Commission has committed a material breach of any of the terms and conditions of the license and has failed to comply with any order or direction issued by the Commission to rectify such breach; or
- (d) The licensee in the opinion of the Commission, is not in a position to fully and efficiently discharge the duties and obligations imposed under the license; or
- (e) In the opinion of the Commission the licensee has committed a willful or unreasonable default in doing anything required of him by or under the Electricity Laws or Indian Electricity Grid Code.

Provided that the license shall not be revoked without a notice of not less than 90 days in writing to the licensee stating the reasons for which the license is proposed to be revoked and after consideration of the cause shown by the licensee.

Provided further that on consideration of the cause shown by the licensee, the Commission may, instead of revoking the license, permit it to remain in force, subject to such further terms and conditions as the Commission may impose and such further terms and conditions so imposed by the Commission shall be observed by the licensee, and be of like force and effect as if these were contained in the license.

- 2. A notice to the licensee shall not be necessary if revocation of the license by the Commission is in pursuance of termination of agreement between the Central Transmission Utility and the licensee with the approval of the Commission or where the licensee requests in writing to the Commission for revocation of its license.
- 3. The revocation of license for reason of termination of agreement shall become effective from the date of termination. In all other cases the license shall stand revoked from such date as may be directed by the Commission.
- 4. Consequent to revocation of the license or abandoning of the project by the licensee, the project shall be immediately taken over by the Central Transmission Utility in accordance with the provisions of the Transmission Service Agreement or shall be handed over to such person as may be directed by the Commission.

PART IV - MISCELLANEOUS**28. DISPUTE RESOLUTION**

All disputes or differences arising out of or related to inter-state transmission of energy, including tariff and those arising out of or connected with the interpretation of the license or the terms and conditions thereof, shall as far as possible be resolved by mutual consultation/reconciliation. In the event of failure of the parties to resolve these disputes or differences in the manner stated above, these shall be referred to the Commission for arbitration or adjudication in accordance with clause (h) of Section 13 of the Electricity Regulatory Commissions Act, 1998.

29. COMMUNICATION

1. All communications relating to the license shall be in writing and shall be delivered either in person, or by registered/speed post.
2. All communications shall be regarded to have been given by the sender and received by the addressee –
 - (a) when delivered in person to the addressee or to his authorised agent;
 - (b) on expiry of 15 days from the date of sending by registered/speed post at the address of the addressee.

30. POWER TO RELAX

The Commission may, when it considers necessary or expedient to do so and for reasons to be recorded in writing amend, vary, relax or depart from any of the provisions of these regulations, with or without public hearing as deemed fit.

31. REPEAL AND SAVING

1. Save as otherwise provided in these regulations, Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms & Conditions for grant of Transmission License and other related matters) Regulations, 2001 are hereby repealed.
2. Notwithstanding such repeal, anything done or purported to have been done or any action taken or purported to have been taken under the repealed regulations, shall be deemed to have been done or purported to have been done or taken or purported to have been taken under these regulations.

Schedule 1**GUIDING FACTORS FOR PREPARATION OF THE REQUEST FOR
QUALIFICATION AND REQUEST FOR PROPOSAL DOCUMENTS****REQUEST FOR QUALIFICATION****SECTION-I****Invitation For Qualifications****1. INTRODUCTION**

- 1.1 This sub-section shall briefly give the purpose of the Request for Qualification, scope of work, tentative schedule of commissioning of the project, criteria for selection of IPTC on Build-Own-Operate and Transfer (BOOT) basis the Commission's licensing procedure/conditions and role of the Central Transmission Utility in the bidding process.

2. SCOPE OF WORK

- 2 This sub-section shall describe the scope of work. In case of transmission lines voltage level, line length, number of circuits and in case of sub-stations, number of transformers, voltage level(s), number of bays, number of reactors and capacitors, etc. proposed for implementation by IPTC shall be indicated. The terrain through which the proposed line is to traverse shall also be mentioned. The general technical parameters of the elements to be taken up through the competitive route shall be broadly defined. Specific standards (IS, IEC or any other international standard), which the installation shall conform to shall also be mentioned in this sub-section.

SECTION-II**Information to Applicants**

This section shall cover the following:

DEFINITIONS

- 1.1 This sub-section shall cover the definitions of the terms used in the Request for Qualification document. The terms defined in the IEGC and relevant Electricity Acts/Laws used in this document shall be reproduced to ensure comprehensiveness of the document.

2. PROJECT DESCRIPTION

- 2.1 The type of project, that is, whether it is for evacuation of power from specific generating station or for system strengthening, proposed route alignment of the line indicating special features of the route, such as, terrain of the proposed route, river-crossing, any reserve or dense forests, etc., the states through which the proposed line is to traverse or location of sub-station proposed for implementation shall be indicated in this sub-section. The details of various statutory clearances obtained or to be obtained, indicating conditions, if any, imposed by the approving authority, including but not limited to clearance from the Central Government under section 18A of Electricity (Supply) Act, 1948, TEC of CEA, Clearance from forest authorities shall also be clearly indicated. Forest map showing the route of line and power map of the transmission grid shall be enclosed with the Request for Qualification document for proper understanding of scope of the work by all concerned.

3. PROJECT EXECUTION SCHEDULE

- 3.1 This sub-section shall include the time schedule for achievement of important milestones regarding the development and construction of the project, as tabulated below:

S.No.	Important Milestones	Envisaged completion schedule
1.	Award of the project	
2.	Finalisation and signing of the project contract	
3.	Financial Closure	
4.	Testing and Commissioning of the project (if commissioning of individual elements of the projects is envisaged on different dates, the same should be mentioned)	

4. DESCRIPTION OF SELECTION PROCESS

- 4.1 This sub-section shall cover the stages to be followed for selection of the bidder for implementation of the project. A brief description of second stage (Request for Proposal) shall be given in the Request for Qualification document so that the prospective bidders have an appreciation of the approach governing the detailed selection process. The applicants qualifying at the Request for Qualification stage shall be issued the Request for Proposal document.

5. DETAILED QUALIFYING REQUIREMENTS

5.1 This sub-section shall specify the detailed qualifying requirements for the applicants and shall include:

A. **Experience** in development, design, finance (arranging equity capital and debt), construction and maintenance of transmission system with --- Ckt Kms of transmission line at ---- KV (or above) and/or -----number of sub-stations at ---- KV as applicable, depending on the composition of the project, that is, whether it consists only lines or sub-station or both. The parties having experience of development, design, finance construction and maintenance of transmission system at 220 KV level or above shall be qualified to participate in the bidding process of transmission system for 400 KV level. With regard to transmission systems of higher voltage, such as 765 KV AC and HVDC system, it would be preferable that the applicants have requisite experience in the systems of same voltage level.

(i) Transmission lines at voltage --KV or above,

(ii) -----MVA or above sub-station,

(iii) Transmission lines at voltage ----KV & above
and ____MVA or above sub-station

B. **Financial capability** as demonstrated by net-worth / turnover of the applicant commensurate with the quantum of capital needed for the proposed project.

Note 1

In case of consortium, if any of the affiliate is able to meet the criterion of experience and that affiliate or any other affiliate is able to meet criterion of financial capability, the applicant shall be considered to have met the minimum qualifying requirement.

Note 2

The applicant shall be required to submit necessary evidence in support of its claim of meeting the qualifying requirement. The Central Transmission Utility may develop appropriate forms for obtaining the information from the applicants on detailed qualifying requirements.

6. ALLOCATION OF RESPONSIBILITIES

6.1 This sub-section shall cover the responsibilities of the Central Transmission Utility and the COMPANY (COMPANY means any company, utility or organisation other than Power Grid Corporation of India Ltd, which intends to build, operate and maintain part of the Inter-State

Transmission System for which applications have been invited) as prescribed under any law and the terms and conditions of license. These shall include:

6.1.1 Central Transmission Utility

- (a) To call the bids - the Request for Qualification and the Request for Proposal and evaluate them,
- (b) To give approval for grant of license in the manner notified by the Commission,
- (c) To exercise direction, control and supervision over the transmission licensee, and
- (d) To obtain initial project approvals, such as, TEC from CEA.

6.1.2 Company

- (a) To obtain transmission license from the Commission,
- (b) To obtain project approvals and permits, such as, but not limited to, forest clearance, approval from Power Telecommunication Coordination Committee, approval from civil aviation authority, right of way, or for crossing of rivers, roads, railways, canals, etc.,
- (c) To finance, construct, maintain and operate the project during the validity of the license, and

7. BIDDING PROCESS TIME SCHEDULE

- 7.1 This sub-section shall indicate the time-schedule for submission of the Request for Qualification document, opening of the Request for Qualification proposals and short-listing of qualified applicants, issuance of the Request for Proposal document, pre-bid conference, submission of technical/financial proposals, selection of successful applicant(s), etc. In case of the Request for Qualification, a minimum of 2 months and in case of the Request for Proposal, a minimum of 3 months time shall be given to the bidders for submission of their proposals. Address for collection and submission of Request for Qualification/Request for Proposal and cost of Request for Qualification/Request for Proposal documents shall also be mentioned in this sub-section.

SECTION-III

Instructions to the Applicants

This section shall cover the various requirements for preparation and submission of the Request for Qualification proposals by the applicants and the procedure for bid evaluation to be followed by the Central Transmission Utility.

1. GENERAL RULES

1.1 This sub-section shall describe the general rules to be followed by the applicants such as but not limited to, the following:

- (a) The proposals, incomplete in any respect are liable to be rejected.
- (b) Strict adherence to formats wherever prescribed shall be required.
- (c) All communications and information required shall be in writing and in English language. If any attachment to the Qualification statements is in a language other than English, it shall be accompanied by true English translation.
- (d) Information furnished shall be legible.
- (e) No addition to or substitution of the information shall be permitted after submission of application.
- (f) Mere submission of the Request for Qualification shall not be construed that the bidder meets the eligibility requirement.
- (g) The Central Transmission Utility for reasons to be recorded in writing reserves the right to reject any or all of the applications for qualification.
- (h) The applicant shall bear all costs associated with the submission of the application and the related matters.
- (i) If at any later date the information furnished or the document supplied by the applicant is found to be incorrect or there is willful suppression or misrepresentation of facts, such an applicant shall be disqualified and his selection cancelled.

2. QUALIFICATION STATEMENT SUBMISSION FORMATS

2.1 This sub-section shall describe various forms to be submitted along with the application, such as

2.1.1 Description of the applicant

This shall include at least the following information in the prescribed format:

- (a) The organisational structure of the applicant, description of the background, structure and capabilities of the applicant, description of previous experience of the applicant, name, position & address of key persons, etc.
- (b) If the applicant is a consortium, the submission shall also include roles and responsibilities envisaged for each of the affiliates of the consortium. A copy of Memorandum of Understanding between affiliates shall also be enclosed.

2.1.2 Experience:

This shall include at least following information:

- (a) The name, location, route length, voltage level and type of transmission system and type of project executed/promoted/under execution by the applicant,
- (b) Certificate of final acceptance and of good operating performance issued by the owner or client,
- (c) A narrative description of the projects mentioned above covering the following:
 - (i) Project model, that is, BOOT, etc.,
 - (ii) Size and type of installation,
 - (iii) Debt financing and equity raised and provided by the applicant, names of lenders and other investors,
 - (iv) Name of EPC contractor,
 - (v) Role of the applicant in the project,
 - (vi) Schedule for construction of the project vis-à-vis completion time, and
 - (vii) Date of commercial operation of the project

2.1.3 Financial capability:

This shall include at least the following information in the format, if prescribed:

- (a) Audited financial statements, that is, the Balance Sheet, Profit & Loss Account for the preceding 3 years, duly certified by the Chartered Accountant.
- (b) Any other relevant information relating to the applicant's financial track record and capabilities.

3. SUBMISSION DATE AND TIME

- 3.1 This sub-section shall clearly mention the last date and time for submission of the application for qualification.

4. VALIDITY OF PROPOSALS

Each proposal shall be valid and open for a period of ----- months/year from the last date of submission of the application,

5. BID SECURITY

Bank guarantee for an amount of Rs 5 lakhs shall be furnished while submitting the application. The Bank guarantee of the successful applicant shall be returned within 15 days of his submitting the Request for Proposal and Bank guarantee of the unsuccessful applicant shall be returned within 15 days of rejection of his application.

SECTION-IV**Evaluation Procedure****1. EVALUATION PROCEDURE**

- 1.1 This sub-section shall contain the criterion and the procedure for evaluation for selection of applicants at the Request for Qualification stage.
- 1.2 The applicants who meet the qualifying requirement of experience and financing capability as per the detailed Guiding Factors in Section-II and verified from the supporting information supplied by the applicant shall be considered to have been qualified at the Request for Qualification stage and shall be short-listed for issuance of the Request for Proposal document. The evaluation for selection at the Request for Qualification stage shall be done by tabulating the information in respect of each of the applicants in the following format:

Requirement	Whether the bidder meets the minimum requirement	Whether the supporting information supplied
A. Experience		
Development	Yes/No	Yes/No
Design	Yes/No	Yes/No
Finance	Yes/No	Yes/No
Construction	Yes/No	Yes/No
Maintenance	Yes/No	Yes/No
B. Financial Capability		
Net-worth	Yes/No	Yes/No
Turn-over	Yes/No	Yes/No

- 1.3 If answer to all the questions in the table is "Yes", then only the bidder shall be qualified to participate in Request for Proposal process. In case number of applications at Request for qualification stage or the number of qualified applicants is less than three, Request for Proposal process shall be initiated only after obtaining prior approval of the Commission.

REQUEST FOR PROPOSAL

SECTION I

Information for the Bidders

1. DEFINITIONS

- 1.1 This sub-section shall contain definitions of all the terms appearing in Request for Proposal document. If any of these terms has already been defined in IEGC or Electricity Laws, these shall be reproduced for the sake of comprehensiveness of the document.
- 1.2 Special care shall be taken to define generic terms with reference to Inter-State Transmission System (as some of the terms may be applicable in case of intra-state transmission system also e.g. " the IEGC" rather than "Grid Code" should be defined).

2. INTRODUCT ON

- 2.1 This sub-section shall indicate the location and purpose of the project. It shall also indicate the status of various statutory clearances including but not limited to clearance from the Central Government under Section 18A of the Electricity (Supply) Act, 1948, TEC of CEA and forest clearance.
- 2.2 A brief description of the licensing process shall be included.
- 2.3 Role of various agencies in the process shall be clearly defined.

3. PROJECT DESCRIPTION

- 3.1 This sub-section shall contain:

(a) Complete description of the project along with functional specifications. It shall include:

- (i) Type of project whether for evacuation of power from specific generating station or for system strengthening,
- (ii) The states through which the proposed line is to traverse,
- (iii) Description of soil, terrain, river /road /power line crossings,
- (iv) Forest map and power map of the transmission grid to which the project is proposed to be connected.

(b) Estimation of financial and legal requirements.

(c) Schedule for completion of different activities.

(d) Line map of the lines and locations of sub-stations

SECTION –II

1. INSTRUCTIONS FOR BIDDERS

1.1 This section shall describe the general rules to be followed by the bidder such as but not limited to:

- (a) The bids, incomplete in any respect are liable to be rejected.
- (b) Strict adherence to formats, wherever prescribed shall be required.
- (c) All communications and information required shall be in writing and in English language. If any attachment to the Proposal statements is in a language other than English, it shall be accompanied by true English translation.
- (d) Information furnished shall be legible.
- (e) No addition to or substitution of the information shall be permitted after submission of bids.
- (f) The Central Transmission Utility for reasons to be recorded in writing may reject any or all of the bids.
- (g) Bidder shall bear all the costs associated with the preparation of the bids and the related activities.
- (h) If at any later date, the information furnished or the document supplied by the bidder is found to be incorrect or there is willful suppression or misrepresentation of facts, such a bidder shall be disqualified and his selection cancelled.
- (i) Selection process (including evaluation methodology), procedure for site visits, procedure for issuing amendments and clarifications to the Request for Proposal and information about pre-bid conference shall be described in detail.
- (j) Each bidder shall furnish a bid security.(0.25% of the estimated capital cost) in the form of bank guarantee. The bid security shall be returned to unsuccessful bidders within 15 days of date of expiry of their proposal. The bid security of the successful bidder shall be returned after the bidder deposited the project implementation guarantee.
- (k) Bidders shall be asked to quote for each element separately to facilitate payment of Transmission Service Charges in case of part commissioning and award the project to two or more bidders by splitting the project, if this results in overall lower Bidders shall be asked to quote for each element separately to facilitate payment of Transmission Service Charges.
- (l) Bidders shall be asked to quote exactly as per the requirement set out in the Request for Proposal document. Alternatively, deviation from the requirements may be allowed in the area to be specified by the Central Transmission Utility. Stringent requirements including functional specifications may be listed separately and the proposal may be treated as non-responsive in case of failure of the bidder to meet these requirements.

- (m) Bidders shall be asked to quote for each element separately to facilitate payment of Transmission Service Charges consisting of following components for each year of the anticipated period of 30 years:
 - (i) Non-indexed Rupee component
 - (ii) Rupee component indexed to domestic inflation (formulation for indexation to be specified by the Central Transmission Utility)
 - (iii) Foreign exchange component (no indexation allowed, the Central Transmission Utility may specify upper limit for this component)
- (n) Variation in the Transmission Service Charges quoted for the 30 years shall be smooth and consistent.
- (o) Based on Transmission Service Charges quoted by the bidders for the aforesaid period, the NPV of the Transmission Service Charges quoted shall be calculated and the bidder with lowest NPV shall be selected for executing the project. The discount rate, base foreign exchange rate and foreign exchange variation rate for the purpose of bid evaluation shall be clearly mentioned.
- (p) If number of valid bids is less than 3, the evaluation shall proceed only after obtaining prior approval of the Commission.
- (q) Confidentiality clause should clearly state that the Commission may, on receipt of a complaint from any of the bidders alleging mala-fide in the selection of successful bidder, call for the evaluation reports in order to satisfy itself in regard to fairness of the evaluation process carried out by the Central Transmission Utility. It should be further stipulated that any additional information, if required, by the Commission from the bidders shall be submitted to the Commission.
- (r) Information gathered during feasibility study shall be appended for the information of the bidders.
- (s) Detailed instructions regarding preparation and submission of the proposals shall be included.
- (t) The successful applicant shall be given at least 3 months' time to submit its Proposal.

SECTION-III

Functional Specifications

1. FUNCTIONAL SPECIFICATIONS

- 1.1 The minimum functional specifications shall set out those aspects of the project's functionality that are obligatory. The minimum functional specifications shall relate solely to inputs, outputs, and boundary conditions, and not seek to specify the design of the transmission lines and substations in any way.

1.2.1 The minimum functional specifications specified shall ensure that the project

- a) Has technical compatibility with the system in which the electricity is to be transmitted; and
- b) Complies with prevalent safety standards and requirement of laws in force.

1.3 The bidders should be given flexibility to optimise the design to meet the functional specifications.

SECTION IV

Implementation Agreement

1. PREAMBLE

1.1 The preamble shall include that

- a) The agreement has been entered into by the Central Transmission Utility.
- b) In case of inconsistency between the provisions of the agreement and the terms and conditions of the license issued by the Commission, the later shall prevail. Similarly, the provisions of the Electricity Laws, including the IEGC shall override the provisions contained in the agreement, to the extent of inconsistency.

2. DEFINITIONS

2.1 This sub-section shall contain definitions of the terms appearing in the Implementation Agreement. If some of these terms have already been defined in the Electricity Laws, including the IEGC, the same shall be reproduced for the sake of comprehensiveness of the document.

3. EFFECTIVENESS, TERM AND FINANCIAL CLOSURE

- (a) The agreement shall take effect when it is executed and delivered by the parties and shall expire on the date of commercial operation or any other mutually agreed date, unless terminated earlier in accordance with the provisions of the agreement.
- (b) The Liquidated Damages for delay in financial closure shall be stipulated as a percentage of the estimated project cost, to be decided by the Central Transmission Utility. The percentage fixed shall be commensurate with the financial losses likely to accrue due to delay in financial closure.

- (c) If the delay exceeds the specified number of days (based on the criticality of the project), the Project Implementation Guarantee Deposit shall be forfeited if the reasons for delay are attributable to the licensee. The Project Implementation Guarantee shall not be forfeited if the delay is on account of the Central Transmission Utility or force majeure.
- (d) The Liquidated Damages received or the Project Implementation Guarantee Deposit forfeited shall first be utilized to set off the liability of the project, if any. The balance amount, if any, shall be adjusted against the cost of the project and shall be utilized to reduce the cost.
- (e) Since termination of the agreement has same effect as termination of license, the agreement shall be terminated only with the prior approval of the Commission. In case of abandonment of the project by the licensee, the project shall be immediately taken over by the Central Transmission Utility.

4. CONDITIONS PRECEDENT

This sub-section shall specify the conditions precedents of the parties to the agreement.

4.1 COMPANY's conditions precedent

Obligations of the Central Transmission Utility under this agreement are subject to satisfaction of at least the following conditions by the COMPANY, unless waived in writing by the Central Transmission Utility:

- (a) The COMPANY has been granted license by the Commission to construct, maintain and operate the elements of the project forming part of Inter-State Transmission System.
- (b) The Bidders shall be asked to quote for each element separately to facilitate payment of Transmission Service Charges payable to the COMPANY.
- (c) The COMPANY has achieved financial closure.
- (d) The COMPANY has provided to the Central Transmission Utility the Bank guarantee on account of the Project Implementation Guarantee Deposit.
- (e) If the COMPANY proposes to appoint construction contractor, it has intimated to the Central Transmission Utility, name and other relevant details of the contractor.
- (f) The COMPANY has obtained all the consents, approvals and permits either unconditionally or subject to conditions which do not materially prejudice its rights or performance of its obligations under this agreement.
- (g) The COMPANY has obtained environmental and forest clearance.

4.2 The Central Transmission Utility's conditions precedent

Obligations of the COMPANY under this agreement are subject to satisfaction of at least the following conditions by the Central Transmission Utility, unless waived in writing by the COMPANY:

- (a) The Central Transmission Utility has obtained Techno-Economic clearance by CEA under Electricity (Supply) Act, 1948, where applicable.
- (b) The Central Transmission Utility, beneficiaries and facilitator or trader (if applicable) have signed Bulk Power Transmission Agreement.
- (c) The Central Transmission Utility shall acquire land needed for the purpose of the project.

4.3. The Central Transmission Utility's and COMPANY's conditions precedent

Obligations of either party under this agreement are subject to satisfaction of at least the following conditions by the other party, unless waived in writing by the party concerned:

- (a) Both the parties shall have received an opinion of a legal practitioner in India, in the agreed form, with respect to other party's authority to enter into this agreement;
- (b) Both the parties shall have agreed on the appointment of the Independent Engineer (IA shall contain suitable provision for defining the Independent Engineer, procedure for its appointment and its responsibilities), and
- (c) Either party shall have received resolution by Board of Directors of the other party authorizing the execution, delivery and performance by the COMPANY/POWEGRID (as the case may be) of this agreement and each of the project document.

4.4 Obligations to waive/ satisfy conditions precedent

Each party shall make all reasonable endeavors at its own cost and expense to cause the conditions precedent for which it is responsible to be satisfied within 6 months after the date of this agreement. Either party may waive any of the conditions precedent to the extent it has been included for its own benefit and protection, by notifying the other party in writing.

5. RIGHT TO TERMINATE

- 5.1 If the conditions precedent are not duly satisfied or waived within 8 months from the date of the agreement, either party may terminate the agreement by giving a written notice. The agreement shall be terminated on expiry of 9 months from the date of the agreement, including the notice period , if the conditions precedent are not satisfied.

6. PROJECT IMPLEMENTATION GUARANTEE DEPOSIT

- 6.1 The Central Transmission Utility shall specify amount of bank guarantee to be called Project Implementation Guarantee Deposit. The COMPANY shall provide the bank guarantee of the amount of Project Implementation Guarantee Deposit. This amount shall be forfeited in case of delay in financial closure or delay in completion of the project or failure to develop the project in accordance with the functional specifications, in case of delay or failure, as the case may be, is for the reasons attributable to the COMPANY. In other cases, the amount shall be released by the Central Transmission Utility to the COMPANY within one month of expiry of one year from the date of commercial operation of the project without any interest on such deposit.

7. DEVELOPMENT OF PROJECT

- (a) This section shall describe in detail obligations of each party in development and implementation of the project.
- (b) Liquidated Damages for delay in commercial operation shall be stipulated as a percentage of the estimated project cost, to be decided by the Central Transmission Utility. The percentage fixed shall be commensurate with the financial losses likely to accrue due to delay in commercial operation.
- (c) If the delay exceeds more than specified number of days (based on the criticality of the project), the development security (termed as Project Implementation Guarantee Deposit" in the Commission's notification) shall be forfeited.
- (d) The Liquidated Damages received and the Project Implementation Guarantee Deposit forfeited shall be apportioned to each element of the project to take care of delay in commercial operation of individual elements. The formulation for this apportionment shall form part of the agreement.
- (e) The Liquidated Damages received or the Project Implementation Guarantee Deposit forfeited shall first be utilized to set off the liability of the project, if any. The balance amount, if any, shall be adjusted against the cost of the project and shall be utilized to reduce the cost.
- (f) The Liquidated Damages payable by the Central Transmission Utility to the COMPANY for delay in commercial operation due to the Central Transmission Utility's default shall also be specified as a percentage of the estimated project cost, subject to a limit of aggregate liability.

8. CONSTRUCTION OF THE PROJECT

- (a) The COMPANY's responsibilities in relation to construction of the project shall be described in detail.
- (b) The Central Transmission Utility may specify qualifying requirements for the construction contractor but its consent for appointment of individual

contractor may not be necessary as long as the qualifying requirements are met.

- (c) The project shall be built in accordance with the technical specification utilising new materials.
- (d) Each party shall have right to designate from time to time, by written notice to the other party, up to 5 of its employees who shall be responsible for coordinating all construction activities relating to the project and who shall have access at all reasonable times to the other party area of responsibility for the purpose of inspecting the progress of the work being carried out, subject to reasonable notice period and subject to their complying with all reasonable safety procedures.
- (e) COMPANY shall provide progress report to the Central Transmission Utility at such periodicity and with such details as may be prescribed by the Central Transmission Utility

9. COMMISSIONING AND CONNECTION OF THE PROJECT

- (a) The notice period for commissioning the project and the requirements for connecting the project with the inter-connection facility shall be clearly specified.
- (b) The Central Transmission Utility shall be entitled to inspect the project for ascertaining that the requirements for connecting the project with inter-connection facility are met. In case the Central Transmission Utility fails to inspect or inspects and determines that the requirements for connecting with inter-connection facility are not met, the COMPANY shall be entitled to connect the project, if the Independent Engineer :
 - (i) Certifies in writing that in its opinion the project can be connected to the inter-connection facility and
 - (ii) Gives in writing the reasons, why, in its opinion, any objections raised by the Central Transmission Utility are not well founded.
- (c) Connection with the inter-connection facility shall be done with the prior approval of the RLDC.
- (d) The project shall be declared commissioned on the day commissioning tests were carried out subject to issuance of certificate by the Independent Engineer to the effect that the commissioning tests were carried out in accordance with this agreement and satisfy the criteria for commissioning of the project.

10. SAFETY RULES & PROCEDURES

- 10.1 The COMPANY shall comply with safety rules and procedures as per applicable laws and Prudent Utility Practices.

11. INSURANCE

11.1 Within 3 months of the date of financial closure of the project, the COMPANY shall effect and maintain during the validity of the Implementation Agreement and the Transmission Service Agreement, insurance against various risks and such insurance as may be required/necessary under:

- (a) Any of the financial agreements
- (b) The laws of India
- (c) In accordance with prudent utility practices

12. CHANGE IN LAW

This section shall cover in detail.

- (a) Definition of change in law,
- (b) The conditions under which change in law provisions shall be applicable,
- (c) Provisions regarding notifying change in law, and
- (d) Provisions regarding amending the agreement pursuant to change in law.

13. REPRESENTATIONS AND WARRANTIES

13.1 The Central Transmission Utility shall represent and warrant the COMPANY that as the Central Transmission Utility it has full power and authority to execute, deliver and perform its obligations under this agreement.

14. TERMINATION ON DEFAULT

- (a) COMPANY's and the Central Transmission Utility's events of default, termination procedure and transfer of assets on termination of the agreement shall be described in detail.
- (b) Cessation of POWERGRID's status as the Central Transmission Utility shall not constitute the Central Transmission Utility's event of default. In such an eventuality, all the responsibilities/ obligations of POWERGRID as the Central Transmission Utility shall be transferred to the entity succeeding POWERGRID as the Central Transmission Utility.
- (c) The agreement shall not be terminated without prior approval of the Commission (this is necessary because termination of agreement shall result in transfer of the project to the Central Transmission Utility, which amounts to termination of License issued by the Commission).

15. DISPUTE RESOLUTION

15.1 This sub-section shall cover all aspects relating to settlement of disputes and shall provide further that all disputes or differences arising out of or

related to inter-state transmission of energy, including tariff and those arising out of or connected with the interpretation of the license or the terms and conditions thereof, shall as far as possible be resolved by mutual consultation/ reconciliation. In the event of failure of the parties to resolve these disputes or differences in the manner stated above, these shall be referred to the Commission for arbitration or adjudication in accordance with clause (h) of Section 13 of Electricity Regulatory Commissions Act, 1998.

16. CONFIDENTIALITY

16.1 Save as required by law or appropriate regulatory authority or prospective lenders or investors in the COMPANY or the respective professional advisers of the parties or of such lenders or investors, both the parties shall:

- (a) Use their reasonable endeavor to keep all information regarding any data or information acquired under or pursuant to this agreement confidential, and
- (b) Not use any document or other information (whether technical or commercial) obtained by them respectively by virtue of this agreement concerning the other's undertakings for any purpose other than performance of the party's obligations and exercise of its rights under this agreement

Provided that these provisions shall not apply to information which at the time of disclosure was in public domain other than by breach of the foregoing obligations of confidentiality.

16.2 These provisions shall survive termination of the agreement but shall expire on 5th anniversary of the date of termination of the agreement.

SCHEDULES

1. Scope of the Project

- a) Terminal ends, voltage level and length (as per feasibility study) of each line shall be clearly indicated. If the work involves sub-stations also, number of transformers along with their MVA capacity & voltage levels, number of bays along with associated equipment, number of Reactors along with rating and voltage levels etc shall be mentioned.
- b) Individual activities involved in the execution of the project may be listed. However, it should be made clear that overall the COMPANY shall be responsible to finance, construct, own, operate and maintain the project.

2. Functional Specifications

- 2.1 As specified in the guiding factors for preparation of the Request for Proposal document.

SECTION V

Transmission Service Agreement

1. PREAMBLE

- 1.1 The preamble shall include that
- (a) The agreement shall be entered into by the Central Transmission Utility.
 - (b) In case of inconsistency between the provisions of the agreement and the terms and conditions of the license issued by the Commission, the later shall prevail. Similarly, the provisions of the Electricity Laws, including the IEGC shall override the provisions contained in the agreement, to the extent of inconsistency.

2. DEFINITIONS

- 2.1 This sub-section shall contain definitions of the terms appearing in the Transmission Service Agreement. If some of these terms have already been defined in the Electricity Laws, including the IEGC, the same shall be reproduced for the sake of comprehensiveness of the document.

3. EFFECTIVENESS AND TERM

- 3.1 Term of the agreement shall be such that the agreement shall get terminated at the expiry of the license period unless it is terminated earlier as per the applicable provisions of this agreement.

4. CONDITIONS PRECEDENT

- 4.1 This sub-section shall specify the conditions precedents of the parties to the agreement.

(a) **COMPANY's conditions precedent**

Obligations of the Central Transmission Utility under this agreement are subject to satisfaction of at least the following conditions by the COMPANY, unless waived in writing by the Central Transmission Utility:

- (i) The Commercial Operation Date has occurred;
- (ii) The COMPANY has provided proposed operation and maintenance procedure to the Central Transmission Utility; and

(iii) If the COMPANY proposes to appoint O&M contractor, it has intimated to the Central Transmission Utility, name and other details of the O&M contractor.

(b) The Central Transmission Utility 's and Company's Conditions Precedent

Obligations of either party under this agreement are subject to satisfaction of at least the following conditions by the other party, unless waived in writing by the party concerned:

(i) Both the parties shall have received an opinion of Indian Legal Counsel, in the agreed form, with respect of other party's authority to enter into this agreement;

(ii) Both the parties should have signed site responsibility schedule, clearly indicating the responsibility for safety, operation and maintenance between the COMPANY and the Central Transmission Utility. This shall be enclosed as a Schedule in the TSA.

(c) Obligations to waive/ satisfy conditions precedent

Each party shall use all reasonable endeavors at its own cost and expense to cause the conditions precedent for which it is responsible to be satisfied within 6 months after the date of this agreement. Either party may waive any conditions precedent (except for the one relating to date of commercial operation) to the extent it has been included for its own benefit and protection by notifying the other party in writing.

5. RIGHT TO TERMINATE

5.1 If the conditions precedent are not duly satisfied or waived within 8 months of the date of commercial operation, either party may terminate this agreement by giving a written notice to other party.

6. OPERATION AND MAINTENANCE OF THE PROJECT

6.1 This sub-section shall incorporate the following details:

- (a) The COMPANY shall maintain the project at its own cost and expense as per the applicable laws, manufacturer's recommendations and Prudent Utility Practices.
- (b) The operation and maintenance of the project shall be under the supervision and control of the Central Transmission Utility.
- (c) The Central Transmission Utility shall be entitled to designate any of its employees to inspect the project for the purpose of verifying compliance with the operation and maintenance procedures by giving a written notice.
- (d) The COMPANY shall prepare operation and maintenance procedure, which it proposes to adopt and submit it to the Central Transmission

Utility for approval 180 days prior to scheduled Commercial operation date. Within 60 days after receiving this proposal, the Central Transmission Utility may notify the COMPANY in writing of its objections, if any, on the proposed operation and maintenance procedure and suggest amendments. Both the parties shall discuss and try to reach agreement on this issue and in case of failure to reach agreement the matter shall be referred to the Independent Engineer.

- (e) Each party shall keep complete and accurate records and all the data required by each of them for the purpose of proper administration of this agreement. Both the parties may hold discussions to finalise this requirement as also the time period for which these records shall not be destroyed. Either party can inspect records in possession of the other party by giving a reasonable prior notice.
- (f) COMPANY may use or allow use of the transmission assets for the purpose other than transmission, subject to the conditions that such use shall not adversely affect the transmission capability and that the benefits of such use shall be shared with the beneficiaries of the transmission assets as per decision of the Commission.
- (g) Outage schedule shall be finalised by the REB (The Central Transmission Utility shall consult the COMPANY and take up the matter in REB forum). Where ever possible, emergency outages shall be taken in consultation with the Central Transmission Utility. Permission for availing outages as well as for energisation after all types of outages shall be issued by the RLDC concerned.
- (h) The Central Transmission Utility may set out qualifications for the O&M contractors and the COMPANY may assign O&M contract to any contractor meeting these qualifications under intimation to the Central Transmission Utility.
- (i) The Central Transmission Utility may specify the transmission assets, which shall not normally be taken out simultaneously for maintenance. The Central Transmission Utility may also specify certain time period (months/season) when scheduled maintenance on any of the element shall not normally be allowed. The Central Transmission Utility may ask company to provide information as it reasonably requires to discharge its obligation as the Central Transmission Utility of supervision and control of Inter-State Transmission System.
- (j) In case of emergency or unusual situations, if the COMPANY fails to carry out maintenance the Central Transmission Utility shall be entitled to carry out maintenance to facilitate optimal use of the assets. The reasonable cost for such maintenance shall be reimbursed to the Central Transmission Utility by the COMPANY.
- (k) Any modification in the scope of the project shall be carried out with the consent of the Central Transmission Utility and after prior approval of the Commission.

7. AVAILABILITY CALCULATION

- 7.1 Calculation of availability shall be done as per Commission's order dated 26th September 2000 in petition No. 12/99, 13/99, 14/99 and 16/99. Normative Availability for recovery of full fixed charges shall be 98%, or as may be decided by the Commission from time to time.

8. ESTABLISHMENT OF TRANSMISSION SERVICE CHARGE

- 8.1 This sub-section shall contain the following provisions in regard to Transmission Service Charges:

- (a) Bidders shall be asked to quote for each element separately to facilitate payment of Transmission Service Charges shall be on annual basis and shall contain following components:
 - (i) Non-indexed Rupee component,
 - (ii) Rupee component indexed to domestic inflation (formulation for indexation to be specified by the Central Transmission Utility.), and
 - (iii) Foreign exchange component (no indexation allowed. The Central Transmission Utility may specify upper limit for this component.)
- (b) Bidders shall be asked to quote for each element separately to facilitate payment of Transmission Service Charges for individual elements. These Transmission Service Charges shall be aggregated to arrive at the Transmission Service Charges for the project.
- (c) The Transmission Service Charges shall be paid in Indian Rupees. Foreign component shall be calculated as per the paid exchange rate. Escalation in the Rupee component linked to inflation shall be calculated as per the escalation formula for POWERGRID system contained in the Commission's order dated 21.12.2000 and subsequent notification dated 26.3.2001.
- (d) One by twelfth of the annual Transmission Service Charges shall be payable on monthly basis, subject to achievement of Normative Availability.
- (e) Incentives for achieving availability shall be linked to non-indexed Rupee component.
- (f) Disincentive for achieving availability below normative availability shall be in the form of reduction of Transmission Service Charges on pro-rata basis.
- (g) A rebate of 2.5% shall be allowed in case of payment through Letter of Credit, otherwise a rebate of 1% shall be allowed for payment within one month of presentation of bills. Delay in payment of Transmission Service Charges shall invite a penalty of 1.5%.

9. SAFETY RULES & PROCEDURES

- 9.1 The COMPANY shall comply with safety rules and procedures as per applicable laws and Prudent Utility Practices.

10. INSURANCE

- 10.1 Not later than 3 months prior to the scheduled commercial operation date of the project or as the case may be, an element of the project, the COMPANY shall effect and maintain during the operation period insurance against various risks and such insurances as may be required/necessary under:

- (a) Any of the financial agreements
- (b) The laws of India
- (c) In accordance with prudent utility practices

11. REPRESENTATIONS AND WARRANTIES

- 11.1 The Central Transmission Utility shall inter-alia represent and warrant the COMPANY that as the Central Transmission Utility it has full power and authority to execute, deliver and perform its obligations under this agreement.

12. CHANGE IN LAW

- 12.1 This sub-section shall cover in detail
- (a) Definition of change in law.
 - (b) The conditions under which change in law provisions shall be applicable.
 - (c) Provisions regarding notifying change in law, and
 - (d) Provisions regarding amending the agreement pursuant to change in law.

13. TERMINATION ON DEFAULT

- 13.1 This sub-section shall list out:
- (a) COMPANY's and the Central Transmission Utility's events of default, termination procedure and transfer of assets on termination of the agreement shall be described in detail,
 - (b) Cessation of POWERGRID's status as the Central Transmission Utility shall not constitute the Central Transmission Utility's event of default. In such an eventuality, all the responsibilities/ obligations of

- POWERGRID as the Central Transmission Utility shall be transferred to the entity succeeding POWERGRID as the Central Transmission Utility, and
- (c) The agreement shall not be terminated without prior approval of the Commission (This is necessary because termination of agreement shall result in transfer of the project to the Central Transmission Utility, which amounts to termination of License issued by the Commission).

14. DISPUTE RESOLUTION

- 14.1 This sub-section shall cover all aspects relating to settlement of disputes namely consultation, adjudication and arbitration. The sub-section shall further provide that all disputes or differences arising out of or related to inter-state transmission of energy, including tariff and those arising out of or connected with the interpretation of the license or the terms and conditions thereof, shall as far as possible be resolved by mutual consultation/ reconciliation. In the event of failure of the parties to resolve these disputes or differences in the manner stated above, these shall be referred to the Commission for arbitration or adjudication in accordance with clause (h) of Section 13 of Electricity Regulatory Commissions Act, 1998.

15. CONFIDENTIALITY

- 15.1 Save as required by any law or appropriate regulatory authority or prospective lenders or investors in the COMPANY or the respective professional advisers of the parties or of such lenders or investors, both the parties shall:
- (a) Use their reasonable endeavor to keep all information regarding any data or information acquired under or pursuant to this agreement confidential, and
 - (b) Not use any document or other information (whether technical or commercial) obtained by them respectively by virtue of this agreement concerning the other's undertakings for any purpose other than performance of the party's obligations and excretes of its rights under this agreement
- Provided that these provisions shall not apply to information which at the time of disclosure was in public domain other than by breach of the foregoing obligations of confidentiality.
- 15.2 These provisions shall survive termination of the agreement but shall expire on 5th anniversary of the date of termination of the agreement.

Schedule 2**Application Form for Grant of Transmission license****Details of the Project for which Transmission license has been sought:**

(a) Line Name:

Voltage Class:

Length in Kms.

Circuit (S/C or D/C)

(a) Substation Name:

Voltage Level(s) :

Transformer (Nos. and MVA capacity) :

Shunt Reactor (Nos. and MVAR capacity) :

Static Var compensator (Nos. and MVAR capacity):

No. of bays :

Particulars of the Applicant

i) Name of the Applicant :

ii) Address :

iii) Name, Designation & Address
of the Contact Person :

iv) Contact Tel. No. :

v) Fax No. :

vi) Email/address

vii) Place of Incorporation/Registration

- viii) Year of Incorporation/Registration :
- ix) Following documents are to be enclosed:
- (a) Certificate of registration
 - (b) Original Power of Attorney of the signatory to commit the Applicant or its promoter
 - (c) Details of income tax registration:
 - (d) Details of import license, if any.

Past experience of the applicant

[To be filled in by the applicant or by each participant separately in case of JVC/ consortium (As applicable)]

- (i) Name & Address of Transmission and/or Distribution project(s) developed :
- (ii) Brief description of project (s) developed :
- (iii) Name, Designation & Address of Reference person in respect of the project(s) developed :
Contact Tel. No. :
Fax No. :
- (iv) Name & Address of the Client company(s) for whom the project(s) were developed :
- (v) Name, Designation & Address of Reference person of Client Co (s) :
Contact Tel. No. :
Fax No. :

- (vi) Broad scope of the applicant in above project (s) :
- (vii) Name & Type of the company in whose name the project (s) has/have been promoted :
- (viii) Date of commencement of construction
a) Schedule date :
b) Actual date :

Date of Commissioning
a) Schedule date :
b) Actual date :

Date of Commercial Operation
a) Schedule date :
b) Actual date :
- (ix) Completed Cost of project(s) :
Developed (in equivalent Indian Rupees – conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the time of equity infusion/loan draw in foreign currency) :

Means of Finance (Brief details) :

Debt (%) :
Equity (%) :
- (x) Certificate/documents in support of all the above details from the Owner/ Client for whom the project (s) were promoted are to be enclosed.
- (xi) We hereby certify that we are a Power Utility owning & maintaining transmission lines of 220 KV or higher voltage level. Details of all the transmission lines & sub-stations of 220 KV or higher voltage level owned & maintained by us are given below (As applicable):

Sl. No.	Name of Line	S/C or D/C	Voltage Level	Line length in Kms.	Name of State/ Country where line is located
1. 2. 3. 4.					
Sl. No.	Name of Sub-station	No. of Transformers, Bays, reactors etc.	Voltage Level	MVA or MVAR	Name of State/ Country where sub-station is located
1. 2. 3. 4.					

Details of Financial Data of Applicant

[To be filled in by applicant or by each participant separately in case of JVC/ consortium (As applicable)]

- (i) Net worth (in equivalent Indian Rupees-conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past (5) five financial years. (Specify financial year as applicable)

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
a) Year 1() to ()	-----	-----	-----
b) Year 2() to ()	-----	-----	-----
c) Year 3() to ()	-----	-----	-----
d) Year 4() to ()	-----	-----	-----
e) Year 5() to ()	-----	-----	-----

- f) Copies of Annual Reports or certified audited results to be enclosed in support of above.

- (ii) Annual Turnover (in equivalent Indian Rupees - conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past (5) five financial years. (Specify financial year as applicable)

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
a) Year 1() to ()	-----	-----	-----
b) Year 2() to ()	-----	-----	-----
c) Year 3() to ()	-----	-----	-----
d) Year 4() to ()	-----	-----	-----
e) Year 5() to ()	-----	-----	-----
f) Average of above 5 years =			
g) Copies of Annual Reports or certified audited results to be enclosed in support of above.			

(iii) List of documents in support of above:

Name of document

- a) _____
b) _____
c) _____
d) _____

(iv) (A) Whether Applicant himself shall be financing the said Transmission Line fully on its own balance sheet **Yes/No**

(B) If, Yes, Proposed Equity from the Applicant/its promoter

- a) Amount (approx.) : _____
b) Percentage of total equity (approx.) : _____ %

(v) In case the Applicant proposes to tie up with some other Agency then name & address of each such Financing Agency

A) Name, designation & Address of reference person of the other Agency :

B) Contact Tel. No. :
Fax No. :

C) Email/address :

D) Proposed Equity from the other Agency

- a) Amount (approx.) : _____
b) Percentage of total equity (approx.) : _____ %

- c) Currency in which the equity is proposed :
- E) Consent letter of the other Agency to associate with the Applicant for the above to be enclosed.
- (vi) Nature of proposed tie-up between Applicant and the other agency.
- (vii) Details of debt proposed for the Project:
- (A) Details of Lenders:
- (B) Details of Loan packages indicating the loan amount, currency, Term of loan, interest rate, up-front fees, Commitment charges etc.
- (C) Whether any guarantees are being sought for the loans from any agency.
(Necessary approvals of Ministry of Finance, GoI will be obtained at an appropriate time and forwarded to Central Transmission Utility / Commission)
- (viii) Whether Applicant himself shall be executing :
the scope related to an EPC Contract
- (ix) In case Applicant proposes to employ some :
EPC contractor or other contractor(s) then
Name & address of such contractor(s)
- a) Name, designation & address of Reference :
person of Contractor(s)
- b) Contact Tel. No. :
Fax No. :
- c) E Mail/address :
- d) Consent letter of contractor(s) to associate with
the applicant for the above to be enclosed
- (x) Nature of proposed tie-up between applicant :
and the Contractor(s)
- (xi) Organisational & Managerial Capability of Applicant:

(Applicant is required to enclose proof of their Organisational & Managerial Capability in form of proposed organisational structure & curricula vitae of various Executing Personnel proposed for this Project.)

(xii) Approach & Methodology:

(Applicant is required to describe Approach & Methodology for establishment of the transmission system as proposed by the applicant.)

(Signature of Applicant)

Dated : at

CERTIFICATE BY CENTRAL TRANSMISSION UTILITY

1. Date of submission of Application	
2. Has the planning policy laid down in Indian Electricity Grid Code (IEGC) been followed ?	Yes/No
3. Does the element of Inter-State Transmission System proposed for execution by the applicant form part of pre-identified elements of Inter-State Transmission System for execution by agencies other than Power Grid Corporation of India Ltd (POWERGRID).	Yes/No
4. Has the procedure for selection of projects to be taken up by the agencies other than POWERGRID been followed ?	Yes/No
5. Is the project proposed to be executed by the applicant reasonably sized (cost-wise) as a distinct project ?	Yes/No
6. Has in-principle clearance from CEA been obtained, where applicable?	Yes/No
7. Have the beneficiaries of the proposed project been consulted at the appropriate forum?	Yes/No
8. Is the applicant technically capable ?	Yes/No
9. Is applicant financially capable ?	Yes/No
10. Whether approved for grant of license ? (state reasons, in brief)	Yes/No

(Authorised Signatory)
CENTRAL TRANSMISSION UTILITY

Dated: at

Schedule 3**CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION
NEW DELHI****TRANSMISSION LICENSE**

1. The Central Electricity Regulatory Commission (hereinafter referred to as "Commission"), in exercise of the powers conferred as per section 27 C of the Indian Electricity Act, 1910 (hereinafter referred to as "Act"), hereby grants the License to M/s to construct, maintain and operate..... (Name of the Project), more specifically described in the schedule attached, under the direction, control and supervision of the Central Transmission Utility subject to the terms & conditions specified under Part III of the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms & Conditions for grant of Transmission License and other related matters) Regulations, 2001 which shall be read as part and parcel of this license.
2. Wherever there is a contradiction between the terms and conditions contained in this license and the agreements signed between the licensee and the Central Transmission Utility, the provisions of this license, as amended from time to time, shall apply.
3. This license is not transferable.
4. The grant of license to the licensee shall not in any way hinder or restrict the right of the Commission to grant a license to any other person within the same area for transmission system other than the Project described in the schedule. The licensee shall not claim any exclusivity.
5. The license shall commence on the date of its issue and unless revoked earlier, shall continue to be in force for a period of 30 (thirty) years from the scheduled date or actual date of commercial operation, whichever is earlier.

SECRETARY

Place: New Delhi.

Date:

SCHEDULE**4.0 Project Related Details:**

The Project comprises of following elements of the Inter-State Transmission System.

Place: New Delhi

SECRETARY

Date:

A. K. SACHAN, Secy.
[ADVT III/IV/150/2003/Exty.]